● वर्ष-3
● अंक-229
रायपुर, शनिवार
04 मई 2024
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज-6›› परफेक्ट मेकअप लुक के लिए.....

पूरी भाजपा ने एकजुट होकर छग में कांग्रेस का सफाया कर दिया: साय

साक्षात्कार **छत्तीसगढ़ में नक्सलियों की अब खैर नहीं - भ्रष्टाचारी पूर्व मुख्यमंत्री हो या आम आदमी, गलत किया तो जेल जाना ही पड़ेगा**

रायपुर। 2018 विधानसभा चुनाव के समय कांग्रेस पार्टी ने लोकलुभावन जन घोषणा पत्र जारी किया था। जिसमें 36 वादे थे, उनको पूरा समय मिला सरकार चलाने का लेकिन एक भी वादा पूरा नहीं कर पाए। साथ ही 5 सालों में कांग्रेस पार्टी ने छत्तीसगढ को अपराध और भ्रष्टाचार का गढ़ बना दिया था। कोयला, बालू, शराब, डीएमएफ राशि में घोटाला जैसे बहुत से घोटाले कर जनता के विश्वास से उतर चुकी थी। भारतीय जनता पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं ने शीर्ष एवं प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर एकजुट होकर काम किया जिसके कारण हमें अच्छी सफलता मिली।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने एक साक्षात्कार में उक्त बातें कही।

उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव के 6 महीने पहले तक लग रहा था कि कांग्रेस की सरकार रिपीट होगी। लेकिन हमारी पार्टी के शीर्ष नेतृत्व का आशीर्वाद माननीय प्रधानमंत्री, गृहमंत्री, राष्ट्रीय अध्यक्ष सहित सभी केंद्रीय मंत्रियों का लगातार प्रवास छत्तीसगढ़ में रहा। साथ ही जनता का विश्वास बीजेपी और देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के प्रति बहुत बढ़ा। जिससे हम चुनाव जीत गए।

प्रदेश की पूरी सीटें जीतने के सवाल पर श्री साय ने कहा कि पहले 2 बार के चुनाव में 11 में से 10-10 सीटें हम लोग जीत चुके हैं। पिछले विधानसभा चुनाव में 15 सीटों पर आ गए थे। लेकिन वहीं 5- 6 महीने बाद जब लोकसभा चुनाव हुए तो 11 में से 9 सीट एवं विधानसभा की दृष्टि से 65 सीटें बीजेपी ने जीती थी। इस बार तो आदरणीय प्रधानमंत्री जी के 10 सालों के कार्यों का मूल्यांकन जनता के पास है और पिछले तीन महीने में हमारी छत्तीसगढ़ की सरकार ने मोदी की गारंटी के बड़े-बड़े काम किए हैं।

18 लाख प्रधानमंत्री आवास की स्वीकृति दी है, 12 लाख से ज्यादा किसानों को 2 साल से ज्यादा का बकाया बोनस 3716 करोड़ रुपया दिए हैं, 21 क्विंटल प्रति एकड़ धान खरीदी एवं प्रति क्विंटल 3100 रूपये धान की कीमत मिली है और 24 लाख 72 हजार से ज्यादा किसानों को 13320 करोड़ रुपए अंतर की राशि दी गई है। हमारी जो विवाहित माताएं-बहनें हैं उन्हें महतारी वंदन योजना के तहत 2 महीने का जो उनका 1000 रुपया का किस्त है, वो देने का काम किए हैं। हर महीने के पहले सप्ताह में उनको किश्त दे देंगे। रामलला दर्शन योजना की शुरुआत भी हो चुकी है। बस्तर-सरगुजा जैसे आदिवासी बाहुल्य संभाग में तेंदूपत्ता जहां आय का एक बड़ा स्रोत है। उसे 4000 से बढ़ाकर 5500 रुपए प्रति मानक बोरा खरीदने का सरकार आदेश कर चुकी है और ये सभी काम मोदी के गारंटी के अंतर्गत हो रहे हैं। जिनका असर जनता पर हो रहा है। इस कारण मैं पूरे विश्वास से कह सकता हूं कि इस बार छत्तीसगढ में पूरी 11 में से 11 सीट भारतीय जनता पार्टी जीतेगी और रिकॉर्ड टूटेगा। नक्सलियों के खिलाफ मिली बड़ी सफलता के बात पर सीएम साय ने कहा कि इसका श्रेय तो डबल इंजन सरकार को जाता है। जिसके तहत हम मजबूती से लड़ पाए हैं और केंद्र से बहुत सहयोग भी मिला है। प्रधानमंत्री एवं गृह मंत्री ने नक्सलवाद खत्म करने का संकल्प लिया है। प्रदेशवासियों ने देखा है कि पिछले 3 महीने में लगातार नक्सली मारे जा रहे हैं, आत्मसमर्पण भी कर रहे हैं और ये बड़ी सफलता हमारे सैनिकों को मिल रही हैं।

एक सवाल के जवाब में विष्णु देव साय ने कहा कि आज पूरे देश में भाजपा के प्रति और मोदी जी के प्रति लोगों का विश्वास बढ़ा है। पहले कांग्रेस वर्सेज ऑल होते थे आज बीजेपी वर्सेज ऑल है। ये हम लोगों का अचीवमेंट है। सही मायने में भाजपा में लोकतंत्र है, कार्यकर्ताओं का सम्मान है। प्रत्येक 3 साल में पदाधिकारी बदल जाते हैं।

देशवासियों के सुख-दुःख की चिंता करने वाले मोदी जी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाना है

कांग्रेसी भ्रम में नहीं आएगी जनता: मुख्यमंत्री साय

रायपुर/प्रेमनगर/तखतपुर /भाटापारा। प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा के कारण आदिवासियों का उत्थान हुआ है। क्योंकि भाजपा ही आदिवासियों की असली हितैषी है। आज देश के सर्वोच्च पद पर आदिवासी समाज की बेटी द्रौपदी मुर्मू विराजमान हैं और छत्तीसगढ़ में पहली बार एक आदिवासी के बेटे को मुख्यमंत्री बनाया गया है। ये सब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के वजह से ही संभव हुआ है। श्रद्धेय अटल जी ने आदिवासियों के हित के लिए आदिम जाति कल्याण मंत्रालय बनाया और आज उसका बजट छत्तीसगढ़ के बजट के बराबर है। देश के साढ़े बारह करोड़ आदिवासियों को पीएम मोदी आगे बढ़ाने का काम कर रहे हैं। इसलिए हम सबको आगामी 7 मई को कमल छाप पर बटन दबाकर मोदी जी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाना है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का चुनावी अभियान जोर-शोर से जारी है। भरी गर्मी में मुख्यमंत्री रोजाना 3-3 जनसभाएं कर रहे हैं, भाजपा प्रत्याशियों के लिए मतदान का आग्रह कर रहे हैं। श्री साय ने आज सूरजपुर के प्रेमनगर, तखतपुर के परसदा और भाटापारा के गुडेलिया में विशाल जनसभा को सम्बोधित किया। सरगुजा के आदिवासी बाहुल्य इलाके प्रेमनगर में सीएम साय ने कहा कि मुद्दाविहीन कांग्रेस आज जनता के बीच तरह-तरह के भ्रम फैला रही है। महतारी वंदन, कृषक उन्नति जैसी हमारी जनहितैषी योजनाओं को बंद हो जाने के साथ संविधान से छेड़छाड़ और आरक्षण खत्म कर देने का आरोप भाजपा पर लगा रही है। उन्होंने एक मुख्यमंत्री होने के नाते न ही कोई योजना के बंद होने और न ही कभी आरक्षण खत्म होने की बात जनता से कही। श्री साय ने कहा कि कांग्रेस पार्टी महिलाओं को साल में एक लाख देने की बात कहकर फॉर्म भरवा रही है। लेकिन कांग्रेस के सरकार में आने की बिल्कुल भी उम्मीद नहीं है।

झारखंड और भाजपा का दिल का नाता: मोदी

नई दिल्ली। आगामी लोकसभा चुनाव 2024 से पहले पीएम मोदी ने झारखंड के सिंहभूम में एक भव्य सार्वजनिक कार्यक्रम में भाग लिया और संबोधित किया। प्रधानमंत्री भीड़ के उत्साह से बहुत प्रभावित हुए और बदले में उन्होंने झारखंड में सभी के लिए मोदी की गारंटी दोहराई। मोदी ने कहा कि झारखंड को अटल जी ने बनाया, भाजपा ने बनाया। कांग्रेस ने झारखंड का घोर विरोध किया। उन्होंने कहा कि ये भाजपा की ताकत थी, अटल जी की दीर्घ-दृष्टि थी कि झारखंड बना। कांग्रेस को मंजूर नहीं था कि यहां के संसाधन आपके काम आए। पहले वो एक रुपये देते थे तो उसमें से वो 85 पैसे मार लेते थे। आज मैं एक रुपये भेजता हूं तो पूरा 100 पैसा आपके अकाउंट में जाता है। नरेंद्र मोदी ने कहा कि हमने बाबा साहेब की जयंती पर आयुष्मान भारत योजना लॉन्च की और वो भी झारखंड की भूमि से की। आज गरीबों को 5 लाख रुपए तक का इलाज मुफ्त मिल रहा है। मुद्रा योजना की शुरुआत हमने झारखंड के दुमका से की। इसी तरह मोदी की गारंटी की गाड़ी भी हमने झारखंड के खूंटी से शुरू की। इसलिए तो मैं कहता हूं- झारखंड और भाजपा का दिल का नाता है। उन्होंने कहा कि आज झारखंड... हर कोने में विश्वास के साथ, उमंग के साथ, उत्साह के साथ... एक ही बात कह रहा है- फिर एक बार मोदी सरकार। मोदी ने कहा कि सिंहभूम और झारखंड की धरती... आदिवासी क्रांतिकारियों की धरती है, लेकिन कांग्रेस ने आदिवासियों के बलिदान को कभी सम्मान नहीं दिया। कांग्रेस आजादी का पूरा श्रेय केवल एक परिवार को देना चाहती है.

चुनाव लड़ने से नहीं रोक सकते: सुको

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राजनेता के समान नाम होने से किसी व्यक्ति के चुनाव लड़ने के अधिकार पर कोई असर नहीं पड़ता है। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि किसी व्यक्ति को सिर्फ इसलिए लड़ने से नहीं रोका जा सकता क्योंकि उसका नाम किसी राजनेता के साथ मिलता है। न्यायमूर्ति बीआर गवई, न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की अध्यक्षता वाली तीन-न्यायाधीशों वाली पीठ ने यह टिप्पणी तब की जब चुनावों में हमनाम उम्मीदवारों का मुद्दा उठाते हुए भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) को समाधान के लिए तत्काल कदम उठाने के निर्देश देने की मांग वाली याचिका सामने आई। कोर्ट ने याचिका खारिज कर दी।

किसी व्यक्ति को सिर्फ इसलिए लड़ने से नहीं रोका जा सकता क्योंकि उसका नाम किसी राजनेता के साथ मिलता

पीठ ने याचिकाकर्ता साबू स्टीफन की ओर से पेश हुए वकील वीके बीजू से पूछा अगर कोई राहुल गांधी या लालू प्रसाद यादव के रूप में पैदा हुआ है, तो उसे चुनाव लड़ने से कैसे रोका जा सकता है? क्या इससे उनके अधिकारों पर असर नहीं पड़ेगा? यदि किसी के माता-पिता ने (किसी राजनीतिक नेता को) ऐसा ही नाम दिया है, तो क्या यह उनके चुनाव लड़ने के अधिकार में बाधा बन सकता है? न्यायाधीशों ने वकील से कहा कि आप जानते हैं कि इस मामले का भविष्य क्या होगा। याचिकाकर्ता स्टीफ़न ने अपनी याचिका में हमनाम उम्मीदवारों को मैदान में उतारने की प्रथा को गलत और मतदाताओं के मन में भ्रम पैदा करने के लिए बनाई गई एक पुरानी चाल बताया था।

प्रमुख समाचार

14 को वाराणसी से नामांकन दाखिल करेंगे प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 13 मई को अपने निर्वाचन क्षेत्र उत्तर प्रदेश के वाराणसी में एक मेगा रोड शो करेंगे और उसके अगले दिन लोकसभा क्षेत्र से अपना नामांकन दाखिल करेंगे। सूत्रों ने इस बात की जानकारी दी है। वाराणसी में सातवें चरण में एक जून को मतदान होगा। लोकसभा चुनाव के सातवें चरण के लिए नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया 7 मई से शुरू होगी और 14 मई को समाप्त होगी। विशेष रूप से, वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पार्टी के यूपी प्रमुख अजय राय को वाराणसी निर्वाचन क्षेत्र से पीएम मोदी के खिलाफ खड़ा किया गया है। राय उत्तर प्रदेश की वाराणसी सीट के लिए अपनी तीसरी दावेदारी कर रहे हैं, इससे पहले उन्होंने पीएम मोदी के खिलाफ चुनाव लड़ा था और 2014 और 2019 दोनों आम चुनावों में हार का सामना करना पड़ा था। राय के अलावा, स्टैंड-अप कॉमेडियन श्याम रंगीला ने भी पीएम मोदी के खिलाफ वाराणसी से चुनावी शुरुआत करने की घोषणा की है। राजस्थान के रहने वाले श्याम रंगीला पीएम मोदी की अनोखी नकल उतारने के लिए मशहूर हैं। रंगीला ने बुधवार, 1 मई को सोशल मीडिया पर लोकसभा 2024 के लिए वाराणसी से अपनी उम्मीदवारी की घोषणा की।

सोनिया-मनमोहन की सरकार में आलिया-मालिया-जमालिया आते थे

सांगली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सांगली में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि यह चुनाव दो खेमों में हैं। एक ओर वोट फॉर जिहाद वाले लोग हैं तो दूसरी ओर वोट फॉर विकास वाले लोग हैं। एक ओर राहुल बाबा की चाइनीज़ गारंटी है तो दूसरी ओर पीएम मोदी की भारतीय गारंटी है। यह चुनाव इन दो खेमों के बीच होना है। दो चरण का चुनाव हो चुका है और मोदी जी सेंचुरी लगाकर आगे निकल चुके हैं। अब तीसरा फेज 400 पार करने की मजबूत नींव डालने का फेज है। कांग्रेस की सरकार में सोनिया-मनमोहन की सरकार में पहले आए दिन पाकिस्तान से आलिया-मालिया-जमालिया आते थे और बम धमाके करके चले जाते थे। कोई कुछ नहीं बोलता था। 2014 में जब मोदी जी पीएम बने तो पाकिस्तान ने उरी और पुलवामा में हमला किया, लेकिन वो भूल गए कि अब मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री नहीं हैं, अब मोदी जी प्रधानमंत्री हैं। 10 ही दिन में मोदी जी के नेतृत्व में हमारी सेना ने पाकिस्तान के घर में घुस कर बदला लिया। मोदी जी 10 साल में ही 5वें नंबर पर लाए। मैं आज मोदी की गारंटी देकर जाता हूं - आप तीसरी बार प्रधानमंत्री बना दो, भारत के अर्थतंत्र को संसार में तीसरे नंबर पर लाने का काम हम करेंगे।

सुषमा के हेलीकॉप्टर क्रैश के बाद अब पवार के काफिले का एक्सीडेंट

मुंबई। राज्य में लोकसभा चुनाव का प्रचार चरम पर पहुंच गया है। हर नेता की तरफ से चुनाव क्षेत्रों का दौरा किया जा रहा है। ऐसे में खबर आई कि ठाकरे गुट की नेता सुषमा अंधारे का हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। अभी इसको कुछ घंटे ही बीते थे कि शरद पवार के कारों के काफिले के दुर्घटनाग्रस्त होने की जानकारी सामने आ गई है। घटना उस वक्त हुई जब पवार गुट का काफिला जलगांव जिले के चोपड़ा से बैठक के बाद भुसावल जा रहा था। प्रारंभिक जानकारी यह है कि हादसा उस समय हुआ जब आगे वाली कार के अचानक रुकने से ब्रेक लग गया और पीछे की दो कारें आपस में टकरा गईं। इस हादसे में दो इनवो कारें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं और एक कर्मचारी मामूली रूप से घायल हो गया। हादसा बुरहानपुर अंकलेश्वर हाईवे पर वाघोड़े गांव के पास हुआ. इस घटना के बाद नेताओं की सुरक्षा का मुद्दा सामने आ गया है। इससे पहले महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले में शुक्रवार को लैंडिंग के दौरान क्रैश हो जाने से उसके दो पायलट घायल हो गए। हेलीकॉप्टर मौजूदा लोकसभा चुनाव में एक सार्वजनिक रैली के लिए शिवसेना (यूबीटी) नेता सुषमा अंधारे को लेने जाने वाला था, तभी यह घटना घटी।

पाक में राहुल की खूब है लोकप्रियता, हम उन्हें वहां नहीं हरा सकते: बिस्वा

नई दिल्ली। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला है। हिमंता ने कहा कि राहुल गांधी पाकिस्तान में बहुत लोकप्रिय हैं। अगर पाकिस्तान में चुनाव होता है और राहुल गांधी चुनाव लड़ते हैं, तो वह भारी मतों के अंतर से जीतेंगे। उन्होंने कहा कि हम पाकिस्तान में राहुल गांधी को नहीं हरा सकते... राहुल गांधी पाकिस्तान में जरूर जीतेंगे। इसके साथ ही भाजपा नेता ने कहा कि पाकिस्तान जो चाहता है वो भारत में कैसे हो सकता है? पाकिस्तान जो चाहेगा, भारत में उसका उल्टा ही होगा। यह प्रतिक्रिया बुधवार 1 मई को चल रहे विवाद की पृष्ठभूमि में आई है, जब पाकिस्तान में इमरान खान की कैबिनेट के पूर्व मंत्री चौधरी फवाद हुसैन ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर राहुल गांधी की विशेषता वाला एक वीडियो साझा किया और कांग्रेस नेता की प्रशंसा की। इस पोस्ट के बाद भारी विवाद खड़ा हो गया और भाजपा ने राहुल गांधी पर निशाना साधने का कोई मौका नहीं छोड़ा। 1 मई को आणंद में एक सार्वजनिक रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, संयोग देखिए, आज भारत में कांग्रेस कमजोर हो रही है।

पार्टी से चुनाव लड़ने के लिए कांग्रेस नेता ने मुझसे किया था संपर्क

नई दिल्ली। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व प्रमुख और उत्तर प्रदेश के कैसरगंज से भाजपा सांसद बृजभूषण सिंह ने शुक्रवार को दावा किया कि कांग्रेस पार्टी ने उनसे लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए संपर्क किया था। उन्होंने कहा, कांग्रेस पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने मुझसे संपर्क किया और मुझे कांग्रेस से चुनाव लड़ने के लिए कहा। बृज भूषण सिंह का खुलासा उसी दिन हुआ जब उनके बेटे करण भूषण सिंह ने कैसरगंज सीट से नामांकन दाखिल किया। भाजपा ने गुरुवार को कैसरगंज लोकसभा सीट से बृजभूषण सिंह के छोटे बेटे करण भूषण सिंह की उम्मीदवारी की घोषणा की। कैसरगंज सीट से करण की उम्मीदवारी पर बृजभूषण ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता चाहते थे कि मैं नहीं तो मेरा बेटा चुनाव लड़े। बृजभूषण सिंह कैसरगंज सीट से तीन बार से सांसद हैं। बृजभूषण ने अपने बेटे की उम्मीदवारी के लिए बीजेपी का आभार भी जताया। दूसरी ओर, करण अपनी उम्मीदवारी की घोषणा के बाद पूजा करने के लिए अयोध्या के हनुमान गढ़ी मंदिर गए। उन्होंने कहा, मैं यहां बजरंग बली का आशीर्वाद लेने आया हूं। वह मेरे गुरु हैं.

राहुल के रायबरेली जाने से उठने लगे सवाल

सिद्धार्थ शंकर गौतम

क्या राहुल गांधी अमेठी से चुनाव लड़ेंगे से लेकर राहुल गांधी अब रायबरेली से चुनाव लड़ेंगे की राजनीतिक यात्रा में कांग्रेस का अतीत, वर्तमान और भविष्य गुंथा हुआ है। राजनीति का एक सिद्धांत होता है। आप न तो डरे हुए दिख सकते हैं और न ही रणछोड़ हो सकते हैं किंतु आज सुबह जैसे ही कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश की अमेठी सीट से किशोरी लाल शर्मा और रायबरेली सीट से राहुल गांधी के नाम का एलान किया, राहुल गांधी के ऊपर उपरोक्त दोनों उपमाएं चस्पा हो गईं।

ऐसा नहीं है कि अतीत में राजनेताओं ने अपनी चुनावी सीट न बदली हो किंतु गांधी-नेहरू परिवार से अमेठी और रायबरेली का रिश्ता ही कुछ ऐसा है। 1977 में जनता पार्टी से रविंद्र प्रताप सिंह, 1998 में भाजपा से संजय सिंह और 2019 में भाजपा से स्मृति ईरानी को छोड़ दिया जाए तो अमेठी ने 31 वर्षों तक गांधी-नेहरू परिवार का ही साथ दिया है। यही हाल रायबरेली लोकसभा सीट का है जहां 1977-80 में जनता पार्टी से राजनारायण और 1996-1999 तक भाजपा से अशोक सिंह सांसद रहे जबकि 1952 से 2019 तक शेष समय यहां गांधी-नेहरू परिवार के हाथ में ही कमान रही।

सोनिया गांधी के राजस्थान से राज्य सभा सांसद बनने के बाद से यह माना जा रहा था कि उनकी उत्तराधिकारी प्रियंका गांधी होंगी और राहुल एक बार पुन: अमेठी जाएंगे किंतु राहुल को रायबरेली से उतार कर कांग्रेस ने अपने कार्यकर्ताओं को हतोत्साहित करने के साथ ही भाजपा को राहुल पर हमले करने का ऐसा अवसर दिया है, जो लोकसभा चुनाव के बचे 5 चरणों में पार्टी को भारी पड़ सकता है। 2014 और 2019 की मोदी लहर में रायबरेली ही एकमात्र सीट थी, जिसे मोदी का तिलिस्म तोड़ नहीं पाया था। जबकि 2019 में राहुल स्वयं अमेठी से स्मृति ईरानी से चुनाव हार गए थे। हालांकि उन्होंने केरल की मुस्लिम बहुल वायनाड सीट से भी चुनाव लड़ा और जीत भी गए किंतु अमेठी उनसे छूट गया। इस बार चूंकि राहुल वायनाड में भी त्रिकोणीय मुकाबले में फंसे हैं, अत: उन्होंने वायनाड को अपना घर बता दिया।

यहां गौर करने वाली बात है कि इसके तुरंत बाद स्मृति ईरानी ने भी अमेठी को अपना घर बताते हुए गृह-प्रवेश कर लिया गोयाकि उन्हें अनुमान रहा होगा कि राहुल वायनाड के साथ ही अमेठी लौट सकते हैं। स्मृति ईरानी जैसा अनुमान तो कांग्रेस का कार्यकर्ता भी लगा रहा था कि राहुल अमेठी से चुनाव लड़ेंगे तो देश में उनकी छवि %संघर्षशील% नेता की बनेगी। राहुल पर भी इसका दबाव निश्चित रूप से रहा होगा किंतु दबाव से निकलकर यदि वे अमेठी लौटते तो स्मृति भी अहसज हो जातीं। अब स्थिति यह है कि स्मृति के साथ ही पूरी भाजपा राहुल को रणछोड़ सिद्ध करने में लग जाएगी। राहुल के साथ ही इसका प्रभाव कांग्रेस पर भी पड़ेगा। इसे ऐसे समझें कि जिस सेना का सेनापति ही हार के डर से अपने गढ़ को छोड़ गया हो, उसपर अब कौन विश्वास करेगा? अमेठी छोड़ना राहुल के राजनीतिक भविष्य में हमेशा के लिए दाग बना दिया जाएगा। हालांकि किशोरी लाल शर्मा भी अमेठी में बहुत जाना पहचाना नाम है लेकिन देखना यह होगा कि वो स्मृति ईरानी के सामने कितना किला लड़ा पाएंगे।

स्वाभाविक रूप से प्रियंका गांधी वाड्रा का दावा रायबरेली पर राहुल के मुकाबले अधिक था क्योंकि वे वहां सोनिया गांधी की उत्तराधिकारी के रूप में काम देख ही रही थीं किंतु क्या राहुल की उम्मेदवारी से एक बार पुन: प्रियंका की सक्रिय राजनीति का रास्ता बंद हो गया है? यह सवाल राजनीतिक हलकों में उभर रहा था। कहा तो यह भी जा रहा है कि एक बार पुन: बहन ने भाई के लिए कुर्बानी दी है। हालांकि यह कहना अभी जल्दबाजी होगा क्योंकि प्रियंका अब भी सक्रिय राजनीति में आ सकती हैं। यदि राहुल वायनाड और रायबरेली, दोनों लोकसभा सीटों से चुनाव जीत जाते हैं तो उन्हें एक सीट छोड़नी होगी। संभव है वो रायबरेली सीट छोड़ दें क्योंकि राहुल दक्षिण के दुर्ग को छोड़कर भाजपा को विस्तार का अवसर नहीं देना चाहेंगे। फिर 2026 में केरल विधानसभा चुनाव में भी राहुल ही वहां पार्टी के स्टार प्रचारक होंगे। यदि राहुल रायबरेली छोड़ देते हैं तो प्रियंका का सक्रिय राजनीति में उतरना संभव है। तब पार्टी पर परिवारवाद के आरोपों का दबाव भी नहीं रहेगा और उपचुनाव के जरिए वो आराम से लोकसभा में दाखिल हो सकती हैं। पिछले कुछ लोकसभा चुनावों को देखें तो अमेठी में कांग्रेस के परंपरागत वोटर का गांधी-नेहरू परिवार से मोहभंग हुआ है। 2004 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को 76.20 प्रतिशत वोट मिले थे जबकि भाजपा को मात्र 4.40 मत प्राप्त हुए थे किंतु 2009 में कांग्रेस का वोट प्रतिशत 5 फीसद गिर गया जबकि 2014 में यह 71.78 प्रतिशत से गिरकर 46.71 प्रतिशत पर आ गया।

भीषण गर्मी में विजय बघेल का सघन जनसंपर्क

कांग्रेस पर बोला हमला, प्रदेश में 11 सीटें जीतने का दावा

दुर्ग। छत्तीसगढ़ में अंतिम चरण का मतदान 7 मई को होना है।इससे पहले प्रत्याशियों ने अपने-अपने लोकसभा क्षेत्र में पूरी ताकत झोंक दी है। हर दल के प्रत्याशी अपने पक्ष में माहौल बनाने के लिए दिन रात एक किए हुए हैं।दुर्ग लोकसभा सीट में भी बीजेपी प्रत्याशी विजय बघेल ने अपने लोकसभा क्षेत्र में सघन जनसंपर्क अभियान चलाया है।उनके साथ बीजेपी के दिग्गज नेता और उनके समर्थक लोगों तक बीजेपी का संदेश पहुंचा रहे हैं।

बीजेपी के सांसद प्रत्याशी विजय बघेल ने पूर्व मंत्री प्रेम प्रकाश पांडेय के साथ सेक्टर 4 मार्केट से जनसंपर्क यात्रा की शुरूआत की। ये जनसंपर्क यात्रा सेक्टर 2 मार्केट से होते हुए आगे बढ़ी। इस दौरान विजय बघेल जहां-जहां गए वहां-वहां मौजूद समर्थकों ने उनकी आरती उतारी। इस दौरान विजय बघेल ने अपने समर्थकों से बीजेपी को एक बार फिर केंद्र की सत्ता तक पहुंचाने का आह्वान किया। सांसद विजय बघेल ने कहा कि निर्णायक, मजबूत और राष्ट्रहित को समर्पित फिर से मोदी सरकार बनाना है।

विजय बघेल ने कहा पूरे देश में बीजेपी की लहर है। मोदी की गारंटी पर समाज के सभी वर्ग को भरोसा है। पूरे विधानसभा में जिस जोश के साथ लोग स्वागत कर रहे हैं,उसे देखकर यही लग रहा है कि बीजेपी दुर्ग लोकसभा प्रचंड मत से जीतेगी।

विजय बघेल ने पूर्व मुख्यमंत्री पर निशाना साधते हुए कहा कि जनता जनार्दन का आशीर्वाद सबसे बड़ा होता है। जिनके साथ जनता जनार्दन का आशीर्वाद होता है वो जीत हासिल करता है। कांग्रेस को जिस तरह से जनता ने छत्तीसगढ़ की सत्ता से जनता ने उतारा है,उसी तरह का हाल लोकसभा चुनाव में होगा। ग्यारह की ग्यारह सीटें जीतकर मोदी जी को फिर से देश का प्रधानमंत्री बनाना है।

पाटन में चाचा ने भतीजे के खिलाफ खोला सियासी मोर्चा, दुर्ग का दंगल हुआ दिलचस्प

दुर्ग। तीसरे चरण में छत्तीसगढ़ की सात सीटों पर मतदान होना है। छत्तीसगढ़ के आखिरी चरण में सबसे दिलचस्प मुकाबला दुर्ग में है। प्रचार का धार देने के लिए खुद पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पाटन पहुंचे। पाटन में सभा को संबोधित करते हुए बघेल ने कहा कि इस बार हम डबल मार्जिन से चुनाव जीतने जा रहे हैं। 2023 विधानसभा चुनाव में पाटन विधानसभा सीट से भूपेश बघेल ने 20 हजार वोटों से जीत दर्ज की थी। कांग्रेस की ओर से बघेल ने दावा किया है कि इस बार जनता नाराज है। बीजेपी को डबल मार्जिन से कांग्रेस हराएगी।

दुर्ग लोकसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी ने विजय बघेल को मैदान में उतारा है। विजय बघेल का मुकाबला कांग्रेस के जमीनी नेता राजेंद्र साहू से है। विजय बघेल जहां मंझे हुए राजनीतिक खिलाड़ी माने जाते हैं वहीं राजेंद्र साहू की ग्रास रुट लेवल पर लोगों में पकड़ मजबूत मानी जाती है। लोगों के उम्मीद थी की विधानसभा चुनाव चुनाव की तरह लोकसभा में भी चाचा भतीजे के बीच मुकाबला होगा।

भूपेश बघेल ने कहा आम आदमी बीजेपी से नाराज है। पांच महीनों में जनता को बीजेपी ने लगातार धोखा देने का काम किया है। बीजेपी ने जो वादा किया उसे पूरा नहीं किया। इस बार जनता बीजेपी को सबक सिखाएगी। हमारी योजनाओं को बीजेपी ने बंद कर दिया। लगातार बढ़ती महंगाई से जनता परेशान है। बीजेपी संविधान बदलने की बात कह रही है। नरेंद्र मोदी गुजरात छोड़कर जा चुके हैं। राहुल रायबरेली चले गए तो इतनी हाय तौबा क्यों। विजय बघेल पांच साल यहां से लापता रहे। पांच साल में उनकी कोई उपलब्धि नहीं रही। ऐसे सांसदों को घर पर बैठा दिया जाना चाहिए।

दूसरे चरण में राजनांदगांव सीट पर मतदान खत्म होने के बाद भूपेश बघेल कांग्रेस प्रत्याशियों के लिए प्रचार में उतरे हैं। कांग्रेस के स्टार प्रचारकों में भूपेश बघेल का नाम शामिल है। भूपेश बघेल लगातार कांग्रेस उम्मीदवारों के लिए मैदान में दम दिखा रहे हैं।

सीएम मैडम ने संभाला प्रचार का जिम्मा

गांवों में घर-घर जाकर गिना रहीं केंद्र और राज्य सरकार की उपलब्धियां

जशपुर। लोकसभा चुनाव 2024 के तीसरे चरण के मतदान के लिए कुछ ही दिन शेष हैं। ऐसे में सभी राजनैतिक दलों का प्रचार जोरों पर है। इसी कड़ी में सीएम विष्णुदेव साय की धर्मपत्नी कौशल्या साय गांवों में भाजपा के पक्ष में प्रचार कर रही हैं। उन्होंने रायगढ़ लोकसभा क्षेत्र व जशपुर जिले के कुनकुरी विधानसभा क्षेत्र के गांवों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने लोगों को पीएम मोदी की गारंटी और प्रदेश की साय सरकार की उपलब्धियां गिनाई। सीएम मैडम ने कहा कि पीएम मोदी ने 10 वर्षों में कई ऐतिहासिक काम किए हैं। श्रीराम मंदिर निर्माण, धारा 370 की समाप्ति, तीन तलाक खत्म करने समेत आर्थिक मंच पर देश को शीर्ष स्थान पर पहुंचाया है।

सीएम मैडम ने विष्णुदेव साय सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि 21 क्विंटल धान खरीदी करके सबसे ज्यादा धान खरीदी की है। महतारी वंदन की तीसरी किश्त महिलाओं के खाते में आ चुकी है। सरकार को आए करीब 4 महीना ही हुआ है, जिसमें प्रदेश सरकार ने मोदी की गारंटी के वादे पूरे किए हैं। उन्होंने कहा कि शपथ लेने के अगले ही दिन 18 लाख प्रधानमंत्री आवास की स्वीकृति दी। 12 लाख किसानों को दो साल का बकाया बोनस दिया। 21 क्विंटल प्रति एकड़ धान खरीदकर 3100 रुपए क्विंटल धान की कीमत का भुगतान किया।

कौशल्या साय ने कहा कि कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ को भ्रष्टाचार और अपराध का गढ़ बना दिया था। कांग्रेस के शासनकाल में बड़े घोटाले हुए। उन्होंने मतदाताओं से विकास के लिए भाजपा को वोट देने की अपील की।

मनेन्द्रगढ़ में मतदाता जागरूकता को लेकर बैनर का कलेक्टर ने किया विमोचन

मनेन्द्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर। जिला मुख्यालय मनेन्द्रगढ़ कोरबा लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आता है। इसलिए मनेंद्रगढ़ में भी लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण के तहत 7 मई को वोटिंग होगी। मतदान को लेकर जिलेभर में लगातार मतदाता जागरूकता से जुड़ी गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में शुक्रवार को मतदन के प्रति जागरूकता के लिए बैनर का विमोचन किया गया।

एमसीबी कलेक्टर और जिला निर्वाचन अधिकारी डी। राहुल वेंकट ने शुक्रवार को मतदान के प्रति जागरूकता के लिए बैनर का विमोचन किया गया। यह बैनर चेंबर ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्रीज के सहयोग बनाई गई है। व्यापारियों और दुकान में काम करने वाले कर्मचारी अधिक से अधिक मतदान करें, इसलिए मतदाता जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।

कलेक्टर डी वेंकट राहुल ने कहा एमसीबी के चेंबर ऑफ कॉमर्स के व्यापारियों ने पिछले विधानसभा चुनाव में मतदान जागरूकता को लेकर बेहतर सहयोग किया था।

चेंबर के प्रदेश उपाध्यक्ष पंकज जैन ने बताया, व्यापारियों का पहला धर्म है व्यापार करना। साथ ही राष्ट्रहित और सामाजिक कार्यों में भी भागीदारी निभाना। इसी के तहत चेंबर के द्वारा बैनर का विमोचन कराया गया है। हमारा नारा है- पहले मतदान,फिर दुकान। इस बैनर को शहर के विभिन्न दुकानों में लगाया जायेगा। ताकि लोग मतदान के प्रति जागरूक हो सकें।

कोरबा लोकसभा क्षेत्र में लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण के तहत 7 मई को मतदान होना है। जिला मुख्यालय मनेन्द्रगढ़ कोरबा लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आता है। इसलिए मनेंद्रगढ़ में भी 7 मई को वोटिंग होगी।

अनुविभाग के साथ माइनिंग की संयुक्त टीम ने जब्त किए 16 हाइवा

गरियाबंद। रेत माफिया के गुर्गों की यूट्यूबर की पिटाई के बाद सक्रिय हुए राजिम अनुविभाग व माइनिंग की टीम ने कार्रवाई करते हुए 17 हाइवा को जब्त किया है, लेकिन एक भी जेसीबी को जब्त नहीं किया। शासकीय अमले की इस कवायद के साथ राजिम विधायक रोहित साहू की विज्ञप्ति पर भी लोग सवाल कर रहे हैं।

राजिम में चल रहे रेत की राजनीति गरमा रही है। अवैध 8 खदानों में मौजूद 14 मशीनों से रोजाना सैकड़ों ट्रिप रेत के अवैध परिवहन पर जनप्रतिनिधियों पर उठ रहे सवालों के बीच राजिम विधायक रोहित साहू ने गुरुवार शाम 5 बजे प्रेस विज्ञप्ति जारी कर अवैध खनन पर कड़ी कार्रवाई के अलावा विधानसभा क्षेत्र में चल रहे जुआ-सट्टा पर लगाम लगाने के निर्देश देने का दावा किया। यहां तक विधायक ने कार्रवाई नहीं होने पर माइनिंग अफसर के खिलाफ एफआईआर कराने की चेतावनी भी दे डाली।

विधायक के निर्देश का खूब प्रचार हुआ, लेकिन निर्देश जारी होने के बाद हुई कार्रवाई अवधि में केवल एक हाइवा मात्र का पकड़ा जाना सिस्टम पर कई सवाल खड़े करता है। परसदा जोशी के दो घाटों में रात भर रेत लोडिंग हुआ। जानकारी के अनुसार, सुबह के वक्त 70 से ज्यादा वाहन खदानों में आवाजाही करते रहे।

इधर माइनिंग के जिला अधिकारी फागूलाल नागेश के साथ अमला रात भर अवैध खदान इलाके की गश्त करता रहा, लेकिन दौरे में केवल एक वाहन की जब्ती की पुष्टि। जबकि विधायक की प्रेस विज्ञप्ति से पहले ही विभाग 16 हाइवा जब्त कर चुका था। अब लोग विभागीय कार्रवाई पर सवाल उठा रहे हैं।

रायगुड़म इलाके में जवानों और नक्सलियों की मुठभेड़

सुकमा। छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग के सुकमा जिले में नक्सलियों और जवानों के बीच मुठभेड़ चल रही है। नक्सलियों के बटालियन नंबर 1 के कोर इलाके में एनकाउंटर चल रहा है।

सुकमा के रायगुड़म इलाके में डीआरजी और कोबरा के जावन ऑपरेशन पर निकले थे। इसी दौरान पहले से घात लगाए नक्सलियों ने जवानों पर फायरिंग शुरू कर दी। जिसका जवानों ने कड़ा मुकाबला किया। बताया जा रहा है कि रुक रुक कर सुबह से 2 से तीन बार जवानों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई हैं।

मुठभेड़ के बाद सभी जवान सुरक्षित बताए जा रहे हैं। जवान इलाके में सर्च ऑपरेशन चला रहे हैं। एसपी किरण चव्हाण ने मुठभेड़ की पुष्टि की है। हाल ही में नारायणपुर, कांकेर की सीमा पर मुठभेड़ हुई। अबूझमाड़ इलाके में टेकमेटा और काकुर गांव के बीच लगभग 9 घंटे तक जवानों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई। इस एनकाउंटर में 10 नक्सली मारे गए। जिनमें तीन महिला नक्सली और 7 पुरुष नक्सली है। इससे पहले 16 अप्रैल को कांकेर के छोटेबेठिया में जवानों ने 29 नक्सलियों को ढेर किया।छत्तीसगढ़ में साल 2024 में अब तक कुल 88 नक्सली मारे गए हैं। इससे पहले कांकेर में 16 अप्रैल को हुए एनकाउंटर में 29 नक्सली मारे गए थे।

बस्तर में नक्सलियों की टूटी कमर, चार महीने में 91 से अधिक नक्सली ढेर

पिछले 4 दशकों से बस्तर नक्सलवाद का दंश झेल रहा है। बस्तर में 80 से अधिक सुरक्षा बलों के कैंप स्थापित हैं। बावजूद बस्तर से नक्सलवाद पूरी तरीके से खत्म नहीं हो पाया है। हालांकि पिछले 3 दशकों में 2024 नक्सलियों के लिए घातक साबित हुआ है। सुरक्षा बलों ने चार महीनों में 91 से अधिक नक्सलियों को मार गिराया है और सभी नक्सलियों की बॉडी भी बरामद कर ली है। वहीं मुठभेड़ में 100 से अधिक हथियार बरामद किए गए हैं। इस साल 205 माओवादियों की गिरफ्तारी और 231 नक्सलियों ने नक्सलवाद छोड़ मुख्यधारा में जुड़े हैं। देखा जाए तो 2024 में नक्सलियों की कमर टूट गई है। कई बड़े कैडर के नक्सलियों को सुरक्षा बलों ने ढेर कर दिया है, जिसमें बड़े नाम के तौर पर शंकर राव, अशोक, जोगन्ना शामिल हैं। सभी इनामी नक्सलियों को मिलाकर अब तक 1 करोड़ 80 लाख से अधिक ईनामी नक्सलियों को ढेर कर दिया गया है। वहीं इन मुठभेड़ में कई आधुनिक हथियार भी बरामद किए गए हैं, जिसमें दो एलएमजी, चार एके 47 , तीन इंसास, एक एसएलआर, चार 3नॉट3 और कई भरमार बंदूक के साथ भारी मात्रा में विस्फोटक समान शामिल हैं।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

होटल इंटरसिटी में चुनावी रकम रखे होने की आशंका पर छापा

बिलासपुर। कांग्रेस प्रत्याशी देवेंद्र यादव यहां दयालबंद स्थित होटल इंटरसिटी में रूके हुए हैं। चुनाव में बंटवारे के लिए रूपए रखे होने की आशंका पर चुनावी उडन दस्ता ने इंटरसिटी होटल के कई कमरों में छापा मारा। इस दौरान एक समारोह में पहुंचे मेहमानों को भी आने-जाने से रोक दिया गया। होटल का मुख्य द्वार बंद कर दिया गया और यादव के कमरे तथा कुछ अन्य कमरों की तलाशी ली गई। सूत्रों के अनुसार उडन दस्ता को जानकारी मिली थी कि कांग्रेस नेता ने चुनाव में इस्तेमाल के लिए बड़ी रकम यहीं लाकर रखी है। हालांकि तलाशी के बाद रुपये बरामद नहीं हुए। बताया गया है कि कांग्रेस प्रत्याशी यादव कल राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट के साथ बिलासपुर व आसपास के क्षेत्रों में चुनाव प्रचार कर रहे थे। उन्होंने रात में शहर के मुख्य मार्ग में निकाले गए पायलट के रोड शो में हिस्सा लिया। इसके बाद उन्हें होटल के कमरे में उडन दस्ते के पहुंचने की जानकारी मिली। यादव भी होटल पहुंच गए लेकिन उनकी छापामार टीम से बात नहीं हो सकी।

चोरों ने सूने मकान को बनाया निशाना, लाखों का माल पार

जांजगीर-चांपा। जांजगीर चांपा में चोरों ने सूने मकान को निशाना बनाया है। अज्ञात चोरों ने मकान में लगे ताले को तोड़कर अलमारी के अंदर रखे 35 तोला सोना 30 से 40 तोला चांदी और 2.50 लाख नकदी रकम सहित लगभग 27.60 लाख रूपये की अज्ञात चोरों ने चोरी की है। परिवार कोरबा गया हुआ था, सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के वार्ड नंबर 19 आईबी रेस्ट हाउस की घटना है। जानकारी के अनुसार मकान मालिक राजकुमार तिवारी ने बताया की वह एसईसीएल का कर्मचारी था 2 साल पहले रिटायर हुआ है और जांजगीर के वार्ड नंबर 19 में ढेर साल पहले ही परिवार के साथ रहने लगे थे। कुछ दिन पहले घर के सभी सदस्य कोरबा घूमे गए हुए थे और वही रिश्तेदार के यह रुके हुए थे। वह अपने घर में अकेला था। वह गुरुवार को सुबह करीबन 6 बजे मकान के मेन गेट में ताला लगाकर परिवार के सदस्यों को लेने के लिए कोरबा गाया हुआ था और रात में ही रिश्तेदार के यह रुका था। शुक्रवार की सुबह परिवार के साथ पहुंचा तो देखा की गेट में लगा ताला टूटा हुआ था।

अस्थि विसर्जन कर वापस लौट रही कार नाले में गिरी

कोरबा। कोरबा में सड़क पर बैठे मवेशियों के कारण लगातार हादसे हो रहे हैं। एक बार फिर से कटघोरा थाना क्षेत्र में मवेशियों के कारण हादसा हुआ है,जहां अस्थि विसर्जन कर लौट रहा परिवार हादसे का शिकार हो गया। उनकी कार अनियंत्रित होकर नाला में जा गिरी। हादसे में कार सवार 6 लोग घायल हो गए, जिनमें से दो की हालत गंभीर बनी हुई है। सभी का उपचार निजी अस्पताल में चल रहा है। कोरबा के कटघोरा क्षेत्र में एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर नाले में जा गिरी। जेंजरा नाला के पास हादसा होने की बात कही जा रही है। बताया जा रहा है,कि सड़क पर बैठे मवेशी को बचाने के चक्कर में हादसा हुआ है। अस्थि विसर्जन कर एक परिवार कार से घर लौट रहा था,इसी दौरान हादसा हो गया। दुर्घटना के दौरान कार सवार 6 लोग घायल हो गए,जिनमें से दो की हालत गंभीर बनी हुई है। सभी घायलों को उपचार के लिए शहर के निजी अस्पताल में भर्ती किया गया है,जहां उनका उपचार जारी है। लोगों की माने तो सड़क पर बैठे मवेशी के कारण अक्सर हादसे से होते रहते हैं।

बेटी की पिटाई कर रहे शराबी दामाद को टोकना पड़ा महंगा

कबीरधाम। कबीरधाम जिले में हत्या के मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है। मामला जिले के चिल्फी थाना अंतर्गत ग्राम बहनाखोदरा का है। हत्या का कारण बेटी की पिटाई कर रहें शराबी दामाद को सास ने टोका था। इसी बात से नाराज आरोपी दामाद ने सास की गला घोंटकर हत्या कर दी। आरोपी का नाम अमर लाल खुसरे पिता अघन सिंह उम्र 42 वर्ष निवासी ग्राम बहनाखोदरा है। थाने से मिली जानकारी के अनुसार बेटी चन्द्रबती खुसरे ने शिकायत दर्ज कराई। उसके अपने आवेदन में बताया कि आरोपी पति अमर लाल खुसरे द्वारा शराब पीकर मारपीट करने के कारण करीब 17 वर्ष से अपने मायके ग्राम बहना खोदरा में अलग से मकान बनाकर अपने पति व बच्चों के साथ रहती थी। पति आए दिन शराब पीकर लड़ाई-झगड़ा कर मारपीट करता था। कुछ काम करने नहीं जाता था। मजदूरी कर जीवन यापन करती थी। घर में अलग से कमरा में मां सुकोबाई भी रहती थी। गुरुवार रात करीब 9 बजे आरोपी पति अमर लाल खुसरे विवाद कर रहा था।

शादी की खुशियां मातम में बदलीं

बलरामपुर रामानुजगंज। बलरामपुर रामानुजगंज जिले में शुक्रवार सुबह 11 बजे के करीब रामानुजगंज से सब्जी लेकर अपने गांव धनगांव बाइक से जा रहे युवक की टक्कर विपरीत दिशा से आ रही यात्री बस से राष्ट्रीय राजमार्ग 343 पर वन विभाग के पुराने लकड़ी डिपो के समीप हो गई जिससे युवक के सिर में गंभीर चोट लगी जिसे एंबुलेंस से 100 बिस्तर अस्पताल लाया गया। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित किया। मिली जानकारी के अनुसार ग्राम धनगांव के मृणाल मंडल पिता केना मंडल उम्र 30 वर्ष आज सब्जी लेने रामानुजगंज आया था। जो अपनी बाइक में सब्जी पीछे बांधकर वापस अपने गांव सुबह 11 बजे के करीब आ रहा था इसी दौरान विपरीत दिशा से यात्री बस रणवीर आ रही थी जिससे टक्कर हो जाने के बाद मृणाल के सिर में गंभीर चोट लगी। तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी गई वही मृणाल को एंबुलेंस से 100 बिस्तर अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित किया। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पोस्टमार्टम करा शव परिजनों को सौंप दिया।

बीएसएफ जवानों की बस अनियंत्रित होकर पेड़ से टकराई

■ 17 जवान घायल, 4 गंभीर रूप से घायल

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले की धरमजयगढ़ विधानसभा क्षेत्र में शुक्रवार की सुबह बीएसएफ जवानों से भरी बस पेड से टकरा जाने की घटना में जहां 17 जवान घायल हुए हैं वहीं 13 जवानों को मामूली खरोंच आई है।

छत्तीसगढ़ में लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण का मतदान आगामी 7 मई को होना है। जिसके तहत पूरे जिले में शांति पूर्ण ढंग से मतदान कराने की तैयारियां की जा रही हैं इसी बीच रायगढ़ जिले के धरमजयगढ़ विधानसभा के अंतर्गत आने वाले छुही पहाड से मतदान का निरीक्षण कर लौट रहे बीएसएफ जवानों की बस शुक्रवार की सुबह करीब 11 बजे चाल्हा गांव के समीप कमोसिन डाण्ड के पास अनियंत्रित होकर पेड से टकरा गई। जिस वक्त यह घटना घटित हुई उस वक्त बस में करीब 32 जवान सवार थे जिसमें से 17 जवानों को चोटें आई हैं। 13 जवानों को खरोंच और मामूली चोट आई है। जिनका उपचार सिविल अस्पताल धरमजयगढ़ में चल रहा है। वहीं 04 जवानों को बेहतर उपचार के लिए रायगढ़ मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया है। सभी जवानों की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है।

जवानों से भरी बस दुर्घटनाग्रस्त होनें की जानकारी देते हुए धरमजयगढ़ एसडीएम डिगेश पटेल ने बताया कि बीएसएफ के 32 जवान बस में सवार होकर मतदान केंद्रों का मुआयना करने निकले थे। वे धरमजयगढ़ के सुदूर पहाड़ी इलाके में स्थित छूही पहाड़ के मतदान केंद्र का निरीक्षण कर लौट रहे थे। वापसी के समय चाल्हा गांव के समीप कमोसिन डाण्ड के पास बस अनियंत्रित होकर एक पेड़ से टकरा गई। इससे बस में बैठे 17 जवान चोटिल हुए हैं। जिनमें से 04 जवानों को अलग अलग 04 एंबुलेंस से मेडिकल कॉलेज रायगढ़ बेहतर इलाज के लिए रेफर किया गया है। वहीं शेष 13 जवान जिन्हें मामूली खरोंच एवम चोट आई है, उनका इलाज सिविल अस्पताल धरमजयगढ़ में चल रहा है। सभी जवानों की स्थिति खतरे से बाहर है।

बताया जा रहा है कि जवानों से भरी बस में अचानक तकनीकी खराबी आ गई थी और घाटी होनें की वजह से बस की रफ्तार में कंट्रोल नही हो सका और फिर बस पेड से जा टकराई और जवान घायल हो गए। बताया यह भी जा रहा है कि जिस जगह हादसा हुआ है वहां पर दाहिने तारीफ घाटी थी अगर बस घाटी से नीचे गिरती तो बहुत बडा हादसा हो सकता था परंतु बस चालक के द्वारा सूझबुझ का परिचय देते हुए बांय तरफ बस को मोड दिया गया।

इनको आई चोट

1. हीरालाल 2. जे. मारबन 3. एसएन सिंह, 4. विजयपाल 5. विनोद उरांव 6. एस के पाण्डयन 7. रोशन कुमार 8. एस के नाथ 9. वेदप्रकाश 10. केआर रघुनाथ 11. गंगा राजू 12. सुनील 13. राजू।

चुनाव सात को, बसों का अधिग्रहण शुरु

बेमेतरा। 7 मई दुर्ग लोकसभा सीट के लिए मतदान होना है और मतदान दलों को मतदान केंद्रों तक पहुंचाने के लिए स्कूल व यात्री बसों का अधिग्रहण अभी शुरु से शुरु कर दिया है। वैसे चुनाव प्रचार रविवार की शाम को 5 बजे थम जाएगा लेकिन इससे पहले चुनाव आयोग तैयार में जुट गया है। वैसे निर्वाचन आयोग ने बेमेतरा जिले में मतदान के लिए 224 बस की जरूरत होने का अनुमान लगाया है।

दुर्ग लोकसभा के अंतर्गत आने वाले बेमेतरा जिले के साजा, बेमेतरा व नवागढ़ में 7 मई को मतदान होना है और मतदान के एक दिन पूर्व दल को रवाना किया जाएगा। दल की रवानगी के एक रात पूर्व आने व जाने के लिए वाहनों को कृषि उपज मंडी के वितरण केन्द्र में खड़ा किया जाएगा। जिले में चुनाव के दौरान 224 बसों की आवश्यकता होगी, जिसकी व्यवस्था के लिए स्कूल व यात्री बसों का अधिग्रहण किया जा रहा है। इसके अलावा यात्री बसों का अधिग्रहण दुर्ग, रायपुर, बिलासपुर सहित अन्य जिले के लिए संबंधित क्षेत्रों में किया जा रहा है, जिसमें बेमेतरा जिले में फेरी लगाने वाले यात्री बसें शामिल होंगी। इससे बस सेवा प्रभावित होना स्वभाविक है।

जिले में नवागढ़ विधानसभा में 299 मतदान केन्द्र, बेमेतरा में 250 मतदान केन्द्र व नवागढ़ में 299 मतदान केन्द्र समेत कुल 750 मतदान केन्द्र बनाए गए हैं। सभी मतदान केन्द्र के लिए 168 रूट मैप तैयार किए गए हैं। रूट से दल व सामग्री पहुंचाने के लिए 168 बस व 10 फीसदी रिजर्व बसों की व्यवस्था की जा रही है। जिले में मतदान दल के अलावा जवान व पुलिस अन्य कार्य के लिए करीब 200 से अधिक वाहन, अधिकारियों के लिए 140 वाहनों की जरूरत होगी। चुनाव के दौरान 550 वाहनों की जरूरत पडने का अनुमान लगाया जा रहा है। बीते विधानसभा चुनाव के दौरान 553 वाहन लगाए गए थे।

संक्षिप्त समाचार

बीरगांव दवा विक्रेता संघ द्वारा मतदाता जागरूकता

रायपुर। दवा विक्रेता संघ बीरगांव द्वारा

मतदाता जागरूकता का कार्यक्रम दिनांक 3.05.2024 को किया गया! जिसमे दवा विक्रेता संघ ने नगर निगम छेत्र बिरगांव के अंतर्गत सरोरा, उरला, रावाभाठा, उरकुरा एवम बिरगांव में बाइक रैली निकाल कर एवम बैनर और स्लोगन के द्वारा क्षेत्र की जनता को मतदान करने के लिए जागरूक किया गया। इस कार्यक्रम का प्रारंभ विवेक मेडिकल बुधवारी बाजार से मां बंजारी माता रावाभाटा एवम कार्यक्रम का समापन व्यास तालाब बिरगांव में किया गया। इस कार्यक्रम में दवा विक्रेता संघ बिरगांव के अध्यक्ष नंदलाल देवांगन ,संरक्षक माननीय गिरधर चंद्राकर, उपाध्यक्ष पवन चंद्राकर, धनेश साहू, सचिव परमानंद पटेल, कोषाध्यक्ष घनश्याम देवांगन, संघठन सचिव विकास वर्मा, जनसंपर्क अधिकारी सेवा देवांगन जी एवम कार्यकारिणी सदस्य दुलीचंद विश्वकर्मा, धनेश देवांगन, कुलेश्वर देवांगन, सालिक चक्रधारी,राजू साहू, एवम संघ के सदस्य की उपस्थिति रही!

राहुल के रायबरेली से चुनाव लड़ने की उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने बताई वजह

रायपुर। राहुल गांधी के रायबरेली से चुनाव लड़ने पर उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने तंज कसा है। उन्होंने कहा कि जिस तरह से कांग्रेस पार्टी की राजनीति रही है, यह परिवार से बाहर सोच नहीं सकती है। जनता को धोखा दिया है, इसलिए दोबारा अमेठी जाने की हिम्मत नहीं है। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने मीडिया से चर्चा में कहा कि अमेठी से भागे राहुल गांधी वायनाड गए, वहां की जनता ने भी भगाया, अब रायबरेली गए हैं, वहां की भी जनता तैयार बैठी है, उन्हें विदा करने के लिए।

शराब घोटाले में टुटेजा-ढेबर समेत अन्य आरोपियों के 205 करोड़ की संपति अटैच

रायपुर। ईडी ने छत्तीसगढ़ के शराब घोटाले से जुड़े आरोपियों की लगभग 205.49 करोड़ की संपत्ति अटैच कर दी है। अटैच संपत्तियों में बड़े होटल और बहुमंजिली इमारतें शामिल हैं। बताया गया है कि, इन संपत्तियों में से ज्यादातर राजधानी रायपुर के मुख्य स्थानों,स्टेशन रोड और शंकर नगर जैसे महंगे इलाके में हैं। जब्त प्रापर्टीज की कीमत लगभग 205 करोड़ बताई गई है। इस बात की जानकारी जानकारी ईडी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स में पोस्ट करके दी है। ईडी ने उसमें लिखा है कि, इन संपत्तियों में 18 चल और 161 अचल संपत्तियां हैं। इसका संबंध पूर्व आईएएस अफसर अनिल टुटेजा, अनवर ढेबर और शराब घोटाले से जुड़े अन्य लोगों से है।

बोर्ड रिजल्ट को लेकर 10वीं-12वीं के विद्यार्थी हो रहे तनाव मुक्त

रायपुर। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल

की पहल से 10वीं-12वीं बोर्ड के परिणाम से छात्र-छात्राएं तनाव मुक्त हो रहे हैं। माशिमं की ओर से जारी हेल्पलाइन से छात्र-छात्राओं और उनके परिजन सीधे कैरियर कांउसलर से चर्चा कर पा रहे हैं। कांउसलर रिजल्ट से संबंधित विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों के समस्याओं का निराकरण कर रहे हैं। हेल्पलाइन एक मई से जारी हो चुका है। वार्षिक परीक्षा परिणाम के पहले विद्यार्थियों के मन में परीक्षा परिणाम के भय से तनाव पैदा होता है। इस तनाव से फ्री रहने के लिए माशिमं ने हेल्पलाइन नंबर 18002334363 जारी किया है। इस टोल फ्री नंबर से विद्यार्थी और उनके अभिभावक संबंधित विषय और कैरियर चयन संबंधी मार्ग दर्शन ले सकते हैं। इस टोल फ्री नंबर सुबह साढ़े 10 से शाम पांच बजे तक परीक्षा परिणाम और कैरियर संबंधित सवाल कर सकते हैं।

प्रदेश में पड़ रही तेज धूप के साथ भीषण गर्मी, आने वाले दिनों में बढ़ेगा पारा

रायपुर। छत्तीसगढ़ में इन दिनों अधिकतम तापमान में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। तेज धूप के साथ गर्म हवाएं चल रही है। भीषण गर्मी से लोगों का हाल-बेहाल है। बीते दिनों की तुलना में तापमान में गिरावट हुई है। वहीं सबसे गर्म जिला रायगढ़ रहा है। मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश में आने वाले तीन दिनों में अधिकतम तापमान में एक से तीन डिग्री तक बढ़ सकती है। इसके बाद कोई बदलाव नहीं होगा। मौसम एक्सपर्ट के अनुसार, भरी गर्मी के बीच में नमी हवाओं का आगमन हो सकता है। इससे बढ़ते तापमान में थम सकता है। शुक्रवार को राजधानी रायपुर में सुबह से ही तेज धूप था। गर्म हवाएं और भीषण गर्मी से लोगों का हाल-बेहाल है। यहां अधिकतम तापमान 42 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। साथ ही प्रदेश में गुरुवार को सबसे गर्म रायगढ़ जिला रहा है। यहां सर्वाधिक अधिकतम तापमान 42.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। वहीं सबसे कम न्यूनतम तापमान बलरामपुर में 18.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है।

400 पार के नारे के साथ सियासी मैदान में उतरी भाजपा, साय ने 43 दिन में की 54 जनसभाएं

रायपुर। राज्य के बाहर भी संभाली चुनावी कमान लोकसभा चुनाव में 400 पार के नारे के साथ सियासी मैदान में उतरी बीजेपी ने अपने प्रचार में पूरी ताकत झोंक दी है. विधानसभा चुनाव से छत्तीसगढ़ की सत्ता में वापसी के बाद अब बीजेपी की नजर छत्तीसगढ़ की सभी 11 लोकसभा सीटों पर झंडा गाड़ने पर है. खास बात ये है कि इसके लिए प्रदेश के मुखिया सीएम विष्णु देव साय खुद जोरों शोरों से उम्मीदवारों के लिए प्रचार प्रसार कर रहे हैं. इसका अंदाजा आप इस बात से लगा सकते है कि सीएम साय 20 मार्च से 1 मई तक छत्तीसगढ़ में 54 जनसभाएं कर चुके हैं. इसके अलावा छत्तीसगढ़ के बाहर मध्यप्रदेश और ओडिशा में भी 6 आमसभाएं और रोड शो कर चुके हैं. भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं के सम्मेलन की दृष्टि से भी अगर देखें तो सीएम विष्णु देव साय ने बस्तर मे 2 सहित सभी प्रदेश की सभी 11 सीटों मे एक कार्यकर्ता सम्मेलन कर कुल बारह कार्यकर्ता सम्मेलन में अपनी उपस्थिति दी है. सामाजिक सम्मेलनों की यदि बात करें तो लगभग 23 बड़े सामाजिक सम्मेलनों को विष्णु देव साय संबोधित कर चुके हैं. मुख्यमंत्री अब तक लगभग हर विधानसभा में कम से कम एक जनसभा ली है. कुल मिलाकर चालीस दिन में 95 से ज्यादा बार उन्होंने जनता के समक्ष अपनी बात रखी है. कुल मिलाकर विष्णु देव साय ने छत्तीसगढ़ में होने वाले लोकसभा चुनाव के लिए अपनी पूरी ताकत लगा दी है. आत्मविश्वास से भरपूर मुख्यमंत्री सभी ग्यारह लोकसभा सीट जीतने के प्रति आश्वस्त नजर आ रहे हैं. जानिए कहां- कहां हुई ष्टरू साय की सभाएं **1 मई 2024**- पण्डरापाठ (चुंदापाठ), जशपुर, सीतापुर (सरगुजा) , सुहेला (रायपुर) में जनसभा. **30 अप्रैल 2024**- चपले (रायगढ़) , शिवरीनारायण (जांजगीर-चांपा) और अहिवारा (दुर्ग) में जनसभा. **29 अप्रैल 2024**- करतला (कोरबा) , रोहरा (मुंगेली) , बलरामपुर (सरगुजा) में जनसभा. **28 अप्रैल 2024**- कापू (धर्मजयगढ़) , रायगढ़ लोकसभा, पहरिया (जांजगीर चांपा) ,

बेलगहना (बिलासपुर) में जनसभा. **27 अप्रैल 2024**- वाड्रफनगर (बलरामपुर) में जनसभा. **26 अप्रैल 2023**- चिल्हाटी (मस्तूरी) बिलासपुर लोकसभा, तमनार और रायगढ़ में जनसभा. **24 अप्रैल 2024**- अंबिकापुर में जनसभा. **21 अप्रैल 2024**- रायपुर में भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव में हुए शामिल, पंडरिया (कवर्धा) , बसना (महासमुंद) में जनसभा. **20 अप्रैल 2024**- बहोरीबंद, कटनी (खजुराहो लोकसभा) , पन्ना (खजुराहो लोकसभा) में जनसभा. **19 अप्रैल 2024**- सरगुजा और जांजगीर-चांपा लोकसभा में विशाल नामांकन रैली में हुए शामिल, पसान (कोरबा) में जनसभा. **18 अप्रैल 2024**- कोरबा और बिलासपुर लोकसभा में विशाल नामांकन रैली, बागबाहरा (महासमुंद) में जनसभा. **17 अप्रैल 2024**- रामनवमी और महानवमी कार्यक्रम, बगिया (जशपुर). **16 अप्रैल 2024, मंगलवार**- रायगढ़ लोकसभा में विशाल नामांकन रैली, सराईपाली (महासमुंद) में जनसभा. **15 अप्रैल 2024**- रायपुर और दुर्ग लोकसभा विशाल नामांकन रैली. **14 अप्रैल 2024**-रायपुर में भाजपा के संकल्प पत्र पर प्रेस वार्ता, बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती समारोह कार्यक्रम, खैरागढ़ में जनसभा. **13 अप्रैल 2024**- जनकपुर (मनेन्द्रगढ़) , अण्डी (मरवाही) में जनसभा. **12 अप्रैल 2024**- जगदलपुर (बस्तर) में भव्य रोड शो, महासमुंद के तुमगांव में दादा नकुल देव ढीढी की 110वीं जयंती कार्यक्रम, भैरमगढ़ (बीजापुर) में जनसभा. **11 अप्रैल 2024, गुरुवार**- विशाल जनसभा, मैनपुर (गरियाबंद) , मुढ़ीपार (डोंगरगढ़) में जनसभा. माँ बम्लेश्वरी मंदिर दर्शन-पूजन, विद्यासागर महाराज जी को श्रद्धांजलि, डोंगरगढ़. **10 अप्रैल 2024**- सलवाह-बम्हनी-गोपापुर(मंडला लोकसभा) में जनसभा. **9 अप्रैल 2024**- सरहुल सरना महोत्सव, जशपुर. विधानसभा स्तरीय बैठक, जशपुर. **8 अप्रैल 2024**- विजय संकल्प शंखनाद महारैली, बस्तर. **7 अप्रैल 2024**- कार्यकर्ता सम्मेलन, पत्थलगांव **6 अप्रैल 2024**- कार्यकर्ता सम्मेलन, कुनकुरी. **6 अप्रैल 2024**- कवर्धा में जनसभा. **4 अप्रैल 2024**- राजनांदगांव लोकसभा में नामांकन रैली, अशोक वाटिका (बिलासपुर) में कार्यकर्ता सम्मेलन. **3 अप्रैल 2024**- महासमुंद लोकसभा में नामांकन रैली, पवनी (बिलाईगढ़) में विशाल जनसभा. **2 अप्रैल 2024**- कांकेर लोकसभा में नामांकन रैली, परपोड़ी (बेमेतरा) में जनसभा. **31 मार्च 2024**- केशकाल, हरवेल ग्राम(कोंडागांव) , पखांजूर, कांकेर (बांदे ग्राम) , नगरी (धमतरी) में जनसभा. **30 मार्च 2024**- विजय बूथ अभियान कार्यक्रम, कांदुल (रायपुर) , कार्यकर्ता सम्मेलन, कोंडागांव, पखांजूर,बांदे ग्राम (कांकेर) में जनसभा. **28 मार्च 2024**- डौंडीलोहारा (बालोद) में जनसभा. **27 मार्च 2024**-जगदलपुर (बस्तर) में नामांकन रैली, गुंडरदेही, सुरेगांव ग्राम (बालोद) में जनसभा. **23 मार्च 2024**- जनसभा, दुर्गूकोंदल, भानुप्रतापपुर (कांकेर) में जनसभा, बकावंड (बस्तर) में कार्यकर्ता सम्मेलन. **22 मार्च 2024**- कार्यकर्ता सम्मेलन, डोंगरगांव (राजनांदगांव) , राजनांदगांव. **21 मार्च 2024**- कार्यकर्ता सम्मेलन, सुकमा (बस्तर) , चित्रकोट (बस्तर). **20 मार्च 2024**- कार्यकर्ता सम्मेलन, बेनूर (नारायणपुर) , चिंतालंका (दंतेवाड़ा).

राम मंदिर निर्माण के उपलक्ष्य में रामनामी समाज की जांजगीर में धन्यवाद सभा

रायपुर। अयोध्या मे प्रभु श्रीराम के मंदिर निर्माण से उत्साहित रामनामी समाज के लोगो ने आज जांजगीर मे सम्मेलन आयोजित कर भारतीय जनता पार्टी व नरेंद्र मोदी को धन्यवाद ज्ञापित किया रामनामी सम्मेलन को संबोधित करते हुए छग सरकार के उप-मुख्यमंत्री *विजय शर्मा* ने कहा कि हमारे रामनामी पंथ के लोग प्रभु श्रीराम के अनन्य भक्त है इनकी भक्ति को मै तन मन से प्रणाम करता हु इनके तन मन और प्राण मे प्रभु श्रीराम का वास है पुरे रामनामी समाज ने अपने शरीर के रोम रोम मे राम का नाम लिखकर अपना सम्पूर्ण जीवन प्रभु राम को समर्पित कर दिया मै अखिल भारतीय रामनामी छग रामनामी जिला व पूरे क्षेत्र के रामनामी पंथ के लोगो का मन के अन्त: करण से आभार व्यक्त करता हु जिन्होंने इतना बड़ा सम्मेलन कर भारतीय जनता पार्टी व प्रधानमन्त्री का धन्यवाद कार्यक्रम रखा 22 जनवरी को प्रभु श्रीराम के अयोध्या मे प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम मे रामनामी पंथ के लोग शामिल हुए थे पंथ के लोगो ने कार्यक्रम से वापस आकर उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करने की इच्छा व्यक्त की थी और उनकी इच्छा का सम्मान करते हुए भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश पदाधिकारीयो व मुख्यमंत्री से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात कराने का रामनामी समाज के लोगो को न्यौता भेजा जब अपने चुनाव प्रचार मे भाजपा प्रत्याशी कमलेश जांगड़े के पक्ष मे प्रचार करने 23 अप्रैल को सक्ती जिले के ग्राम जेठा पहुंचे थे तब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रामनामी पंथ के अध्यक्ष आचार्य मेहतरराम रामनामी व माता सतबाई रामनामी को अपने साथ मंच पर बैठाकर उनसे मुलाकात की उनसे बाते की उनको सम्मानित किया प्रधानमंत्री जी ने छग के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को कहा कि आप चुनाव के बाद रामनामी पंथ के सभी लोगो को पुरे सम्मान व आदर सत्कार के साथ प्रभु श्रीराम के दर्शन कराने अयोध्या भेजे रामनामी समाज के लोगो ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को तीसरी बार देश का प्रधानमंत्री बनने का आशीर्वाद एवं अपना पूरा समर्थन शत प्रतिशत देने का वचन दिया और धन्यवाद ज्ञापित करने के लिए पुरे समाज के लोग लोकसभा क्षेत्र से इकट्ठा होकर राम राम के नारो से जयकारा लगाते हुए पुरे माहौल को राममय बना दिए मंच मे उन्होंने भजन गायन कर राम राम के मधुर गीत गाकर उपस्थित लोगो को राम भक्तिमय कर दिया कार्यक्रम का संचालन करते हुए सम्मेलन के संयोजक कृष्णकांत चन्द्रा ने कहा कि रामनामी समाज के लोग अत्यंत सहज सरल एवं सादगीपूर्ण तरीके से अपना जीवन यापन करते है और उन्होंने रामनामी समाज के पुरे इतिहास का वर्णन किया उक्त सम्मेलन मे सैकड़ो की संख्या मे पंथ के लोग शामिल हुए जिसमे प्रमुख रूप से आचार्य श्री मेहतरराम रामनामी, गुरूमाता श्री मति सेतबाई रामनामी , महासचिव गुलाराम रामनामी कौशल रामनी गंगाराम रामनामी प्यारे रामनामी, संचालक कुंजबिहारी रामनामी तिहारूराम रामनामी रामभगत रामनामी शान्ति बाई रामनामी फिरतीनबाई रामनामी रामायण बाई रामनामी गीता रामनामी बलिसटर रामनामी सहित बड़ी संख्या मे रामनामी समाज के लोग उपस्थित थे उक्त कार्यक्रम मे जिलाध्यक्ष गुलाब चंदेल सोशल मीडीया प्रदेश प्रभारी प्रशांत सिंह ठाकुर पंकज अग्रवाल अभिमन्यु राठौर धर्मेंद्र राणा प्रदीप सोनी आशीष साव सुदीप उपाध्याय अजित गढ़वाल पलाश चंदेल सूर्यकांत सिंह सहित कार्यकर्ता उपस्थित थे।

समाज प्रमुखों से मिले सीएम साय सरोज के लिए मांगा समर्थन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय तूफानी चुनावी दौर कर रहे हैं। इस कड़ी में आज कोरबा में पचास से ज्यादा समाज के प्रमुखों के साथ लंबी चर्चा की। सीएम साय ने सभी समाज के प्रमुखजनों से कहा कि कोरबा की जनता सौभाग्यशाली है, जो सरोज पांडेय जैसी योग्य प्रत्याशी मिली है। उन्होंने सरोज पांडेय को शेरनी की संज्ञा दी।

सीएम साय ने समाज प्रमुखों से पीएम मोदी के दस साल के कामकाज की चर्चा करते हुए उन्हें फिर से प्रधानमंत्री बनाने को देश की जरूरत बताया। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने हर समाज की तरक्की की सदैव चिंता की है। अपनी सरकार पर उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की सरकार ने न्यूनतम समय में जनहित के फैसले लिए हैं, त्वरित निर्णय की ये गति सतत जारी रहेगी।

सीएम साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में 4 सीटों पर मतदान हो चुका है, शेष सीटों पर 7 को मतदान होना है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सभी 11 सीटों पर हम जीतने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी देश के गरीबों की चिंता दिन रात करते हैं। बतौर केंद्रीय राज्यमंत्री उनके साथ उन्हे काम करने का जब मौका मिला तो मोदी के देश के विकास और गरीबों के उत्थान के लिए काम करने की ललक को उन्होंने नजदीक से देखा।

कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री लखनलाल देवांगन, भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ। राजीव सिंह, युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष रवि भगत, जिला संगठन प्रभारी गोपाल साहू उपस्थित थे।

जनता कांग्रेस को जिताने का बना चुकी है मनः बैज

■ **तीसरे चरण के चुनाव को लेकर पीसीसी चीफ उत्साहित**

रायपुर। छत्तीसगढ़ में तीसरे चरण के चुनाव को लेकर पीसीसी चीफ दीपक बैज उत्साह से भरे नजर आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि पूरे प्रदेश में हमारा प्रचार अभियान चल रहा है। भाजपा और मोदी के खिलाफ में माहौल है। पहले और दूसरे चरण के बाद भाजपा के बयान से स्पष्ट है कि कांग्रेस की सरकार बन रही है। जनता कांग्रेस को जिताने का मन बना चुकी है। कांग्रेस के पक्ष में जबरदस्त माहौल है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को कलाकार बताते हुए कहा कि उनसे बड़ा कोई कलाकार नहीं हो सकता है। बीजेपी ने पहला चुनाव काले धन को लेकर लड़ा। दूसरा चुनाव पुलवामा को लेकर लड़े। इस बार उनके पास कोई मुद्दा नहीं है, इसलिए वे वे मुद्दे की बात नहीं कर कर

केवल नाटक कर रहे हैं, इसलिए मैं कहता हूं कि वो कलाकार हैं।

वहीं राहुल गांधी के रायबरेली से चुनाव लड़ने पर उप मुख्यमंत्री अरुण साव के बयान पर दीपक बैज ने कहा कि राहुल गांधी देश के नेता हैं। वह जिस सीट पर लड़ना चाह लड़ सकते हैं। अरुण साव का बयान कोई मायने नहीं रखता है। वहीं राधिका खेड़ा के मामले पर जांच रिपोर्ट को लेकर बैज ने कहा कि अभी हमारे पास समय है, जल्द ही जवाब देंगे।

उन्होंने कहा कि भाजपा पहले अपने गिरेबान में झांक कर देखे। मोदी कर्नाटक में आरोपी के खिलाफ में प्रचार करने जा रहे हैं, पहले बीजेपी उसका जवाब दे। हमारे इंटरनेशनल खिलाड़ी पीएम आवास के सामने सड़क पर बैठे रहे। अगर बेटियों की चिंता है तो पूछने क्यों नहीं गए?

बेमन लड़ रहे बृजमोहन अग्रवाल

वहीं कैबिनेट मंत्री व बीजेपी लोकसभा प्रत्याशी बृजमोहन अग्रवाल को लेकर दीपक बैज ने कहा कि व्यक्तिगत रूप से पूछेंगे तो बृजमोहन अग्रवाल बताएंगे कि वे चुनाव नहीं लड़ना चाहते, उन्हें बलि का बकरा बनाया गया है। वे बेमन से चुनाव लड़ रहे हैं, उनका लड़ने का मन नहीं था। जनता और उनके क्षेत्र के लोग चाह रहे हैं कि वही विधायक रहे। जनता बृजमोहन अग्रवाल को विधायक ही देखना चाहती है, इसलिए विकास उपाध्याय को सांसद बनाएगी।

डॉ. सिंह पहुंचे आईएएस अफसरों के घर कलेक्टर की पाती लेकर

रायपुर। लोकसभा निर्वाचन 2024 के तहत मतदाता जागरूकता के लिए कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने कलेक्टर की पाती वितरित करने आज आईएएस अफसरों के निवास पर पहुंचे। महिला बाल विकास अधिकारी श्रीमती निशा मिश्रा ने सभी अफसरों के माथे पर टिके लगाए। फिर कलेक्टर डॉ सिंह ने अफसरों को कलेक्टर की पाती व पीले चावल देकर मतदान करने का आग्रह किया। सभी को आई एम वोटर का बैच भी लगाया। देवेंद्र नगर में आईएएस ऑफिसर कॉलोनी में एसीएस श्रीमती रेणु पिल्ले के माथे पर श्रीमती निशा मिश्रा ने टीका लगाया। इसके पश्चात डॉ. गौरव सिंह ने उन्हें कलेक्टर की पाती सौंपी।

अपर मुख्य सचिव श्री मनोज कुमार पिंगुआ के निवास पर पहुंचकर उन्हें और उनकी पत्नी को कलेक्टर की पाती देकर मतदान करने का आग्रह किया। सचिव श्री सिद्धार्थ कोमल परदेशी और उनकी पत्नी को डॉ. गौरव सिंह ने कलेक्टर की पाती देकर मतदान का आग्रह किया। साथ ही पूर्व मुख्य सचिव श्री अजय सिंह को भी कलेक्टर की पाती सौंपी गई। सचिव श्री एस. प्रकाश को भी कलेक्टर की पाती दी गई। साथ ही जज श्री सहाबुद्दीन कुरैशी को कलेक्टर ने उनके निवास पहुंच कर कलेक्टर की पाती दी और मतदान करने का आग्रह किया। पूर्व मुख्य सचिव एवं पूर्व मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री सुनील कुमार कुजूर के निवास पर कलेक्टर की पाती दी गई। आईएएस अफसर श्री यशवंत कुमार, श्री सौरभ कुमार, श्री भीम सिंह, डॉ फरिहा आलम सिद्धकी, श्री प्रतीक जैन, श्री दिनेश श्रीवास्तव आईपीएस श्री अमित कुमार के निवास पर कलेक्टर ने पहुंचकर कलेक्टर की पाती सौंपी और मतदान का आग्रह किया।

मतदान से एक दिन पहले और मतदान दिवस के दिन प्रकाशित होने वाले राजनैतिक विज्ञापनों का प्रमाणन जरूरी

रायपुर। सभी राजनैतिक दलों, रायपुर लोकसभा क्षेत्र के लिए निर्वाचन लडने वाले सभी प्रत्याशियों को भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी निर्देश अनुसार मतदान दिवस एवं मतदान से एक दिन पूर्व मीडिया में प्रकाशित होने वाले राजनीतिक दलों व प्रत्याशियों के विज्ञापनों का प्रमाणन मीडिया प्रमाणन एवं निगरानी समिति (एमसीएमसी) से अनिवार्य रूप से कराना होगा। इस संबंध में जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. गौरव सिंह ने जरूरी निर्देश भी जारी किए है।

रायपुर लोकसभा क्षेत्र में 07 मई मंगलवार को तीसरे चरण में वोट डाले जाएंगे, इसे देखते हुए 06 व 07 मई को प्रिंट मीडिया में प्रकाशित किए जाने वाले ऐसे तमाम राजनीतिक विज्ञापनों को राज्य स्तर या जिला पर गठित प्रमाणन व मीडिया निगरानी समिति (एमसीएमसी) से पूर्व-प्रमाणीकरण कराना अनिवार्य है। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा इस संबंध में दिशा-निर्देश जारी किए गए है। इन दोनों दिन राजनीतिक लाभ लेने व मतयाचना के लिए राजनीतिक दलों व प्रत्याशियों द्वारा समाचार-पत्रों में विज्ञापन

प्रकाशित कराया जाता है।

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार राज्य स्तर पर एक राज्य स्तरीय एमसीएमसी कमेटी मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय द्वारा गठित की गई है, राज्य स्तरीय कमेटी में राजनीतिक दलों द्वारा प्रकाशित कराये जाने वाले राजनीतिक विज्ञापनों का प्रमाणीकरण कराया जा सकता है, इसके साथ ही हर जिले में जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा जिला स्तर पर एमसीएमसी कमेटी गठित है। लोकसभा निर्वाचन लडने वाले प्रत्याशी अपने राजनीतिक विज्ञापनों को जिला स्तरीय समिति से प्रमाणीकरण करा सकते हैं। इसके लिए प्रत्याशियों को विज्ञापन प्रकाशन की प्रस्तावित तिथि से 3 दिन पहले तक विज्ञापन के प्रारूप की तीन प्रतियों के साथ निर्धारित प्रपत्र में आवेदन प्रस्तुत करना होगा। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि मीडिया प्रमाणन का मूल आधार आदर्श आचार संहिता के पालन से जुड़ा है। मीडिया में ऐसा कोई विज्ञापन नहीं दिया जाएगा जो सामाजिक समरसता को बिगाडने अथवा तनाव को बढ़ाने, शांति भंग करने, संविधान और कानून के विपरीत, नैतिकता, सदाचार के विपरीत हो। किसी की धार्मिक आस्था को ठेस पहुंचाने वाले विज्ञापनों के प्रकाशन पर भी रोक रहेगी। कलेक्टर ने बताया कि मतदान के दिन और मतदान से एक दिन पहले मीडिया में प्रकाशित होने वाले राजनैतिक विज्ञापन का समिति द्वारा प्रमाणन कराया जाना आवश्यक है। इन विज्ञापनों में प्रिंट मीडिया, टीवी चैनल, केबल टीवी चैनल, रेडियो (निजी एफएम सहित), सिनेमा घर, ई-समाचार पत्र, बल्क एवं वाईस एसएमएस एवं सार्वजनिक स्थलों पर दृश्य-श्रव्य माध्यम शामिल है।

रायपुर में मतदान 7 को सुबह 7 से शाम 6 बजे तक होटल, सैलून, स्कूलों ने भी दिए सेवाओं के ऑफर

रायपुर। शहर के अनेक व्यापारिक, औद्योगिक, शैक्षणिक, चिकित्सा संस्थानों, मनोरंजन गृह व संगठनों ने लोकसभा निर्वाचन-2024 हेतु मतदान तिथि 7 मई को देश के महापर्व के रूप में मनाने की तैयारी की है। इन संस्थानों ने मतदाताओं हेतु कई ऐसे ऑफर की घोषणा की है, जो अंगुली पर नीली स्याही का निशान दिखाकर सीधे प्राप्त की जा सकेगी। ऐसे कई संस्थान मतदान केन्द्रों के आस-पास गर्मी के मौसम को देखते हुए ठंडे पेयजल, नींबू पानी आदि की सुविधा देने आगे आ रहे हैं, वहीं स्कूलों के विद्यार्थी निःशक्त व बुजुर्गों को पोलिंग बूथ आने पर मतदान मित्र की जिम्मेदारी का सेवाभावी कार्य में जुट रहे हैं। 100 से भी अधिक संस्थान कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. गौरव कुमार सिंह से भेंट कर इस आशय का लिखित प्रस्ताव भी सौंपा है। चुनाव के पर्व को देश का गर्व मानते हुए रायपुर के नागरिक व कई बड़े संस्थान अपने स्तर पर स्वैच्छिक छूट प्रदान करने के प्रस्ताव के साथ आगे आए हैं, इसी श्रृंखला में सायाजी होटल ग्रुप ने 07 से 10 मई तक फूड बिल में 20 प्रतिशत की छूट की घोषणा की है। इन्फिनिटी सैलून में 07 से 12 मई तक निःशुल्क हेयर और स्कीन परामर्श के साथ ही उनकी सेवाओं में 25 प्रतिशत छूट मिलेगी। इनके मेम्बरशिप प्लान में एक वर्ष तक 25 प्रतिशत डिस्काउंट भी दिए जाने की बात भी इन्फिनिटी सैलून ने लिखित प्रस्ताव में दिया है। इसी तरह मीनाक्षी सैलून में सभी तरह की सेवाओं में 12 मई तक छूट दिए जाने की घोषणा की गई है। इसके अलावा सुमीत बाजार समूह मतदान कर्मियों को गर्मी की तपिश से बचाव के लिए लगभग 15 हजार से भी अधिक निःशुल्क गमछे उपलब्ध करा रहा है।

नई सरकार के गठन के बाद की चुनौतियां

आर. जगन्नाथन

चार जून को लोक सभा चुनाव नतीजों में चाहे जिसकी जीत हो, अगली सरकार के सामने बड़ी चुनौतियां रहने वाली हैं। इससे भी कोई फर्क नहीं पड़ता कि पूरी तरह गठबंधन सरकार बनेगी या एक दल के बहुमत वाली सरकार, इन चुनौतियों से बिना आपसी सहमति के निजात नहीं मिलेगी। बड़ी राजनीतिक-आर्थिक चुनौतियों से केवल संसदीय बहुमत से निजात नहीं पाई जा सकती है। नई सरकार बनने के एक या दो वर्ष बाद तीन चुनौतियां सामने आएंगी। रोजगार की चुनौती शाश्वत है ही। पहली चुनौती होगी 2021 की जनगणना जिसे कोविड के कारण लगातार टाला गया है। कुछ तबकों को आशंका है कि जनगणना का इस्तेमाल संसदीय परिसीमन के लिए किया जाएगा और इसे भविष्य में राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) से जोड़ा जाएगा। इससे भविष्य में लोक सभा सीट और कर हिस्सेदारी को लेकर उत्तर-दक्षिण तनाव बढ़ सकता है। इसके बाद महिला आरक्षण विधेयक की बारी आती है। उसके क्रियान्वयन के लिए लोक सभा सीट की संख्या में इजाफा करना जरूरी होगा। मोदी सरकार ने कानून पास करते समय इसके क्रियान्वयन को अगले कार्यकाल के लिए टाल कर सही किया। यानी इसे परिसीमन और लोक सभा सीट में इजाफे के बाद लागू किया जाएगा। अगली जनगणना राजनीतिक दृष्टि से विस्फोटक होगी और उससे सावधानीपूर्वक निपटना होगा। क्रियान्वयन तथा व्यापक असर दोनों ही मामलों में सावधान रहना होगा। यानी कम से कम सरकार को यह घोषणा पहले करनी होगी कि उसके परिणाम एनआरसी के क्रियान्वयन के लिए नहीं इस्तेमाल होंगे। परंतु अगर अल्पसंख्यक इस पर आश्वस्त हों तो जनगणना के नतीजे यह तय करेंगे कि किस राज्य में लोक सभा की कितनी सीट होंगी। अगर अधिक आबादी वाले हिंदी भाषी क्षेत्रों की सीटों में समुचित इजाफा नहीं हुआ तो यह सही नहीं होगा। दूसरी ओर अगर लोक सभा सीट की संख्या को मौजूदा स्तर पर रोकने का प्रयास किया गया तो इसके लिए भी राजनीतिक लड़ाई लड़नी होगी। उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु का उदाहरण उचित रहेगा। इन दोनों राज्यों की मौजूदा आबादी के मुताबिक 25.7 करोड़ की आबादी वाले उत्तर प्रदेश में केवल 80 सीट हैं। यह भारत की 141 करोड़ की आबादी का 18 फीसदी और लोक सभा सीटों का 14.7 फीसदी है। तमिलनाडु को देश की 5.1 फीसदी आबादी के साथ 7.1 फीसदी लोक सभा सीट मिली हैं। उत्तर प्रदेश की आबादी के प्रतिनिधित्व को इस तरह सीमित करना एक व्यक्ति एक वोट के विचार से मेल नहीं खाता। इसके विरुद्ध एक तर्क जो दक्षिण भारत के राजनेताओं द्वारा बार-बार दोहराया गया है वह कहता है कि जिन राज्यों ने आबादी पर बेहतर नियंत्रण पाया उन्हें राजनीतिक रूप से दंडित नहीं किया जाना चाहिए। परंतु क्या यह तर्क सही है। 1960 और 1970 के दशक में जब भारत के लिए अपनी आबादी का पेट भरना भी मुश्किल था तब कोई भी अच्छी जनसंख्या नीति प्रजनन दर कम करके 2.1 फीसदी की प्रतिस्थापन दर पर लाने का प्रयास करती। जब भारत की कुल प्रजनन दर पहले ही 2.1 से कम है और तमिलनाडु की 1.8 या उससे कम है तो हम प्रजनन दर में गिरावट को अच्छे प्रदर्शन का मानक कैसे मानें? अगर आबादी को स्थिर रखने के लिए कुल प्रजनन दर का लक्ष्य राज्यों में प्रजनन की दर को 1.9 से 2.1 के बीच रखना है तो तमिलनाडु का प्रदर्शन कमजोर है, न कि बेहतर। जब आबादी की चुनौती की प्रकृति बदलती है तो प्रदर्शन के मानक भी बदलने चाहिए। ऐसे में यह दावा कि दक्षिण के राज्य जनांकीय आधार पर बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं, केवल तभी सही होगा जब कुछ दशक पहले की बात की जा रही हो। मौजूदा हालात में तो मानक बदलने ही होंगे। परंतु तमिलनाडु का कोई राजनेता, यहां तक कि वहां भारतीय जनता पार्टी के राजनेता भी इस दलील को बिना राजनीतिक कीमत चुकाए नहीं स्वीकार सकेगा। ऐसे में इस परिस्थिति से बाहर निकलने का इकलौता रास्ता एक राजनीतिक समझौता है जहां सभी राज्यों को अधिक सीट मिलें लेकिन कम आबादी वाले राज्यों को उनके मौजूदा अनुपात से कम सीटें मिलें। उत्तर प्रदेश और बिहार जैसे अधिक आबादी वाले राज्यों को उचित से कम खबरें मिल रही हैं।

मतदान के आंकड़े पर सियासी घमासान

अजय बोकिल

अगर कण-कण में भगवान है तो मानिए कि इस देश के जर्रे-जर्रे में सियासत समा गई है। अब चुनाव कार्यक्रम, चुनाव प्रक्रिया, चुनाव नतीजे के साथ-साथ चरणवार मतदान के अंतिम आंकड़े जारी करने पर भी सियासी घमासान मचा है। गोया यह पूरा चुनाव ही शक-शुबहों की सुरंग से होकर गुजर रहा है। इधर, विपक्ष को हर बात में खोट दिख रही है तो सत्ता पक्ष सब कुछ स्वाभाविक मानकर मुग्ध है। विपक्ष को शक है कि चुनाव आयोग ने ये आंकड़े जानबूझकर देरी से जारी किए। खासकर 19 अप्रैल को पहले चरण के मतदान के 11 दिन बाद। इसके पीछे कहीं कोई 'खेला' तो नहीं है? जबकि चुनाव आयोग का कहना है कि समूचे आंकड़े कंपाइल करने में वक्त लगता है, इसलिए अंतिम आंकड़े जारी करने में कुछ देरी हुई। यहां बात केवल अंतिम आंकड़ों की नहीं है, जो आंकड़े सामने आए हैं वो चुनाव के दो चरणों के दौरान कम मतदान के नरेटिव को झटका देने वाले हैं।

शुरुआती आंकड़ों में यह संदेश छुपा था कि दोनो चरणों में 2019 के लोकसभा चुनाव की तुलना में 3 से 7 फीसदी की गिरावट आई है। लेकिन चुनाव आयोग ने पहले चरण के डेढ़ हफ्ते बाद जो आंकड़े बताए, उससे पहले चरण में 102 संसदीय सीटों पर 66.14 प्रतिशत और दूसरे चरण में 88 सीटों पर 66.71 प्रतिशत वोट पड़े। जबकि चुनाव आयोग ने पहले चरण के मतदान के आरंभिक आंकड़े औसतन 60 प्रतिशत तथा दूसरे चरण में 60.96 प्रतिशत बताए थे। अगर इसकी तुलना 2019 के लोकसभा चुनाव के प्रथम व द्वितीय चरण के मतदान प्रतिशत से की जाए तो वोटिंग में यह कमी क्रमश: 4 और 3 फीसदी की होती है। अगर पिछले लोस चुनाव के कुल औसत मतदान 67 फीसदी से इसकी तुलना करें तो कुल मतदान में घटत उतनी ज्यादा नहीं है, जितनी कि मानी जा रही थी। फिर भी मतदान घटा तो है, जिससे चुनाव नतीजे काफी बदल सकते हैं और कई जगह हार- जीत का अंतर भी बहुत कम रह सकता है।

मतदान के आरंभिक आंकड़ों ने राजनीतिक दलों की चिंता बढ़ा दी थी। माना जा रहा था कि तमाम कोशिशों के बाद भी वोटर घर से नहीं निकल रहा है। राजनीतिक विश्लेषक इस बात का गुणा-भाग लगा रहे थे कि कम मतदान किसको जीत की ट्रॉफी दिलाएगा। इसके लिए तरह-तरह के आंकड़े और डाटा एनालिसिस पेश किया जा रहा था। दरअसल, मोटे तौर पर संदेश यही था कि कम मतदान सत्तारूढ़ भाजपा और एनडीए के लिए जोखिम भरा है। यह बताने की भी कोशिश हुई कि चुनाव में खासकर भाजपा का वोटर अपेक्षित संख्या में नहीं निकल रहा। ऐसे में देश में 2004 के लोकसभा चुनाव जैसी स्थिति बन सकती है, जब मतदान अपने पूर्ववर्ती 1999 के लोस चुनाव की तुलना में 1.9 फीसदी कम रहा था और सत्तारूढ़ अटलजी की सरकार सत्ता से बेदखल हो गई थी तथा नेतृत्व विहीन यूपीए गठबंधन सत्ता में आ गया था। 2009 के लोस चुनाव में भी औसत मतदान 58.21 प्रतिशत रहा और यूपीए 2 फिर सत्ता में लौटा। लेकिन 2014 ने वोटिंग ट्रेंड ने गीयर बदला। अगले दो लोकसभा चुनाव में यह 8 से 10 फीसदी तक बढ़ा और मोदी के नेतृत्व में भाजपा सत्ता में रही है। विपक्ष के लिए झटका यह है कि पहले चरण के जो आंकड़े शुरू में बताए गए थे, उनमें 6 फीसदी से ज्यादा का अंतर है। यानी इतना मतदान बढ़ा है। ये आंकड़े 2019 के लोस चुनाव के पहले दो चरणों के औसत आंकड़ों के आसपास ही हैं। इसका अर्थ यह हुआ कि मतदान कम जरूर हुआ है, लेकिन इतना कम भी नहीं हुआ है कि विपक्ष की बांछें खिल जाएं। अगर यही ट्रेंड अगले पांच चरणों में भी रहता है तो तय मानिए कि चुनाव नतीजे कमोबेश 2019 के जैसे ही हो सकते हैं।

पहले दो चरणों के मतदान के अंतिम आंकड़ों से भाजपा ने कुछ राहत की सांस ली है, जबकि विपक्ष के मन में शक का कीड़ा और गहरा गया है। उसने चुनाव आयोग की विश्वसनीयता पर सवालिया निशान लगाते हुए दो प्रश्न उठाए हैं। पहला यह कि दोनों चरणों के अंतिम आंकड़े जारी करने में इतनी देरी के पीछे मंशा या मजबूरी क्या है? दूसरे, कम बताया जा रहा मतदान अचानक 6 फीसदी तक कैसे बढ़ गया? यह सचमुच आंकड़ों के संग्रहण में देरी है या कुछ और? तीसरा यह कि आयोग केवल मतदान का प्रतिशत क्यों बता रहा है, कुल मतदान के आंकड़े बताने में उसे क्या परेशानी है? पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बैनर्जी ने तो आरोप लगाना शुरू भी कर दिया है कि चुनाव आयोग नतीजों में गड़बड़ी कर सकता है। आंकड़े जारी करने में यकीनन देरी हुई है क्योंकि पहले के चुनाव में किसी भी चरण के अंतिम आंकड़े प्राय: तीन दिन के अंदर मिल जाते थे। वैसे भी मतदान के दिन शाम तक के जो आंकड़े चुनाव आयोग जारी करता है, वो सरसरी तौर पर और अनुमानित ही होते हैं, क्योंकि मतपेटियां जमा होने का क्रम देर रात तक या दूसरे दिन सुबह तक भी चलता है। उन सभी के मतदान के वास्तविक आंकड़ों की पुष्टि कर उनको कंपाइल करने में वक्त लगता है। लेकिन उंगली आयोग की मंशा पर उठ रही है।

कांग्रेस ने कहा है कि लोकसभा चुनाव के पहले और दूसरे चरण के मतदान के अंतिम आंकड़े की जानकारी देने में देरी अस्वीकार्य है।कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने मीडिया से कहा कि हमे उम्मीद है कि चुनाव के बचे हुए चरणों में ऐसा नहीं होगा। सीपीएम नेता सीताराम येचुरी ने कहा कि ये बहुत परेशान करने वाला है। इससे नतीजों में गड़बड़ी का गंभीर शक पैदा होता है। उनका यह भी कहना था कि जब तक वोटों कुल आंकड़ा न बताया जाए तब तक प्रतिशत बताने का कोई अर्थ नहीं है। दूसरी ओर पूर्व चुनाव आयुक्त एन गोपालास्वामी का कहना है कि मतदान के पुष्ट चुनावी आंकड़े तब उपलब्ध होते हैं, जब वोटिंग के अंत में फॉर्म 17ष्ट जमा किया जाता है। इसी फॉर्म पर डाले गए वोटों की कुल संख्या होती है। तभी आयोग को अंतिम आंकड़े पता चलते हैं। हालांकि, कुछ विशेषज्ञो का मानना है कि अंतिम आंकड़ों में पांच छह फीसदी की घट बढ़ असामान्य नहीं है। इसका एक अर्थ यह भी है कि यदि अंतिम आंकड़े और घटते तो विपक्ष ज्यादा मुतमइन रहता, बढ़ते आंकड़ों ने उसे बेचैन कर दिया है। हालांकि, अंतिम आंकड़े जारी करने में इतना विलंब चुनाव आयोग की कार्य क्षमता पर भी सवाल खड़े करता है, क्योंकि जो काम तय सीमा में अब तक होता रहा है, वही काम ज्यादा संसाधनो और बेहतर टैक्नोलॉजी के बाद भी इतनी देरी से क्यों हो रहा है अथवा किया जा रहा है?

हालांकि, यह मानना कठिन है कि चुनाव आयोग जान बूझ कर कोई खेला कर रहा होगा, क्योंकि इस चुनाव में सबसे ज्यादा विश्वसनीयता तो उसी की दांव पर लगी है। अगर यह कोई व्यवस्थागत खामी है तो उसे अगले चरणों में दूर करने की जरूरत है। यह बात अलग है कि अपनी कॉलर ऊंची रखने के लिए कम मतदान को सभी दल अपने अपने पक्ष में बता रहे हैं, लेकिन खुटका सभी के मन में है और खासकर भाजपा के मन में जिसने 400 पार का नारा दिया हुआ है। ऊपर से भले ही प्रधानमंत्री कम मतदान को भगवा रंग में लिपटा मानें, लेकिन अंदरखाने बीजेपी ने अपनी समूची चुनावी मशीनरी को खड़का दिया है कि किसी भी कीमत पर ज्यादा से ज्यादा वोट डलवाओ। वरना नतीजों का ऊंट दुश्मन की करवट जा बैठेगा कुलमिलाकर डर दोनों तरफ है। हालांकि, कम मतदान की खबरों ने अचानक विपक्ष की ईवीएम पर आस्था बढ़ा दी थी। लेकिन बढ़ा मतदान यह आस्था फिर घटा सकता है। याद करें कि 2019 के लोकसभा चुनाव के समय टीडीपी नेता चंद्राबाबू नायडू विरोधी खेमे में थे और उन्होंने भी ईवीएम पर सवाल उठाए थे। लेकिन इस दफा वो खामोश हैं, बीजेपी के साथ हैं और सत्ता में वापसी की आस लगाए हुए हैं। उन्हें ईवीएम में कहीं कोई खोट नजर नहीं आ रहा।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

योगकुण्डल्युपनिषद् (भाग-12)

गतांक से आगे...

इसे हर प्रकार से गोपनीय रखते हुए, जहाँ भी इस दिव्य ज्ञान योग में पारंगत गुरु मिलें, उन्हीं के पास जाकर खेचरी विद्या को ग्रहण कर उनके निर्देशानुसार जागरूक होकर अभ्यास करना चाहिए। इस विद्या से योगी को खेचरी अर्थात् आकाश में उड़ने की शक्ति प्राप्त होती है, इसलिए खेचरी का अभ्यास खेचरी बीज (मन्त्र) के योग के साथ करना चाहिए। इस प्रकार का साधक आकाशगामी देवताओं का अधिपति होकर आकाश में विचरण करता रहता है। खेचरी के बीज मंत्र में खेचर का रूप ह कार, आवसथ अर्थात् धारणा का रूप ई कार, अग्नि का रूप र कार और जल का रूप अनुस्वार अर्थात् बिन्दु है। (इस प्रकार इन सबका योग ह्रीं होता है)।

खेचरी योग इसी (बीजमन्त्र) से सिद्ध होता है। (इसके आगे) सोमांश चन्द्रबीज स कार होता है, इसके उल्टे गिनने पर नवें अक्षर पर भ है, पुन: चन्द्रबीज स कार है, इसके उल्टे गिनने पर अष्टम अक्षर पर म है, इससे पाँच अक्षर उल्टा गिनने पर प है, पुन: चन्द्रबीज स कार एवं संयुक्त वर्ण युक्त क्ष सबसे अन्तिम अक्षर है। (इस तरह ह्रीं, भं, सं, मं, पं, सं, क्षं खेचरी का मंत्र होता है।)।

गुरु के द्वारा विधिवत् उपदेश लेकर इस मंत्र का जप करने से यह सभी प्रकार की सिद्धियों को देने वाला है। इस मंत्र का प्रतिदिन द्वादश बार जप करने से देह में स्थित माया का स्वप्न में भी प्रभाव नहीं पड़ता। इस मंत्र का जो नियमपूर्वक पाँच लाख जप करता है, उस व्यक्ति की खेचरी स्वयमेव सिद्ध हो जाती है तथा उसके जीवन के सभी विघ्न समाप्त हो जाते हैं एवं उसे देवताओं की प्रसन्नता प्राप्त होती है। शरीर में पड़ी झुर्रियों एवं पके केश जैसे लक्षण समाप्त हो जाते हैं अर्थात् वृद्ध भी युवा हो जाता है, इसमें शंका नहीं करनी चाहिए, इसलिए इस महाविद्या का भली-भाँति अभ्यास करना चाहिए। **क्रमश: ...**

वल्लभाचार्य जयंती

सरिता शर्मा

हिंदू कैलेंडर के वैशाख महीने की कृष्ण पक्ष एकादशी के दिन वल्लभाचार्य का जन्म हुआ था। यह दिन वरुथिनी एकादशी के साथ भी मेल खाता है। जिसके अनुसार इस साल महाप्रभु वल्लभाचार्य जी की जयंती शनिवार, 4 मई 2024 को पूरे देश में मनाई जा रही है और यह उनका 545 वां जन्मदिन होगा।

महाप्रभु वल्लभाचार्य कृष्ण भक्ति शाखा के वह आधारस्तंभ हैं जिन्होंने साधना के लिए पुष्टिमार्ग से परिचित करवाया। इनका जन्म 1479 ई. में, श्री वल्लभ का जन्म वाराणसी में रहने वाले एक साधारण तेलुगु परिवार में हुआ था। उनकी मां ने वल्लभाचार्य को छत्तीसगढ़ के चंपारण में जन्म दिया था और उस वक्त हिंदू-मुस्लिम संघर्ष चल चरम पर था। श्री वल्लभ, वेद और उपनिषद पढ़ते हुए ही बड़े हुए। जिसके बाद वो भारतीय उपमहाद्वीप की 20 साल की यात्रा पर निकल पड़े और वल्लभ पुष्टि परंपरा के संस्थापक बनें, वेदांत दर्शन भी उनकी समझ पर आधारित है।

श्री वल्लभाचार्य एक प्रसिद्ध हिंदू विद्वान थे जिन्हें भारत के धार्मिक भक्ति आंदोलन का अग्रदूत भी माना जाता है। इसलिए भगवान श्री कृष्ण की भक्ति से प्रेरित श्री वल्लभाचार्य जी की जयंती पूरे भारत में धूमधाम से मनाई जाती है। देशवासी के लिए यह दिन किसी लोकप्रिय त्योहार से कम नहीं माना जाता है। इन्होंने पुष्य संप्रदाय की स्थापना की थी। श्री वल्लभाचार्य एक भारतीय दार्शनिक थे, जिन्होंने भारत के ब्रज क्षेत्र में वैष्णववाद के कृष्ण-केंद्रित पुष्टि संप्रदाय और शुद्ध अद्वैत दर्शन की स्थापना की। आज की दुनिया में, भगवान श्री कृष्ण के कई भक्तों का मानना है कि श्री वल्लभाचार्य ने गोवर्धन पर्वत पर प्रभु के दर्शन किए थे। कुछ मान्यातओं के आधार पर यह माना जाता है की वल्लभाचार्य ही वे व्यक्ति थे जो श्रीनाथ जी के रूप में भगवान श्री कृष्ण से मिले उन्हे यह अवसर प्राप्त हुआ था। कहा जाता है अग्नि देवता का पुर्नजन्म वल्लभाचार्य जी का है । श्री वल्लभ आचार्य के जन्मदिन पर मुख्य रूप से श्रीकृष्ण की पूजा-आराधना की जाती है. क्योंकि वल्लभ आचार्य जी भगवान कृष्ण के बहुत बड़े भक्त थे। इस दिन श्री नाथ जी के मंदिर में सभी भक्त जन जाकर पूजा अर्चना करते हैं। तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, चेन्नई और महाराष्ट्र में इस दिन का बहुत बड़ा महत्व माना जाता है।

वल्लभाचार्य जयंती के अवसर पर हमारे देश में कुछ खास परंपराओं के साथ उत्सव मनाया जाता है। इस दिन मंदिरों और सभी धार्मिक स्थलों को फूलों से सजाया जाता है। भक्त सुबह-सुबह भगवान कृष्ण का अभिषेक करते हैं। अभिषेक की विधि पूरी होने के बाद आरती शुरू की जाती है जिसमें मंदिर के पुजारी और सभी भक्त भगवान श्री कृष्ण के गीत गाते है। इसके बाद रथ यात्रा के लिए भगवान श्री कृष्ण की तस्वीर को रथ पर रख दिया जाता है। जिसके बाद इस झांकी को आसपास के इलाकों में घुमाया जाता है। जिससे सभी को रथ यात्रा की झांकी के दर्शन हो सके। इसके बाद अंत में सभी भक्तों में प्रसाद बांटा जाता है और दिन के समापन श्री वल्लभाचार्य के पौराणिक कार्यों को स्मरण करने और उनकी प्रशंसा करने के साथ होता है।

गुजरात में भाजपा हार से दूर फिर भी आंतरिक संघर्ष

समीर चौगांवकर

19 अप्रैल को गुजरात के अपने संसदीय क्षेत्र गांधीनगर में नामांकन करने पहुंचे केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने प्रदेश संगठन के नेताओं के साथ बैठक की। बैठक में मुख्यमंत्री भूपेन्द्र भाई पटेल, प्रदेश अध्यक्ष सीआर पाटिल और संगठन महामंत्री रत्नाकर भी मौजूद थे।

अमित शाह ने पूछा कि %इस बार गुजरात में कैसी तैयारी है?% प्रदेश अध्यक्ष ने बड़े आत्मविश्वास से कहा कि गुजरात की सभी 26 सीटें जीतने जा रहे हैं।% प्रदेश अध्यक्ष के इस बयान के बाद मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल मंद मंद मुस्करा रहे थे। बैठक में मौजूद सभी वरिष्ठ नेताओं को लग रहा था कि अमित शाह संगठन की तारीफ करेंगे और शाबाशी देंगे।

अमित शाह ने गंभीरता से कहा कि लगता है आप लोगों ने ठीक से काम नहीं किया है। मोदी के दस साल के कार्यकाल और कांग्रेस के बदहाल होने के बाद तो कांग्रेस की 24 और आप पार्टी की 2 सीटें मिलकर गुजरात में सभी 26 सीटों पर जमानत जब्त होना चाहिए। हम लगातार दो चुनाव से सभी सीटें जीत रहे हैं, इसमें आप नया क्या कर रहे हो? शाह ने कहा, काम पर लग जाइए और सुनिश्चित करिए कि कांग्रेस की सभी 24 और आप पार्टी की 2 सीटों पर जमानत जब्त हो जाए।

अमित शाह भले ही 26 सीटों पर विपक्षी उम्मीदवारों की जमानत जब्त करने की बात कर रहे हों, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री शाह का गुजरात इस बार भाजपा के लिए कुछ सीटों पर चुनौती भी खड़ी कर रहा है। चुनौती का मतलब यह है कि भाजपा की जीत का मार्जिन बेहद कम हो सकता है। हालांकि सूरत सीट देश की ऐसी पहली सीट बन गई जहां बिना चुनाव के ही भाजपा जीत चुकी है। लेकिन राज्य में कुछ सीटों पर कांग्रेस की चुनौती से ज्यादा भाजपा का आंतरिक संघर्ष पार्टी को परेशानी में डाल रहा है।

गुजरात जहां भाजपा से सिर्फ टिकट मिलना ही जीत की गारंटी माना जाता है, उस राज्य में साबरकांठा और बड़ोदरा से टिकट मिलने के बाद भी विरोध और विवाद के चलते पार्टी के घोषित उम्मीदवार को अपना टिकट लौटाने के लिए बाध्य होना पड़ा। पार्टी को कार्यकर्ताओं के दबाव के बाद दूसरे उम्मीदवार देने पड़े। विश्व हिंदू परिषद के पूर्व नेता भीकाजी ठाकोर को पहले साबरकांठा से भाजपा ने उम्मीदवार घोषित कर दिया था, लेकिन बाद में उन्होने चुनाव लड़ने से मना कर दिया। उनकी जगह साबरकांठा से भाजपा ने 2022 में कांग्रेस से भाजपा में आए महेन्द्र सिंह बरैया की पत्नी शोभना बरैया को उम्मीदवार घोषित कर दिया।

बड़ोदरा से सांसद रही रंजना बेन भट्ट का टिकट भी पार्टी कार्यकर्ताओं के विरोध के कारण बदलना पड़ा। उनके घर के सामने और भाजपा कार्यालय में जमकर प्रदर्शन हुए। पार्टी कार्यकर्ता आरोप लगा रहे थे कि रंजना बेन ने कोई काम नहीं किया उसके बाद भी लगातार तीसरी बार उनको टिकट क्यों दिया जा रहा है? इसी तरह सुरेन्द्रनगर सीट से भाजपा संगठन ने 2017 में कांग्रेस से भाजपा में आए चंदूभाई सेहोरा को उम्मीदवार बनाया। भाजपा कार्यकर्ताओं को यह नागवार गुजरा कि कार्यकर्ताओं की उपेक्षा कर कांग्रेस से आए चंदूभाई को टिकट दिया जाए। सुरेन्द्रनगर सीट पर जमकर विरोध हो रहा है और हालत यह है कि भाजपा प्रत्याशी को भाजपा कार्यालय में ही बैठक लेने में मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।

विरोध की यही स्थिति अमरेली में भी नजर आ रही है, जहां मौजूदा सांसद नारन कछाड़िया की जगह जिला पंचायत अध्यक्ष भरत सुतारिया को टिकट दिए जाने के विरोध में दोनों गुटों में जमकर हिंसक झड़प हुई। वलसाड एसटी सीट पर भी भाजपा कार्यकर्ता ध्रुव पटेल को बाहरी बताकर विरोध कर रहे हैं और टिकट वितरण में लेन देन का आरोप लगा रहे है। जूनागढ और मोरबी सीट पर भी विरोध हो रहा है। कार्यकर्ताओं के बीच आपस में तलवार खिंची हुई है।

मोदी और शाह की गहरी पकड़ वाले गुजरात में भाजपा के भीतर ही सत्ता संघर्ष का ऐसा खुला खेल पहली बार देखने को मिला है। हालत की गंभीरता इस बात से लगा सकते है कि प्रधानमंत्री मोदी ने अमित शाह को गुजरात जाकर मामले को संभालने के लिए कहना पड़ा। अमित शाह पार्टी विवाद को निपटाते इसके पहले ही मोदी सरकार में मंत्री और राजकोट से भाजपा के उम्मीदवार परषोत्तम रूपाला ने राजपूतों पर बयान देकर सिर्फ गुजरात के ही नहीं पूरे देश के राजपूतों को नाराज कर दिया।

राजपूतों पर विवादित बयान देने वाले परषोत्तम रूपाला पाटीदारों की एक उपजाति कड़वा पटेल समुदाय से आते हैं। गुजरात में कुल मतदाताओं में पाटीदारों की संख्या 14 से 16 फीसद है और राज्य की 26 में से 7 सीटों पर उनका काफी प्रभाव है। वहीं गुजरात के कुल मतदाताओं में क्षत्रिय मतदाता महज पांच से छह फीसदी ही हैं और 26 सीटों में से किसी भी सीट पर निर्णायक प्रभाव नहीं डाल पाते हैं। लेकिन देश के अन्य हिस्सों में राजपूतों के प्रभाव को देखते हुए भाजपा को राजपूत वोट खोने का डर सता रहा है। हालांकि रूपाला ने तीन बार माफी मांग ली है, लेकिन राजपूत समाज गुजरात में भाजपा को माफ करने के मूड में नहीं है।

भाजपा में भले ही आंतरिक असंतोष हो लेकिन गुजरात में कांग्रेस की हालत बेहद खराब है। संगठन के नेता एक एक कर भाजपा का दामन थाम रहे हैं। गुजरात का यह पहला लोकसभा चुनाव है, जब कांग्रेस को अहमद पटेल के बिना गुजरात में लड़ना पड़ रहा है। अहमद पटेल के बिना पूरा संगठन बिखरा बिखरा नजर आ रहा है। पोरबंदर से विधायक और कांग्रेस के दिग्गज नेता अर्जुन मोढवाडिया, गुजरात कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष और विधायक अमरीश डेर भाजपा में चले गए है। खंभात विधायक चिराग पटेल के अलावा 2019 में अमित शाह के खिलाफ लोकसभा चुनाव लड़ने वाले सीजे चावड़ा ने भी भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर ली है।

हालांकि गुजरात में लगातार हार रही कांग्रेस ने बनासकांठा, साबरकांठा, आणंद, जामनगर, सूरत, सुरेन्द्रनगर, जूनागढ़ में भाजपा ने जिस जाति के नेता को प्रत्याशी बनाया है, कांग्रेस ने भी उसी जाति के नेता को टिकट दिया है ताकि लड़ती हुई दिखाई दे। गुजरात में कांग्रेस और आप पार्टी में गठबंधन है। गुजरात में कांग्रेस 24 सीटों पर और आम आदमी पार्टी दो सीटों भरूच और भावनगर से लड़ रही है। 2022 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को सिर्फ 17 सीटें मिली थी, उसमें भी कांग्रेस के 3 विधायक पार्टी छोड़ चुके हैं। अभी गुजरात में कांग्रेस के 14 विधायक हैं और इनमें से भी कई विधायक कब पाला बदल लें कुछ कहा नहीं जा सकता।

गुजरात की सभी 26 सीटों पर 7 मई को मतदान होना है। ऐसे में भाजपा भले ही आंतरिक असंतोष से गुजर रही हो लेकिन वह कोई सीट हार जाए इसकी संभावना दूर-दूर तक नजर नहीं आती है। देखना यह है कि 2019 में पूरे देश में सबसे ज्यादा मतों से नवसारी से सीआर पाटील जीते थे, क्या इस बार भी वही जीतते हैं या भाजपा के चाणक्य अमित शाह गांधीनगर से सबसे ज्यादा वोटों जीतते है। गुजरात में कांगेस हार का मार्जिन कम करने की लड़ाई लड़ रही है तो अमित शाह कांग्रेस की जमानत जब्त करवाने की कोशिश कर रहे हैं। गुजरात में इससे ज्यादा की लड़ाई दिख नहीं रही है।

आज का इतिहास

1888 इटली और स्पेन ने सैन्य संधि पर हस्ताक्षर किये।
1896 लंदन में डेली मेल समाचार पत्र का पहला संस्करण प्रकाशित हुआ।
1904 संयुक्त राज्य सेना के इंजीनियरों ने पनामा नहर पर काम शुरू किया।
1924 फ्रांस की राजधानी पेरिस में आँठवे ओलंपिक खेलों की शुरूआत हुई।
1941 कोनराड ज़्यूज़ ने बर्लिन में जेड 3, दुनिया का पहला काम करने वाला प्रोग्राम, पूरी तरह से स्वचालित कंप्यूटर प्रस्तुत किया।
1942 कोरल सागर की लड़ाई 4 मई, 1942 को शुरू हुई थी और द्वितीय विश्व युद्ध के प्रशांत थिएटर में 5 दिनों तक चली थी। यह एक प्रमुख नौसैनिक युद्ध था, जो शाही जापानी नौसेना और संयुक्त राज्य अमेरिका और ऑस्ट्रेलियाई नौसेना और वायु सेनाओं के बीच लड़ा गया था।
1942 द्वितीय विश्व युद्ध-इम्पीरियल जापानी नौसेना ने कोरल सागर की लड़ाई में मित्र देशों की नौसेनाओं की सगाई की, पहला बेड़ा कार्रवाई जिसमें विमान वाहक एक दूसरे से जुड़े।
1945 जर्मन फील्ड मार्शल बर्नार्ड मोंटगोमरी ने 4 मई, 1945 को नीदरलैंड, नॉर्वे और डेनमार्क में जर्मन सेना के बिना शर्त आत्मसमर्पण की शर्तों पर हस्ताक्षर किए, जो यूरोप में द्वितीय विश्व युद्ध के अंत से पहले थे।
1945 द्वितीय विश्व युद्ध: फील्ड मार्शल बर्नार्ड मोंटगोमरी ने नीदरलैंड, उत्तर पश्चिम जर्मनी और डेनमार्क में जर्मन सेना के बिना शर्त आत्मसमर्पण को स्वीकार किया।
1959 प्रथम वार्षिक ग्रैमी पुरस्कारों का आयोजन 4 मई, 1959 को लॉस एंजिल्स और न्यूयॉर्क में 1958 में उनके प्रदर्शन के लिए प्रतिष्ठित संगीत हस्तियों को सम्मानित करने के लिए आयोजित किया गया था।
1959 उद्घाटन ग्रैमी पुरस्कार समारोह आयोजित किया गया था, अमेरिकी संगीत उद्योग में उपलब्धि को पहचानते हुए।
1961 कांग्रेस के नस्लीय समानता के नागरिक अधिकार कार्यकर्ता ने 4 मई, 1961 को अलग-अलग दक्षिणी संयुक्त राज्य में अंतर्राज्यीय बसों की पहली फ्रीडम राइड का आयोजन किया, जिसमें बैठने में अलगाव को लागू करने वाले स्थानीय कानूनों और रीति-रिवाजों को चुनौती दी गई।
1974 एक सभी महिला जापानी टीम मानसालु इंहे हिमालय के शिखर पर पहुंची, जो 8,000 मीटर की चोटी पर चढ़ने वाली पहली महिला बन गई।

तीसरे चरण में मुलायम कुनबे की होगी 'अग्नि' परीक्षा

अजय कुमार

उत्तर प्रदेश में अब 07 मई को होने वाले तीसरे चरण के चुनाव में कई दिग्गज नेताओं के भाग्य का फैसला होना है तीसरे चरण में ब्रज और रुहेलखंड की 10 सीटों पर मतदान होगा, जिसमें संभल, फतेहपुर सीकरी, फिरोजाबाद, बदायूं, बरेली, हाथरस, आगरा, मैनपुरी, एटा एवं आंवला की सीटें शमिल हैं। तीसरे चरण में प्रदेश में विभिन्न राजनीतिक दलों के 100 प्रत्याशी चुनावी मैदान में हैं। इनमें 46 करोड़पति हैं। भाजपा, सपा और बसपा के सभी प्रत्याशी करोड़पति हैं, जबकि 25 प्रतिशत प्रत्याशियों के ऊपर आपराधिक मामले दर्ज हैं। भाजपा के 10 में से चार, समाजवादी पार्टी के नौ में पांच, बहुजन समाज पार्टी के नौ में चार, राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी के दो में एक प्रत्याशी पर आपराधिक मामला दर्ज है। फतेहपुर सीकरी से कांग्रेस के उम्मीदवार रामनाथ सिंह सिकरवार के उनके ऊपर सर्वाधिक 17 आपराधिक मामले दर्ज हैं। दूसरे नंबर पर बसपा के टिकट पर फिरोजाबाद से चुनाव लड़ रहे चौधरी बशीर के ऊपर नौ आपराधिक मामले दर्ज हैं। तीसरे नंबर पर संभल से लोग पार्टी की टिकट पर चुनाव लड़ रहे चुनाव पवन पर तीन आपराधिक मामले दर्ज हैं।

तीसरे चरण के चुनावी मैदान में केवल आठ महिला प्रत्याशी उतरी हैं। वहीं 25 से 40 आयु वर्ष वाले 28, 41 से 60 वर्ष के 54 तथा 61 से 80 वर्ष के 18 प्रत्याशी चुनाव लड़ रहे हैं। इस चरण में मुलायम और कल्याण के गढ़ में मुख्य मुकाबला होगा। डिंपल यादव, अक्षय यादव और आदित्य यादव की सियासी किस्मत इसी चरण में तय होगी। डिंपल जीत जारी रखने और अक्षय यादव और आदित्य यादव सपा की खोई सीट वापस पाने की लड़ाई लड़ेंगे। वहीं, पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह के बेटे राजवीर सिंह के सामने भी हैट्रिक लगाने की चुनौती होगी। वह, एटा से उम्मीदवार हैं। इस चरण की 10 में 8 सीटों पर इस समय भाजपा काबिज है। संभल और मैनपुरी सपा के खाते में हैं, बाकी 8 सीटों पर 2019 में भाजपा जीती थी। मुस्लिम बहुल संभल सीट से सांसद शफीकुर्रहमान बर्क का निधन होने के चलते सपा ने उनके पोते और कुंदरकी से विधायक जियाउर्रहमान बर्क को उम्मीदवार बनाया है। 2014 में यह सीट भाजपा जीती थी, लेकिन पिछले चुनाव में सपा-बसपा गठबंधन ने उसकी राह रोक दी थी। संभल में 2019 में हार का सामना करने वाले परश्मेवर लाल सैनी इस बार भी भाजपा के उम्मीदवार हैं, जबकि बसपा ने शौलत अली को टिकट दिया है। हाथरस, फतेहपुर सीकरी और बरेली में भाजपा हैट्रिक और आगरा एवं आंवला में लगातार चौथी जीत दर्ज करने की उम्मीद लिए मैदान में है। वहीं, सपा एवं कांग्रेस इस बार साथ हैं, जबकि बसपा अलग चुनाव लड़ रही है। इसलिए, अधिकतर सीटों पर मुकाबला त्रिकोणीय होने की ही उम्मीद है। तीसरे चरण की कुल 10 सीटों पर 100 प्रत्याशी मैदान में हैं, जिसमें हाथरस से 10, आगरा से 11, फतेहपुर से 10, फिरोजाबाद में 7, मैनपुरी में 8, एटा में 10 प्रत्याशी मैदान में हैं। बदायूं में 11, आंवला में 9 और बरेली में 13 प्रत्याशी मैदान में हैं।

सिलसिलेवार इन सीटों की समीक्षा की जाये तो आगरा लोकसभा सीट पर किसके सिर ताज सजेगा, यह बड़ा दिलचस्प होगा। अगर विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रत्याशियों पर नजर डालें तो केंद्रीय राज्य मंत्री और मौजूदा सांसद एसपी सिंह बघेल अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित इस सीट पर बतौर भाजपा प्रत्याशी हैं। बसपा ने कांग्रेस की राज्यसभा सदस्य रहीं सत्या बहन की पुत्री पूजा अमरोही को टिकट थमाया है। सपा ने पुराने बसपाई रहे जूता कारोबारी सुरेश चंद कर्दम पर भरोसा जताया है। बघेल पर अपना दबदबा बराकरार रखने तो सुरेश चंद कर्दम पर सपा के लिए पिछले तीन लोकसभा चुनावों में इस सीट पर पड़ा सूखा खत्म करने की चुनौती है। पूजा अमरोही के समक्ष पर बसपा का खाता खोलने की चुनौती होगी। मोहब्बत की नगरी आगरा चुनाव में किस पर प्रेम वर्षा करेगी, इस पर निगाहें लगी हैं। बरेली लोकसभा सीट पर भाजपा ने आठ बार के सांसद संतोष गंगवार का टिकट काटकर भाजपा ने पूर्व राज्य मंत्री छत्रपाल गंगवार को उम्मीदवार बनाया । इसे लेकर पार्टी कार्यकर्ताओं में नाराजगी जरूर थी, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रुहेलखंड में हुई अपनी जनसभाओं के मंच पर संतोष गंगवार को स्थान देकर इस नाराजगी को दूर कर दिया है। 2009 में भाजपा के

इस मजबूत किले को मामूली जीत के अंतर से ढहाने में कामयाब हुए पूर्व सांसद प्रवीण सिंह ऐरन को सपा ने फिर इसी उम्मीद से मैदान में उतारा है। यहां भाजपा-सपा की सीधी लड़ाई है।

संभल लोकसभा सीट के सपा सांसद शफीकुर्रहमान बर्क के निधन के बाद इस सीट पर उनकी राजनीतिक विरासत संभालने के लिए कुंदरकी के सपा विधायक जियाउर्रहमान यहां समाजवादी उम्मीदवार हैं। पहले सपा ने शफीकुर्रहमान बर्क को टिकट थमाया था, लेकिन उनका निधन होने पर उनके पोते को मैदान में उतारा है। मुस्लिम बहुल इस सीट पर जियाउर्रहमान के कंधों पर अपने परिवार का वर्चस्व बरकरार रखने का दारोमदार होगा। बतौर भाजपा प्रत्याशी पूर्व एमएलसी परमेश्वर लाल सैनी के सामने इस सीट पर भाजपा को 2014 में मिली एकमात्र सफलता को दोहराने के साथ पिछले चुनाव में खुद को मिली हार का हिसाब चुकता करने की चुनौती है। बसपा के लिए पिछले दो चुनावों में यह सीट बंजर साबित हुई है। ऐसे में बसपा प्रत्याशी सौलत अली के लिए हाथी कितना प्रभावी होगा, यह देखना होगा।

मैनपुरी लोकसभा सीट सपा ने प्रतिद्वंद्वियों को पछाड़ने के लिए पार्टी की मौजूदा सांसद डिंपल यादव को चुनाव मैदान में उतारा हैं। मुलायम सिंह के निधन से रिक्त हुई मैनपुरी सीट पर दिसंबर 2022 में हुए उपचुनाव में साइकिल की रफ्तार से प्रतिद्वंद्वियों को हतप्रभ कर उन्होंने यादव परिवार की राजनीतिक विरासत को संभाला था। अब उन पर इस विरासत को सहेजने और संजोये रखने की जिम्मेदारी है। सपा इस सीट पर 1996 से काबिज है। वहीं अब तक अजेय साबित हुई मैनपुरी सीट पर भगवा परचम लहराने के लिए भाजपा ने स्थानीय विधायक और योगी सरकार में पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री ठाकुर जयवीर सिंह को मैदान में उतारा है। यादव और शाक्य बिरादरियों की बड़ी आबादी वाली इस सीट पर बसपा ने पूर्व विधायक शिव प्रसाद यादव को मैदान में उतारा है।

बदायूं लोकसभा सीट पर भी यादव परिवार की साख का परीक्षा होगी। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पहले यहां चचेरे भाई धर्मेंद्र यादव को टिकट दिया था। धर्मेन्द्र 2009 व 2014 में बदायूं से बतौर सपा प्रत्याशी सांसद चुने गए थे, लेकिन 2019 में चुनाव हार गए थे। अखिलेश ने इस बार फिर उन्हें यहां से टिकट थमाया, लेकिन बाद में उन्हें आजमगढ़ से प्रत्याशी बनाकर चाचा शिवपाल सिंह यादव को बदायूं के चुनाव मैदान में उतार दिया। बाद में स्थानीय इकाई की मांग पर अखिलेश ने चाचा शिवपाल की जगह उनके पुत्र आदित्य यादव को प्रत्याशी घोषित कर दिया। भाजपा ने यहां वर्तमान सांसद संघमित्रा मौर्य का टिकट काटकर ब्रज क्षेत्र के अध्यक्ष दुर्विजय सिंह शाक्य को उम्मीदवार बनाया है तो बसपा ने मुस्लिम खां पर भरोसा जताया है। भाजपा यहां अपना कब्जा बरकरार रखने के लिए जोर लगाएगी।

आंवला लोकसभा सीट पर भाजपा सांसद और प्रत्याशी धर्मेन्द्र कश्यप जीत की तिकड़ी लगाने के इरादे से फिर मैदान में हैं। उनकी राह रोकने के लिए समाजवादी पार्टी ने नीरज मौर्य को मैदान में उतारा है जो शाहजहांपुर के जलालाबाद विधानसभा क्षेत्र से 2007 व 2012 में बसपा के टिकट पर विधायक चुने गए थे। बसपा ने इस सीट पर सपा छोड़कर आए आंवला नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष सैयद आबिद अली को प्रत्याशी बनाया है। यहां पर भी सभी दल जातियों के जरिये अपने समीकरण बैठाने में लगे हैं। वैसे आंवला सीट पर ऊंट किस करवट बैठेगा, यह तो चार जून को चुनाव परिणाम आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।

हाथरस लोकसभा सीट बाहरी प्रत्याशियों को सुहाती रही है। भाजपा ने यहां अपने सांसद राजवीर सिंह दिलेर का टिकट काटकर अलीगढ़ की खैर सीट के विधायक और योगी सरकार में राजस्व राज्य मंत्री अनूप वाल्मीकि को प्रत्याशी बनाया है। उन पर अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित इस सीट पर भाजपा का कब्जा बरकरार रखने की जिम्मेदारी होगी। वहीं बसपा ने साफ्टवेयर इंजीनियर हेमबाबू धनगर और सपा ने जसवीर वाल्मीकि को प्रत्याशी घोषित किया है। सपा और बसपा प्रत्याशी सहारनपुर के निवासी हैं। भाजपा को अपनी केंद्रीय योजनाओं और मोदी-योगी पर भरोसा है तो विपक्ष को अपने समीकरणों का। देखना होगा कि इस सीट पर फिर कमल खिलता है या सपा-बसपा अपना खाता खोल पाने में कामयाब होती हैं। एटा लोकसभा सीट पर पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह के पुत्र और वर्तमान भाजपा सांसद राजवीर सिंह यहां बीजेपी की तरफ से हैट्रिक लगाने के इरादे से फिर चुनाव मैदान में हैं। राजवीर लोध बिरादरी से हैं तो सपा ने शाक्य बिरादरी के देवेश शाक्य पर भरोसा जताया है। देवेश शाक्य औरैया से दो बार जिला पंचायत सदस्य रह चुके हैं। बसपा ने कांग्रेस छोड़कर आए पेशे से वकील मोहम्मद इरफान को उम्मीदवार बनाकर चुनाव का तीसरा कोण उभारने की कोशिश की है। बसपा अभी तक एटा सीट नहीं जीत सकी है। यह क्षेत्र पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह के प्रभाव वाला माना जाता है जिसे बरकरार रखने में राजवीर सिंह भी सफल रहे हैं। लोध मतदाता इसकी धुरी हैं। दूसरी ओर समाजवादी पार्टी शाक्य बिरादरी को साथ लेते हुए मुस्लिमों के साथ अपना समीकरण इस चुनाव में देख रही है। फतेहपुर सीकरी लोकसभा सीट पर फिलहाल दिलचस्प मुकाबले के आसार हैं। पिछले लोकसभा चुनाव में 4.95 लाख वोटों से जीतने वाले जाट बिरादरी के भाजपा सांसद राजकुमार चाहर इस बार फिर यहां कमल खिलाने के इरादे से मैदान में हैं। बसपा ने चुनावी गणित को ध्यान में रखते हुए ब्राह्मण प्रत्याशी राम निवास शर्मा पर भरोसा जताया है तो कांग्रेस ने ठाकुर बिरादरी के रामनाथ सिकरवार को उतारा है। फतेहपुर सीकरी के भाजपा विधायक चौधरी बाबूलाल के पुत्र रामेश्वर चौधरी ने निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर पर्चा भरकर यहां होने वाली लड़ाई को रोमांचक बना दिया है। रामेश्वर चौधरी भी जाट बिरादरी से ताल्लुक रखते हैं।

गाजा को लेकर अमेरिका में विरोध प्रदर्शन

शोभना जैन

एक तरफ जहां गाजा त्रासदी को लेकर अमेरिका, सऊदी अरब सहित पश्चिमी देशों व पश्चिमी एशियाई देशों के बीच राजनयिक वार्ताओं का दौर तेज हो गया है, वहीं इजराइल-हमास के बीच हो रहे इस युद्ध को लेकर अमेरिकियों का बाइडेन सरकार की नीतियों के खिलाफ शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन विश्वविद्यालयों तक पहुंच गया है। ऐसे में एक तरफ जहां सवाल उठाए जा रहे हैं कि गाजा का मुद्दा बेहद गंभीर है लेकिन विश्वविद्यालयों के अंदर इस तरह के आक्रामक विरोध प्रदर्शनों के रूप में इसे उठाना सही नहीं है, वहीं दूसरी तरफ तर्क यह भी है कि विरोध के

तरीके को पूरी तरह से भले ही सही न माना जाए लेकिन विरोध का मुद्दा तो सही है। अमेरिका के कोलंबिया विश्वविद्यालय में कुछ दिन पहले छात्रों के एक ग्रुप ने गाजा में इजराइली सैन्य कार्रवाई के विरोध में शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया। धीरे-धीरे यह विरोध प्रदर्शन अमेरिका के अन्य विश्वविद्यालयों में भी फैल रहा है। गाजा को लेकर अमेरिका के अंदर ही बाइडेन सरकार की नीति को लेकर कड़ा विरोध व्यक्त किया जा रहा है, ऐसे में विश्वविद्यालयों के अंदर इन शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शनों के औचित्य को लेकर सवाल उठ खड़े हुए हैं। छात्रों ने यूनिवर्सिटी से अपील की है वह उन कंपनियों के साथ काम करना बंद करे जो गाजा में युद्ध का समर्थन कर रही हैं। दरअसल गाजा मुद्दे पर पहले से ही आंदोलित छात्रों की यह लामबंदी तब शुरू हुई जब कोलंबिया यूनिवर्सिटी की अध्यक्ष मिनोचे शफीक को कैंपस में यहूदी विरोधी भावना को लेकर अमेरिकी कांग्रेस की तीखी आलोचना का सामना करना पड़ा। उन्होंने सफाई दी कि वे उससे कैसे निपट रही हैं। लेकिन उनके इस बयान के फौरन बाद विश्वविद्यालय में न्यूयॉर्क पुलिस ने घुसकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे लगभग 100 छात्रों को हिरासत में ले लिया, जिससे अमेरिका के कई कॉलेजों और यूनिवर्सिटीज में विरोध की आग भड़क उठी। कुछ लोगों का कहना है कि ये विरोध प्रदर्शन 1960 के दशक की याद दिलाते हैं जब अमेरिका के लोग वियतनाम युद्ध के विरोध में अपने ही देश के खिलाफ सड़कों पर आ गए थे। युद्ध को लेकर लोग सरकार की नीतियों से खफा हैं। हाल के एक सर्वेक्षण के अनुसार 71 प्रतिशत अमेरिकियों ने गाजा मुद्दे से सही तरह से निपट नहीं पाने के लिए बाइडेन प्रशासन की आलोचना की है। अमेरिकी विश्वविद्यालय के विरोध प्रदर्शन को रोकने के सरकार के तौर-तरीकों पर भारत के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि लोकतांत्रिक देशों को खास तौर पर दूसरे देशों की लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं को समझने के लिए अच्छी समझ-बूझ दिखानी चाहिए क्योंकि अंततः जो हम अपने देश में करते हैं हमारा मूल्यांकन उसी से होता है, न कि इससे कि विदेशों में हम क्या कहते हैं।

आम जनता के मुद्दे गायब, प्रचार में हावी हुआ धर्म और आरक्षण

अंकित सिंह

2024 लोकसभा चुनाव को लेकर दो चरण के मतदान हो चुके हैं। अभी भी पांच चरणों की वोटिंग बाकी है। इसके लिए चुनाव प्रचार जबरदस्त तरीके से चल रहा है। इन सब के बीच कांग्रेस और भाजपा में वार-पलटवार का दौर भी जबरदस्त तरीके से जारी है। हालांकि, आम लोगों को इस बात की उम्मीद होती है कि चुनाव के दौरान नेता मुद्दे की बात करेंगे, काम की बात करेंगे, भविष्य की रणनीति की बात करेंगे। लेकिन ऐसा लग रहा है कि अब चुनावी प्रचार में धर्म और जाति का मुद्दा हावी हो चुका है। जहां भाजपा खुले तौर पर कांग्रेस पर मुस्लिम तुष्टिकरण का आरोप लगा रही है और दावा कर रही है कि कांग्रेस ओबीसी का रिजर्वेशन कम करके मुसलमानों को दे सकती है। तो वहीं कांग्रेस की ओर से दावा किया जा रहा है कि भाजपा आरक्षण और संविधान को खत्म करने की कोशिश में है। इसको लेकर दोनों ओर से अलग-अलग दावे किए जा रहे हैं।

नरेन्द्र मोदी ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे पर उनकी भगवान राम और भगवान शिव पर की गई टिप्पणी को लेकर हमला बोला और आरोप लगाया कि विपक्षी पार्टी अपनी तुष्टिकरण की राजनीति के कारण हिंदुओं के बीच विभाजन पैदा करने की कोशिश कर रही है। अल्पसंख्यक तुष्टिकरण को लेकर कांग्रेस पर हमला करते हुए, पीएम मोदी ने पार्टी के सामने तीन चुनौतियां दी। मैं कांग्रेस और उनके चाटे-बट्टे को तीन चुनौतियां देता हूं। देश को लिखित गारंटी दें कि वे संविधान बदलकर मुसलमानों को आरक्षण नहीं देंगे और देश का बंटवारा नहीं करेंगे। आप स्ष्ट/स्ज्ञ का आरक्षण का अधिकार नहीं छीनेंगे, ये लिखित में दीजिए। कांग्रेस को लिखित में गारंटी देनी चाहिए कि जिन राज्यों में कांग्रेस की सरकार है, वहां वे ओबीसी कोटा में कटौती नहीं करेंगे और मुसलमानों को

नहीं देंगे। मैं युवराज को चुनौती देता हूं- हिम्मत है तो आगे आएं, संविधान को सिर पर रखकर नाचने से काम नहीं चलेगा। मोदी ने साफ तौर पर कहा कि जब तक मैं जिंदा हूं मुसलमानों को धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं देने दूंगा। अमित शाह ने कांग्रेस पर मुस्लिम लीग के एजेंडे पर चलने का आरोप लगाया और कहा कि पार्टी कह रही है कि वह अल्पसंख्यकों के लिए एक अलग कानून बनाएगी।

कांग्रेस ने आरोप लगा रही है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा इस लोकसभा चुनाव में हार के डर से परेशान हैं और ऐसे में वह लगातार ध्रुवीकरण का सहारा ले रहे हैं। राहुल गांधी कह रहे हैं कि दलितों, हक्क्ष्ट समाज, आदिवासियों और अल्पसंख्यकों समेत 90त्न भारत के साथ भयंकर अन्याय हो रहा है। देशभक्ति इनको न्याय दिलाना है और नरेंद्र मोदी इससे ही घबरा रहे हैं! ये मेरे लिए राजनीतिक मुद्दा नहीं है, ये मेरी लाइफ का मिशन है। वह दावा कर रहे हैं कि अगर भाजपा सत्ता में लौटी तो ''संविधान को फाड़ कर फेंक देगी''। गांधी ने आरोप लगाया, '' भाजपा कह रही हैं कि वे आरक्षण के खिलाफ नहीं हैं। यदि आप आरक्षण के खिलाफ नहीं हैं तो आप सार्वजनिक क्षेत्र, रेलवे का निजीकरण क्यों कर रहे हैं। आप अग्निवीर योजना क्यों लाए? ये सभी काम आरक्षण व्यवस्था के विरुद्ध हैं।' कांग्रेस के चुनावी वादों पर प्रकाश डालते हुए गांधी ने कहा कि 'इंडिया' के सत्ता में आने के बाद 50 प्रतिशत आरक्षण की सीमा हटा दी जाएगी। 'कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मोदी की मुसलमानों पर उनकी टिप्पणी के लिए आलोचना की और पूछा कि केवल अल्पसंख्यक समुदाय को ही क्यों निशाना बनाया जा रहा है।

चुनाव को लेकर एक पुरानी कहावत है कि प्रचार के दौरान विकास के दावे तो सभी राजनीतिक दल करते हैं। लेकिन जीत उसी की होती है जो लोगों की भावनाओं को छू पाता है। यही कारण है कि इस बार के चुनाव में भी अपने-अपने तरह से लोगों के लिए भावनात्मक मुद्दे उठाए जा रहे हैं। इसी कड़ी में मंगलसूत्र का भी मामला आया। इसी कड़ी में विरासत का भी मामला आया। भाजपा लगातार धर्म की राजनीति कर रही है। धर्म के काट के तौर पर कांग्रेस ने जाति का मुद्दा उठा दिया है। कांग्रेस को ऐसा लगता है कि धर्म की राजनीति को जातिवाद से काटा जा सकता है। भाजपा जहां हिंदुओं को लामबंद करने की कोशिश कर रही है। तो वहीं दूसरी ओर जातियों में बंटी हिंदुओं को कांग्रेस आरक्षण के नाम पर अपनी ओर खींचना चाहती है।

बारामती में शरद और अजित पवार की प्रतिष्ठा दाँव पर

नीरज कुमार दुबे

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के संस्थापक शरद पवार ने बारामती में विकास के काम तो बहुत कराये हैं और वह लोकप्रिय नेता और राजनीति के उस्ताद भी रहे हैं लेकिन अब ऐसा लगता है कि उनकी राजनीतिक पारी समाप्ति की ओर है। ऐसा हम हवा में नहीं कह रहे बल्कि प्रभासाक्षी की चुनाव यात्रा के दौरान हमने पुणे, बारामती और शिरूर का दौरा किया और शरद पवार तथा अजित पवार की पार्टियों के चुनाव प्रचार, चुनाव प्रबंधन को तो देखा ही साथ ही यह भी जाना कि किस गुट के साथ कितने नेता और कार्यकर्ता हैं। सभी पैमानों का अध्ययन करने के बाद हम इस निष्कर्ष पर पहुँचे कि अजित दादा पवार ही अब सर्वमान्य नेता हैं और एनसीपी के नेता से लेकर कार्यकर्ता और आम जनता तक इस मत की नजर आ रही है कि अजित दादा पवार ही भविष्य के नेता हैं और यह स्वाभाविक ही है कि जहां भविष्य नजर आता है वहां लोग जुड़ते ही हैं। लेकिन अजित दादा पवार का यह रुतबा और स्वीकार्यता उन्हें विरासत में नहीं मिली है बल्कि यह उन्होंने अपनी खुद की मेहनत से कमाई है। छोटे से छोटे कार्यकर्ता से सीधा संवाद करना, सुबह पांच बजे से देर रात तक कार्यकर्ताओं के लिए उपलब्ध रहना, मुंबई में व्यस्तता होने के बावजूद क्षेत्र का दौरा करते रहना और जो वादा किया है उसको जरूर निभाना, उनकी बड़ी खासियत हैं। विपक्ष उन पर भ्रष्टाचार के तमाम आरोप लगाये लेकिन स्थानीय जनता इससे इत्तेफाक नहीं रखती और वह अजित दादा पवार के समर्थन में खड़ी नजर आती है।

जहां तक बारामती संसदीय क्षेत्र की बात है तो आपको बता दें कि यहां लोकसभा चुनावों के तीसरे चरण के तहत 7 मई को मतदान कराया जायेगा। यह क्षेत्र अपने चीनी कारखानों के लिए जाना जाता है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) का यह पारंपरिक गढ़ रहा है। राष्ट्रवादी कांग्रेस

पार्टी (शरदचंद्र पवार) की सुप्रिया सुले ने लगातार तीन लोकसभा चुनावों में इस निर्वाचन क्षेत्र से जीत हासिल की है। बारामती लोकसभा क्षेत्र में 6 विधानसभा सीटें शामिल हैं- इंदापुर, बारामती, पुरंदर, भोर, खड़कवासला और दौंड। पुणे से सटा यह निर्वाचन क्षेत्र 1999 में पार्टी के गठन के बाद से एनसीपी का गढ़ रहा है। 1999 में शरद पवार ने यहां पहली बार एनसीपी के टिकट पर जीत हासिल की थी। पांच साल बाद, शरद पवार ने 2004 में लोकसभा क्षेत्र से अपनी जीत दोहराई। इसके बाद 2009 में उनकी बेटी सुप्रिया सुले पहली बार इस सीट से जीती थीं। 2009 में सुप्रिया सुले 4.87 लाख से ज्यादा वोटों और 66.46 फीसदी वोट शेयर से विजयी रही थीं लेकिन 2014 के आम चुनावों में सुप्रिया सुले ने फिर से बारामती से जीत तो हासिल की लेकिन उनका वोट शेयर बहुत कम हो गया था। 2014 में सुप्रिया सुले को 5.21 लाख से ज्यादा वोट मिले थे लेकिन वोट शेयर करीब 49 फीसदी रहा था। हालाँकि, 2019 के लोकसभा चुनावों में स्थिति में सुधार हुआ जब सुप्रिया सुले ने बारामती से 6.86 लाख से अधिक वोटों और 52.63 प्रतिशत वोट शेयर के साथ जीत हासिल की थी। 2024 के आम चुनावों में बारामती से सुप्रिया सुले की जीत का सिलसिला थम सकता है क्योंकि शरद पवार के भतीजे अजित पवार के विद्रोह के बाद स्थितियां एकदम बदल गयी हैं। इस बार सुले को अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार से कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। यानि ननद और भाभी आमने-सामने हैं। एनसीपी का विभाजन होने के परिणामस्वरूप, सुप्रिया सुले अब एक नए चुनाव चिह्न तुतारी या ब्लो हॉर्न के साथ चुनाव लड़ रही हैं, जबकि उनकी भाभी सुनेत्रा पवार एनसीपी के मूल चुनाव चिह्न घड़ी पर लड़ रही हैं। एक अनजाने चुनाव चिह्न के कारण सुले ने भावनात्मक रास्ता अख्तियार किया है। उन्होंने अब चुनावी लड़ाई को अपने पिता शरद पवार और अजित पवार के बीच की लड़ाई का रूप दे दिया है। उनका दावा है कि अजित पवार ने कथित तौर पर जांच एजेंसियों के दबाव में पार्टी पर कब्जा कर लिया है, जबकि उनके पिता शरद पवार ने पांच दशकों में अथक परिश्रम करके बारामती का निर्माण किया था। दूसरी ओर, सुनेत्रा पवार अपने अभियान में बारामती से संबंधित स्थानीय मुद्दों पर पूरी तरह ध्यान केंद्रित कर रही हैं। पवार परिवार से राजनीति में आई नई नेत्री का वैसे राजनीति से पुराना वास्ता रहा है। वह खुद भी राजनीतिक परिवार से ही ताल्लुक रखती हैं। इस चुनाव में वह पानी की कमी के साथ-साथ मराठा और धनगर आरक्षण जैसे मुद्दों को उठा रही हैं। सुनेत्रा पवार के भाषणों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अजित पवार के कामकाज का भी जिक्र होता है। हम आपको बता दें कि सत्तारुढ़ महायुति ने धनगर समुदाय, जिसमें लगभग 40 प्रतिशत मतदाता शामिल हैं, का समर्थन अपने पक्ष में करने के लिए बारामती से सुनेत्रा पवार की उम्मीदवारी की घोषणा की थी। हम आपको यह भी बता दें कि बारामती मुख्य रूप से ग्रामीण निर्वाचन क्षेत्र है क्योंकि 78 प्रतिशत मतदाता ग्रामीण क्षेत्रों से आते हैं जबकि 22 प्रतिशत शहरी क्षेत्रों से आते हैं। बारामती एक हिंदू बहुल निर्वाचन क्षेत्र है, जहां 80 प्रतिशत से ज्यादा लोग हिंदू हैं। यहां 5 प्रतिशत मुस्लिम अल्पसंख्यक भी हैं और शेष अन्य धर्मों का प्रतिनिधित्व करते हैं। अनुसूचित जाति की आबादी यहां 12.3 प्रतिशत है जबकि अनुसूचित जनजाति की आबादी 2 प्रतिशत है।

चुनाव प्रचार में डीपफेक के इस्तेमाल पर कैसे लगे लगाम?

विवेक शुक्ला

लोकसभा चुनाव के प्रचार के दौरान आरोप-प्रत्यारोप तो पहले भी होते रहे हैं, लेकिन अब इसमें अपने विरोधियों के खिलाफ 'डीपफेक' प्रौद्योगिकी का भी इस्तेमाल किया जाने लगा है, जो चिंताजनक है। ताजा मामले में देश के गृह मंत्री अमित शाह ही डीपफेक का शिकार हो गए हैं। अमित शाह ने पिछले माह 25 अप्रैल को तेलंगाना के मेडक जिले के सिद्दीपेट में भाजपा की चुनावी रैली में भाषण दिया था। इस भाषण के वीडियो को कथित तौर पर छेड़छाड़ कर सोशल मीडिया पर शेयर किया गया। इस फर्जी वीडियो में गृह मंत्री अमित शाह अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के आरक्षण को खत्म करने की घोषणा करते हुए नजर

आ रहे हैं। दरअसल अमित शाह के एक पुराने वीडियो को एडिट किया गया है, जिसमें वे मुस्लिम आरक्षण खत्म करने की बात कह रहे थे। इस वीडियो में मुस्लिम की जगह एससी और एसटी को जोड़ दिया गया। डीपफेक तकनीक के माध्यम से छेड़छाड़ कर बनाए गए वीडियो में असली और नकली का अंतर बता पाना मुश्किल होता है। गृह मंत्रालय की शिकायत के आधार पर दिल्ली पुलिस उन शरारती तत्वों पर एक्शन ले रही है जो इस मामले में लिप्त हैं। अहमदाबाद पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। इससे पहले असम पुलिस ने भी इसको लेकर एक शख्स को गिरफ्तार किया था। दरअसल अमित शाह के खिलाफ डीपफेक केस की शिकायत भाजपा की मुंबई इकाई के पदाधिकारी प्रतीक करपे ने बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) साइबर थाने में दर्ज कराई है। अगर डीफफेक जैसी तकनीक से अपने विरोधियों को बदनाम करने वालों पर कठोर एक्शन नहीं लिया गया तो फिर हालात काबू से बाहर होने लगेंगे। पिछले कुछ दशकों में दुनिया में तकनीकी विकास तेजी से हुआ है। डिजिटल प्लेटफॉर्म के बढ़ते उपयोग ने जीवन को सरल और तेज बना दिया है, लेकिन यह लाभ के साथ साइबर सुरक्षा से जुड़े कुछ गंभीर जोखिम भी सामने ला रहा है। साइबर स्पेस की सीमाहीन प्रकृति के साथ इससे जुड़े खतरे और साइबर अपराधियों के छलपूर्ण तरीके एवं उपकरण के कारण साइबर हमलों की प्रवृत्ति लगातार बदल रही है। इसके अलावा, आतंकवाद और कट्टरता को भी साइबर स्पेस में पनाह मिल रही है। जैसा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, साइबर सुरक्षा अब डिजिटल दुनिया तक सीमित नहीं है। यह राष्ट्रीय सुरक्षा का मामला बन गया है। साइबर स्पेस युद्ध का नया क्षेत्र बन गया है। फिलहाल सरकार को डीपफेक प्रौद्योगिकी के माध्यम से देश और समाज को नुकसान पहुंचाने वाले तत्वों पर कठोर एक्शन लेना होगा।

परफेक्ट मेकअप लुक के लिए जरूरी है प्राइमर का इस्तेमाल

प्राइमर फेस पर एक एक्स्ट्रा लेयर क्रीएट करने में सहायता करता है। प्राइमर आपकी त्वचा को स्मूथ करता है, जिससे कि आपका मेकअप एकदम स्मूथ बना रहे। यह लार्ज पोर्स को कवर करने के साथ फाइन लाइन्स को भरने में मदद करता है।

कुछ लड़कियां मेकअप के दौरान पहले प्राइमर वाला स्टेप भूल जाती है। लेकिन यह स्टेप आपके लिए बेहद जरूरी है। यदि आप चाहती हैं कि आपका मेकअप थोड़ा सा भी ना फैले, तो प्राइमर वाला स्टेप नहीं भूलना चाहिए। इसलिए प्राइमर अप्लाई करना नहीं भूलना चाहिए। महिलाओं को यह पता होता है कि प्राइमर क्या होता है, लेकिन इसको कैसे अप्लाई करना चाहिए, यह कई लड़कियों को नहीं पता होता है। प्राइमर को भी अपनी स्किन टोन के हिसाब से चूज किया जाता है।

बता दें कि प्राइमर फेस पर एक एक्स्ट्रा लेयर क्रीएट करने में सहायता करता है। प्राइमर आपकी त्वचा को स्मूथ करता है, जिससे कि आपका मेकअप एकदम स्मूथ बना रहे। यह लार्ज पोर्स को कवर करने के साथ फाइन लाइन्स को भरने में मदद करता है। तो आज हम इस आर्टिकल के जरिए आपको बताने जा रहे हैं कि प्राइमर का इस्तेमाल क्यों और किस तरह से करना चाहिए।

स्किन टाइप के हिसाब से चुनें प्राइमर

जिस तरह से आप अन्य बॉडी प्रोडक्स लेने के दौरान स्किन टाइप का ध्यान रखती हैं, तो प्राइमर को भी स्किन टाइप के हिसाब से चुनना चाहिए।

यदि आपकी स्किन रूखी या परतदार है, तो हाइड्रेटिंग प्राइमर चुनना चाहिए। यदि प्राइमर में हाइड्रेटिंग और रिप्लेनिश जैसे शब्द हैं, तो यह आपकी स्किन के लिए सही है।

ऑयली स्किन के लिए मैटिफाइंग प्राइमर का उपयोग करें।

एक्ने-प्रोन या बहुत सेंसिटिव स्किन है, वॉटर बेस्ड प्राइमरों का इस्तेमाल करना चाहिए। क्योंकि सिलिकॉन बेस्ड प्राइमर आपके पोर्स को क्लॉग कर सकती है।

हमेशा नरिशिंग इंग्रीडिएंट्स वाले प्राइमर को चुनना चाहिए। ऐसे प्राइमर को चुनें जो एजिंग स्किन के लिए एंटीऑक्सीडेंट्स रिच हो।

ऐसे अप्लाई करें प्राइमर

प्राइमर अप्लाई करने से पहले फेस को अच्छे से साफ कर लें। इसके बाद मॉइश्चराइज करें। फिर आगे की स्टेप की ओर बढ़ना चाहिए।

स्किन को करें प्रेप

अपने फेस को अच्छे से क्लींजर से साफ करें फिर अपनी स्किन टोन के हिसाब से मॉइश्चराइजर का इस्तेमाल करें। इससे आपकी स्किन तैयार हो जाती है।

फिर लगाएं प्राइमर

सबसे पहले थोड़े से प्राइमर को अपनी उंगलियों की टिप पर लें। इसके प्राइमर को अपने पूरे फेस पर डैब कर लें। प्राइमर लगाने के बाद कुछ सेकेंड के लिए रुकें। इसके बाद फिर फाउंडेशन अप्लाई करना चाहिए।

मेकअप ब्रश या ब्लेंडर का न करें इस्तेमाल

फेस पर प्राइमर लगाने के दौरान ध्यान रखें कि इसको अपनी उंगलियों के टिप के इस्तेमाल से लगाना चाहिए। ब्लेंडर और ब्रश के इस्तेमाल से प्राइमर का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। उंगलियों से फेस पर सही से प्राइमर लगेगा और आपका फेस चमक उठेगा। इसके इस्तेमाल से आप फ्लॉलेस मेकअप कर सकती हैं।

प्राइमर लगाने के टिप्स

हमेशा थोड़ा सा प्राइमर फेस पर अप्लाई करना चाहिए। इसकी 1 ड्रॉप ही आपके फेस पर अच्छे से काम करती है।

प्राइमर लगाने से पहले चेहरे पर मॉइश्चराइजर जरूर लगाना चाहिए।

यदि आपकी स्किन डल है, तो टिंटेड प्राइमर उपयोग में लगाना चाहिए। इससे आपके फेस की चमक वापस आ जाएगी।

आप जो भी प्राइमर इस्तेमाल कर रहे हैं, वह फाउंडेशन से कंपैटिबल हो। वॉटर बेस्ड प्राइमर के साथ वॉटर बेस्ड फाउंडेशन यूज करना चाहिए। इससे फाउंडेशन का बेस सेपरेट नहीं होगा।

स्किन को फायदे की जगह नुकसान पहुंचा सकता है विटामिन सी सीरम, जानिए इस्तेमाल का तरीका

वैसे तो स्किन केयर के लिए मार्केट में कई सारे प्रोडक्ट मिलते हैं। स्किन टाइप के हिसाब से हर प्रोडक्ट तैयार किया जाता है। हम आपको बताने जा रहे हैं कि विटामिन सी सीरम किस स्किन प्रॉब्लम पर इस्तेमाल नहीं करना चाहिए।

वैसे तो स्किन केयर के लिए मार्केट में कई सारे प्रोडक्ट मिलते हैं। स्किन टाइप के हिसाब से हर प्रोडक्ट तैयार किया जाता है। जिससे कि जब उस प्रोडक्ट को फेस पर अप्लाई किया जाए तो स्किन को किसी तरह की दिक्कत न हो। वहीं डॉक्टर्स भी स्किन पर विटामिन सी सीरम अप्लाई करने की सलाह देते हैं। क्योंकि इससे स्किन को कई फायदे होते हैं।

लेकिन अगर आपको कोई स्किन प्रॉब्लम है, तो एक्सपर्ट्स की सलाह के बाद विटामिन सी सीरम का इस्तेमाल करना चाहिए। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि विटामिन सी सीरम किस स्किन प्रॉब्लम पर इस्तेमाल नहीं करना चाहिए।

एक्ने की समस्या

अगर आपकी स्किन पर एक्ने हो रहा है, तो ऐसे में विटामिन सी सीरम का इस्तेमाल करने से बचना चाहिए।

क्योंकि इसमें हाइलूरोनिक एसिड ज्यादा होता है। जो एक्ने की समस्या को बढ़ा सकता है। इसलिए फेस पर इसका इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। वरना एक्ने की समस्या बढ़ सकती है।

पिंपल्स की समस्या

अगर आपको पिंपल्स की समस्या है, तो आपको विटामिन सी सीरम का इस्तेमाल करने से बचना चाहिए।

क्योंकि इससे स्किन संबंधित प्रॉब्लम ज्यादा बढ़ सकती है। क्योंकि विटामिन सी सीरम के इस्तेमाल से पोर्स ओपन हो जाते हैं। जिससे कि त्वचा पर होने वाले पिंपल्स पर प्रोडक्ट का रिएक्शन होना शुरू हो जाता है।

ड्राई स्किन

यदि आपकी स्किन ड्राई और फ्लैकी हो गई है, तो बिना एक्सपर्ट्स की सलाह के विटामिन सी सीरम अप्लाई नहीं करना चाहिए। क्योंकि इससे आपकी त्वचा अधिक ड्राई और फ्लैकी नजर आ सकती है।

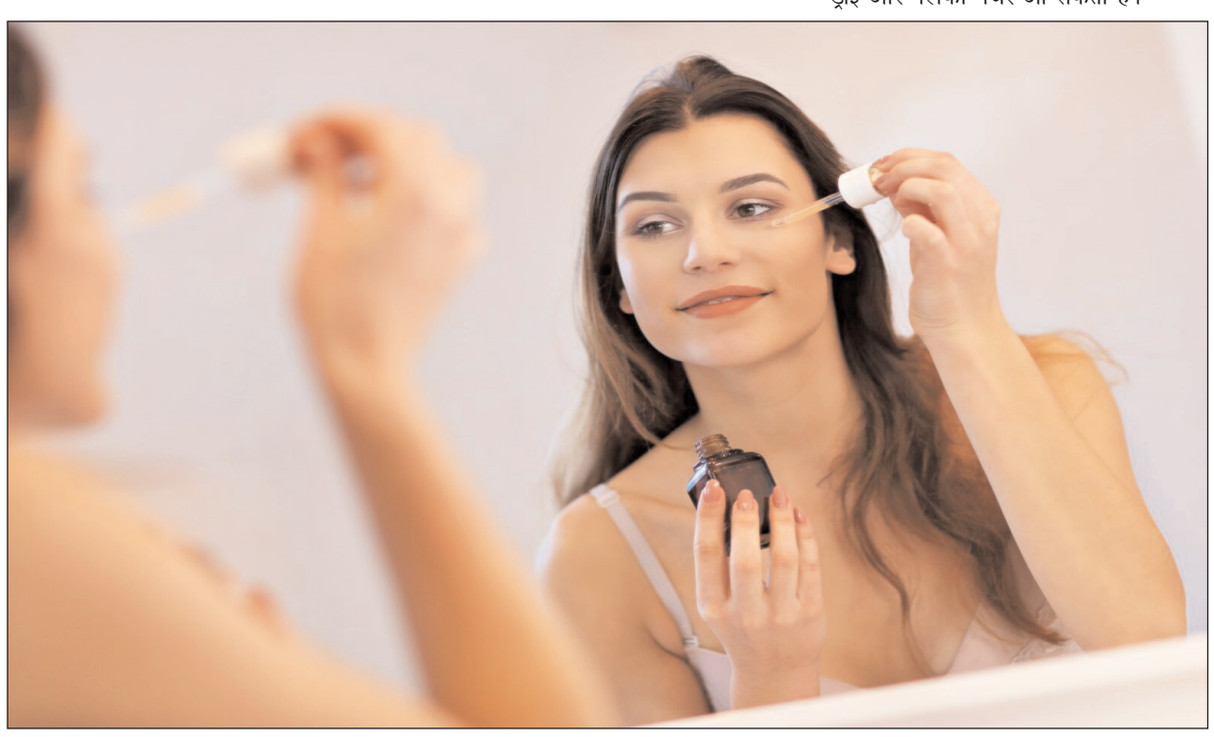

परफेक्ट लिपस्टिक शेड्स के लिए नहीं होना होगा परेशान

खरीदने से पहले जरूर जानें ये बातें

लिपस्टिक एक ऐसा मेकअप प्रोडक्ट है, जो हर महिला व लड़की की पर्स में पाया जाता है। दरअसल, लिपस्टिक भी कई तरह की होती है। इसके बारे में जानना हर लड़की के लिए बेहद जरूरी होता है।

महिलाएं हो या लड़कियां सजना-संवरना लगभग हर किसी को पसंद होता है। खासतौर पर यदि महिलाओं के फेवरेट मेकअप की बात की जाए, तो इसमें लिपस्टिक सबसे पहले नंबर पर आती है। यह एक ऐसा मेकअप प्रोडक्ट है, जो हर महिला व लड़की की पर्स में पाया जाता है। महिलाओं को लिपस्टिक के कलेक्शन का भी काफी शौक होता है। वैसे तो अधिकतर महिलाओं को लिपस्टिक के शेड्स के बारे में जानकारी होती है। लेकिन कुछ महिलाओं को इसके बारे में पता नहीं होता है।

दरअसल, लिपस्टिक भी कई तरह की होती है। इसके बारे में जानना हर लड़की के लिए बेहद जरूरी होता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको लिपस्टिक के प्रकार के बारे में बताने जा रहे हैं। जिससे कि आप जब भी लिपस्टिक खरीदने जाएं, तो आपको इसके बारे में सही जानकारी है और आप खुद के लिए सही लिपस्टिक चुन सकें।

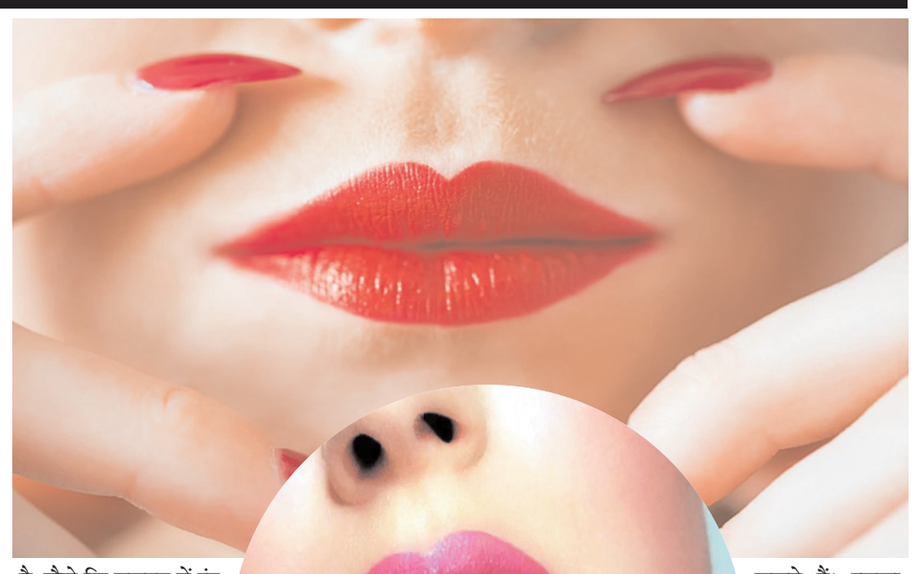

क्रेयॉन लिपस्टिक

क्रेयॉन लिपस्टिक लड़कियों को बहुत ज्यादा पसंद होती है। यह देखने में बिलकुल वैसी ही होती है, जैसे कि बचपन में रंग भरने के लिए हम क्रेयॉन का इस्तेमाल करते हैं। यह लंबे समय तक होंठों को नमी देने का काम करती हैं। साथ ही इससे होंठ भी नहीं सूखते हैं।

पैंसिल लिपस्टिक

पैंसिल लिपस्टिक देखने में बिलकुल पेंसिल की तरह होती है। इसको इस्तेमाल करने से लिए सबसे पहले होंठो पर पेंसिल लिपस्टिक की मदद से लाइन बनाएं। फिर आप इसी का इस्तेमाल लिपस्टिक की तरह भी कर सकती हैं।

मैट लिपस्टिक

बहुत सारी लड़कियों को मैट लिपस्टिक पसंद आती है। क्योंकि यह लंबे समय तक टिकी रहती है। हांलाकि इसको लगाने से पहले लिप्स पर लिप बाम जरूर लगाना चाहिए। क्योंकि ऐसा न करने पर आपके लिप्स सूखने लगेंगे।

क्रीम लिपस्टिक

क्रीम लिपस्टिक मैट लिपस्टिक की तरह होती है। बस फर्क इतना होता है कि आप बिना लिप बाम के भी इसको लगा सकते हैं। इसका क्रीमी टेक्सचर आपको खूबसूरत लुक देता है।

ग्लॉसी लिपस्टिक

वहीं कई लड़कियों को ग्लॉसी लिपस्टिक बेहद पसंद आती है। ऐसे में अगर आपको भी ग्लॉसी लिपस्टिक पसंद है तो आप इसे अपने कलेक्शन में शामिल कर सकती हैं।

लिप टिंट

आजकल लड़कियों को लिप टिंट काफी ज्यादा पसंद आते हैं। क्योंकि इनको कैरी करना आसान होता है और इसे लगाना भी काफी ईजी होती है।

को-ऑर्ड सेट को परफेक्ट लुक देने के लिए कैसे स्टाइल कर सकते हैं

को-ऑर्ड सेट स्टाइलिश और आरामदायक कपड़े हैं और किसी भी मौके के लिए एक बेस्ट ड्रैस है, चाहे वह डिनर डेट हो या दोस्तों के साथ कैजुअल आउटिंग। को-ऑर्ड सेट के साथ एक बड़ी समस्या है, वह यह है कि अगर उन्हें ठीक से स्टाइल न किया जाए तो उन्हें आसानी से लाउंजवियर (एक नाइट सूट) के रूप में गलत समझा जा सकता है।

जब फैशन की बात आती है, तो बॉलीवुड सेलेब्स के पास बहुत कुछ होता है, आरामदायक फ्रिंज ड्रेस से लेकर शानदार बॉडीकॉन सूट और पारंपरिक लहंगे तक, बी-टाउन डीवाज अक्सर स्टाइल स्टेटमेंट बनाती हैं और अपनी फैशन क्षमता साबित करती हैं। अभिनेत्रियों के बीच को-ऑर्ड सेट नया चलन बन गया है। हमने अक्सर मशहूर हस्तियों को उनकी सार्वजनिक उपस्थिति के दौरान बेहद आरामदायक को-ऑर्ड सेट पहने देखा है। ये स्टाइलिश लेकिन आरामदायक कपड़े किसी भी अवसर के लिए एकदम सही पोशाक हैं, चाहे वह डिनर डेट हो या दोस्तों के साथ कैजुअल आउटिंग। लेकिन, को-ऑर्ड सेट के साथ एक बड़ी समस्या है, वह यह है कि अगर उन्हें ठीक से स्टाइल न किया जाए तो उन्हें आसानी से लाउंजवियर (एक नाइट सूट) के रूप में गलत समझा जा सकता है। को-ऑर्ड सेट और नाइटवियर के बीच बस एक पतली रेखा होती है, यदि आप इसे अच्छी तरह से नहीं पहनते हैं, तो आप खुद इसमें मूर्ख दिख सकते हैं। लेकिन, इसका मतलब यह नहीं है कि आपको को-ऑर्ड सेट पहनना बंद कर देना चाहिए? निश्चित रूप से ये को-ऑर्ड सेट इस गर्मी में आपके वॉर्डरोब में होना जरूरी नहीं हैं। बस अपनी स्टाइलिंग में थोड़ा सा प्रयास करें और इसे एक हॉट ठाठ पहनावे में बदल दें। यहां आपको कुछ टिप्स बताएंगे, जिन्हें आपको को-ऑर्ड्स पहनते समय ध्यान में रखना चाहिए।

बस अपने को-ऑर्ड्स को कुछ आभूषणों या कुछ अन्य उपयुक्त एक्सेसरीज़ (जैसे बेल्ट, कुछ हार) के साथ पहनें जो आपके लुक को बढ़ाएंगे और इससे नाइटवियर टैग भी हटा सकते हैं। लेकिन याद रखें कि वियर करने के बाद अति मत करना। आपको उन फुटवियर का चयन सावधानी से करना चाहिए जिन्हें आप पहनने जा रहे हैं। फुटवियर को पोशाक के अनुरूप होना चाहिए। अगर आप लंबी कैजुअल आउटिंग पर जा रहे हैं तो शूज पहनकर जाएं, अन्यथा आप फ्लैट या हील्स भी को- ऑर्ड के साथ अच्छे लगते हैं।

सस्ते फैब्रिक से बनी को-ऑर्ड ड्रेस पहनने से बचें। हाई क्वालिटी फैबिक्र वाला ही को-ऑर्ड सेट ही खरीदें। इससे आपका लुक काफी स्टाइलिश नजर आएगा। अगर आप घटिया क्वालिटी वाला को- ऑर्ड सेट लेंगी तो ऐसा लगेगा कि अभी-अभी अपने बिस्तर से उठे हैं।

को-ऑर्ड सेट बाजार में विभिन्न आकारों में उपलब्ध हैं। बाहर निकलने से पहले आउटफिट्स को आज़माएं और जांच लें कि क्या वे आपके शरीर के प्रकार को निखारते हैं और अतिरिक्त ढीले-ढाले नहीं लगते हैं।

यह समझने योग्य सबसे महत्वपूर्ण चीजों में से एक है। क्या पहनना है और कहां पहनना है। यदि आप अपने कार्यालय जा रहे हैं, तो चमकीले रंगों से बचने का प्रयास करें क्योंकि यह अजीब लग सकता है और नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। इसे सरल रखने का प्रयास करें। लेकिन अगर दोस्तों के साथ कैफे डेट पर जा रहे हैं तो आप ब्राइट मोनोटोन चुन सकते हैं।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

राम मंदिर को लेकर विपक्ष पर बरसे अमित शाह

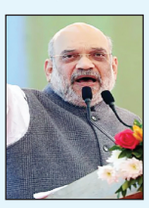

नईदिल्ली। अयोध्या में राम मंदिर के ऐतिहासिक प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल नहीं होने पर विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दावा किया कि उनके फैसले से देश भर में धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। भाजपा ने राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए कई राजनीतिक दलों को निमंत्रण भेजा था, लेकिन विपक्षी भारत समूह से जुड़े कई दलों ने इसमें शामिल होने से इनकार कर दिया था। उत्तर प्रदेश में प्रमुख विपक्षी दल समाजवादी पार्टी ने घोषणा की कि पार्टी सुप्रीमो अखिलेश यादव बाद में अपने परिवार के सदस्यों के साथ राम मंदिर का दौरा करेंगे। अमित शाह ने जोर देकर कहा कि भाजपा ने राम मंदिर का उद्घाटन करके एक ऐतिहासिक मील का पत्थर बनाया है, जो उसके घोषणापत्र में उल्लिखित प्रमुख वादों में से एक था। उन्होंने आरोप लगाया कि अल्पसंख्यक वोट बैंक खिसकने के डर से विपक्ष इस आयोजन से दूर रहा।

किशोरी लाल शर्मा ने अमेठी से अपना नामांकन दाखिल किया

लखनऊ। कांग्रेस नेता किशोरी लाल शर्मा ने आगामी लोकसभा चुनाव 2024 के लिए अमेठी से अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। बीजेपी ने केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी को अमेठी से मैदान में उतारा है। अमेठी लोकसभा क्षेत्र से अपना नामांकन दाखिल करने के बाद कांग्रेस प्रत्याशी केएल शर्मा ने कहा कि यहां से कौन जीतेगा या हारेगा, यह जनता के हाथ में है, हम मेहनत करेंगे... चुनाव तो महज औपचारिकता है, जनता अपना मूड उसी के लिए बनाती है जो उसके लिए काम करता है। लोगों की यह धारणा है कि उन्होंने पहले जिसे चुना वह अच्छा था या बुरा। शर्मा ने कहा कि अमेठी की जनता मेरे दिल में है। मैं यहां 40 साल से हूं। शीर्ष नेतृत्व ने मुझे जो निर्देश दिया है, मैं उसका पालन कर रहा हूं। मैं बस यही चाहता हूं कि लोग मुझे अपनी सेवा में मौका दें। कांग्रेस पार्टी ने किशोरी लाल शर्मा को अमेठी से भाजपा की स्मृति ईरानी के खिलाफ उम्मीदवार के रूप में चुना है।

भाजपा धन बल से लड़ती है हम जनता के बल पर लड़ेंगे

अमेठी। अमेठी लोकसभा सीट पर कांग्रेस प्रत्याशी घोषित होने के बाद कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा शुक्रवार को अमेठी के कांग्रेस कार्यालय पहुंचीं और कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। उन्होंने कांग्रेस प्रत्याशी किशोरी लाल शर्मा के बारे में कहा कि किशोरी लाल अमेठी के गांव-गांव को जानते हैं। सभी को पहचानते हैं और लंबे समय से यहां का कामकाज देख रहे हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि आप सभी उन्हें जीत दिलाएंगे। हम अमेठी में सच्चाई की राजनीति के लिए आए हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओ का हालचाल पूछा और उनसे जीत के लिए काम करने की अपील भी की। प्रियंका ने कहा कि भाजपा के लोग धनबल से चुनाव लड़ते हैं हम जनता के बल पर लड़कर जीत हासिल करेंगे। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि ये आपका चुनाव है आप लड़ेंगे, आप जिताएंगे। बता दें कि लंबे इंतजार के बाद नामांकन के आखिरी दिन तय हुआ कि किशोरी लाल शर्मा अमेठी से चुनाव लड़ेंगे।

सिसोदिया की जमानत याचिका पर ईडी-सीबीआई को नोटिस

नईदिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने 3 मई पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की उस याचिका पर केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से जवाब मांगा, जिसमें भ्रष्टाचार और धन शोधन के मामलों में जमानत की मांग की गई है। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा ने निचली अदालत के 30 अप्रैल के आदेश को चुनौती देने वाली सिसौदिया की याचिकाओं पर सीबीआई और ईडी को नोटिस जारी किया, जिसमें उनकी जमानत याचिकाएं खारिज कर दी गई थीं। उच्च न्यायालय ने मामले को 8 मई (बुधवार) को आगे की सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया। एक अंतरिम आवेदन में, सिसौदिया ने अदालत से अनुरोध किया कि निचली अदालत के उस आदेश को जारी रखा जाए, जिसमें उन्हें अपनी याचिकाओं के लंबित रहने के दौरान हिरासत में अपनी बीमार पत्नी से सप्ताह में एक बार मिलने की अनुमति दी गई थी।

हेमंत सोरेन को झारखंड हाईकोर्ट से बड़ा झटका

रांची। पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को झारखंड हाईकोर्ट से बड़ा झटका लगा है। अदालत ने हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका को खारिज कर दिया। साथ ही अंतरिम जमानत वाली याचिका भी खारिज कर दी। हाईकोर्ट के कार्यकारी न्यायाधीश और न्यायाधीश नवनीत कुमार की खंडपीठ ने सुनवाई पूरी होने के बाद 28 फरवरी को फैसला सुरक्षित रखा लिया था। हेमंत सोरेन को अदालत से थोड़ी राहत भी मिली है। उन्हें छह मई को अपने चाचा के श्राद्ध कार्यक्रम में भाग लेने की अनुमति दे दी गई है। हालांकि, सोरेन को मीडिया से दूर रहने की हिदायत दी गई। हेमंत सोरेन की ओर से दायर याचिका में कहा गया था कि ईडी जिस जमीन की बात कर रहा है, वह जमीन उनके नाम कभी रही ही नहीं। फैसला सुनाने में देरी होने पर हेमंत सोरेन की ओर से सुप्रीम कोर्ट में भी याचिका दायर की गई थी, जिस पर छह मई को सुनवाई होनी है।

राहुल गांधी के अमेठी छोड़कर रायबरेली से नामांकन भरने पर प्रधानमंत्री मोदी का तंज

राहुल डर के कारण रायबरेली भाग गए: मोदी

कोलकाता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के बर्धमान में हुंकार भरी। चुनाव प्रचार के दौरान यहां उन्होंने एक रैली को भी संबोधित किया। इस रैली में पीएम मोदी ने विपक्षी पार्टियों पर निशाना साधते हुए बताया कि वह जनता की सेवा करने के लिए पैदा हुए हैं। उन्होंने आगे कहा कि उनका सपना केवल जनता के सपनों को पूरा करना है। इस रैली में पीएम मोदी ने राहुल गांधी के रायबरेली से लोकसभा चुनाव लड़ने के फैसले पर भी कटाक्ष किया। उन्होंने बताया कि राहुल गांधी डर के कारण रायबरेली भाग गए। पीएम मोदी ने कांग्रेस सांसद से कहा, डरो मत, भागो मत।

रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, मुझे देश ने और आप सबने इतना आशीर्वाद दिया है। शायद कोई इंसान अपने जीवन में ऐसी कल्पना तक नहीं कर सकता है कि ईश्वर रूपी जनता जनार्दन इतने आशीर्वाद बरसाएं और लगातार बरसाएं और वर्षों से ये आशीर्वाद बढ़ता ही जा रहा है। जीवन में इससे बड़ा संतोष क्या होता है। उन्होंने आगे कहा, मैं मौज करने के लिए पैदा नहीं हुआ हूं और न ही मैं खुद के लिए जीना नहीं चाहता हूं। मैं केवल आपकी सेवा का संकल्प लेकर, महान भारत माता के 140 करोड़ देशवासियों की सेवा करने के लिए निकला हूं। मोदी विकसित भारत बनाने के लिए, आत्मनिर्भर भारत बनाने के लिए दिन-रात एक किए हुए है। ये मैं अपने लिए नहीं, बल्कि अपनों के लिए कर रहा हूं। मेरे अपने मतलब - मेरा भारत, मेरा परिवार। आपके सपनों के लिए संकल्प लेकर जी रहा हूं।

विपक्षी पार्टियों टीएमसी, कांग्रेस और लेफ्ट पर निशाना साधते हुए पीएम मोदी ने कहा कि इन पार्टियों के पास विजन नहीं है। उन्होंने लेफ्ट पर पड़ोसी राज्य त्रिपुरा को तबाह करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, लेफ्ट, कांग्रेस और टीएमसी किसी राज्य का क्या हाल कर सकती हैं, ये आप अच्छी तरह जानते हैं। यहां पास में ही त्रिपुरा लेफ्ट वालों ने तबाह कर रखा था। लेकिन पिछले पांच साल में भाजपा ने पूरे त्रिपुरा की जिंदगी बदल दी। लेफ्ट वाले गए तो विकास का सूरज उगने लगा।

टीएमसी को घेरते हुए पीएम मोदी ने बताया, मैंने कल टीवी पर देखा कि यहां बंगाल में टीएमसी के एक विधायक ने सरेआम धमकी दी। वो कह रहे थे कि हिंदुओं को दो

घंटे में भागीरथी में बहा देंगे। ये कौन सी भाषा है? बंगाल में टीएमसी की सरकार ने यहां हिंदुओं को दोयम दर्जे का नागरिक बनाकर रख दिया है। ये कैसे लोग हैं कि जय श्रीराम के उदघोष से भी इन्हें आपत्ति है। इनको राम मंदिर के निर्माण से आपत्ति है, रामनवमी की शोभायात्रा से आपत्ति है।

पीएम मोदी ने संदेशखाली मुद्दे को लेकर भी टीएमसी सरकार को सवालों के घेरे में लिया। उन्होंने कहा, मैं तृणमूल सरकार से पूछना चाहता हूं कि यहां संदेशखाली में हमारी दलित बहनों के साथ इतना बड़ा अपराध हुआ। पूरा देश कार्रवाई की मांग करता रहा, लेकिन टीएमसी गुनहगार को बचाती रही। क्या सिर्फ इसलिए, क्योंकि उस गुनाहगार का नाम शाहजहां शेख था।

राहुल गांधी के अमेठी छोड़कर रायबरेली से नामांकन भरने पर पीएम मोदी ने प्रतिक्रिया दी है। बर्धमान में रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने बताया कि कांग्रेस सांसद डर गए, इसलिए वह रायबरेली से चुनाव लड़ रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, मैंने पहले ही ये भी बता दिया था कि शहजादे वायनाड में हार के डर से अपने लिए दूसरी सीट खोज रहे हैं। अब इन्हें अमेठी से भागकर रायबरेली सीट चुननी पड़ी है। ये लोग घूम-घूम कर सबको कहते हैं - डरो मत! मैं भी इन्हें यही कहूंगा - डरो मत! भागो मत! पीएम मोदी की यह टिप्पणी कांग्रेस द्वारा शुक्रवार को रायबरेली से राहुल गांधी की उम्मीदवारी की घोषणा के बाद आई है। गांधी परिवार के वफादार केएल शर्मा स्मृति ईरानी के खिलाफ अमेठी से चुनाव लड़ रहे हैं। उत्तर प्रदेश का अमेठी लंबे समय से गांधी परिवार का पर्याय रहा है और 25 वर्षों में यह पहली बार होगा कि गांधी परिवार का कोई सदस्य लोकसभा सीट से चुनाव नहीं लड़ेगा। 1967 में एक निर्वाचन क्षेत्र के रूप में निर्माण के बाद से गांधी परिवार का गढ़ माने जाने वाले, अमेठी का प्रतिनिधित्व तब से लगभग 31 वर्षों तक गांधी परिवार के सदस्य द्वारा किया गया है।

पिछले आम चुनाव 2019 में कांग्रेस का किला टूट गया जब भाजपा की स्मृति ईरानी ने राहुल गांधी को 55,000 से अधिक वोटों से हराया। इस बार राहुल गांधी रायबरेली सीट से लोकसभा चुनाव लड़ेंगे, जबकि गांधी परिवार के करीबी किशोरी लाल शर्मा को अमेठी लोकसभा सीट से मैदान में उतारा गया है। प्रियंका गांधी ने अमेठी में जनता को संबोधित करते हुए कहा, कांग्रेस पूरी ताकत से अमेठी में चुनाव लड़ेगी। मैं अमेठी में रहूंगी और प्रचार करूंगी। वहां सच्चाई और सेवा की राजनीति होगी।

बर्धमान में रैली को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने दावा किया कि कांग्रेस इस बार पहले से भी कम सीटों पर सिमटने जा रही है। उन्होंने आगे बताया कि अब देश भी समझ रहा है कि ये लोग चुनाव जीतने के लिए नहीं लड़ रहे हैं, ये सिर्फ देश को बांटने के लिए चुनाव के मैदान का उपयोग कर रहे हैं।

रायबरेली से राहुल गांधी के चुनाव लड़ने का कांग्रेस ने किया बचाव

जयराम रमेश बोले- शतरंज की कुछ चालें अभी बाकी हैं

नईदिल्ली। अमेठी छोड़ राहुल गांधी के रायबरेली से चुनाव लड़ने पर कांग्रेस ने बचाव किया है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि राहुल गांधी के रायबरेली से चुनाव लड़ने की खबर पर कई लोगों की अलग-अलग राय है। उन्होंने कहा कि याद रखें, वह राजनीति और शतरंज के अनुभवी खिलाड़ी हैं। पार्टी नेतृत्व काफी विचार-विमर्श के बाद और एक बड़ी रणनीति के तहत अपने फैसले लेता है। इस एक फैसले ने भाजपा, उसके समर्थकों और उसके चाटुकारों को भ्रमित कर दिया है। बीजेपी के स्वयंभू चाणक्य, जो परंपरागत सीट की बात करते थे, अब समझ नहीं पा रहे हैं कि क्या जवाब दें।

जयराम रमेश ने कहा कि रायबरेली न केवल सोनिया जी की बल्कि स्वयं इंदिरा गांधी की भी सीट रही है। यह कोई विरासत नहीं है; यह एक जिम्मेदारी और कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि जहां तक ??गांधी परिवार की बात है तो सिर्फ अमेठी-रायबरेली ही नहीं, उत्तर से लेकर दक्षिण तक पूरा देश गांधी परिवार का गढ़ है। राहुल गांधी उत्तर प्रदेश से तीन

बार और केरल से एक बार सांसद रह चुके हैं। प्रधानमंत्री विंध्य के नीचे एक भी सीट से चुनाव लड़ने की हिम्मत क्यों नहीं जुटा पा रहे हैं? उन्होंने कहा कि कांग्रेस परिवार लाखों कार्यकर्ताओं की अपेक्षाओं और आकांक्षाओं पर बना है। कल एक प्रतिष्ठित पत्रकार अमेठी में कांग्रेस पार्टी के एक जमीनी कार्यकर्ता से व्यंग्यपूर्वक पूछ रहे थे, टिकट पाने की आपकी बारी कब आएगी? यह रहा!

वरिष्ठ नेता ने कहा कि कांग्रेस का एक आम कार्यकर्ता अमेठी में भाजपा के अहंकार को तोड़ेगा। उन्होंने कहा कि प्रियंका जी ज़ोर-शोर से प्रचार कर रही हैं और अकेले ही नरेंद्र मोदी के झूठ को चुप करा रही हैं। जिस तरह से उन्होंने मार्च 1985 में संपत्ति शुल्क के उन्मूलन पर प्रधानमंत्री द्वारा फैलाई जा रही अफवाहों का जवाब दिया, वह एक चुभने वाली फटकार थी। इसलिए यह जरूरी था कि वह सिर्फ एक निर्वाचन क्षेत्र तक ही सीमित न रहें। वह देशभर में प्रचार कर रही हैं।

उन्होंने कहा कि आज स्मृति ईरानी की एकमात्र पहचान यही है कि वह राहुल गांधी के खिलाफ अमेठी से चुनाव लड़ती हैं। अब उनकी राजनीतिक प्रासंगिकता खत्म हो गई है। रमेश ने कहा कि स्मृति ईरानी को अब निरर्थक बयान देने के बजाय स्थानीय विकास : बंद अस्पतालों, इस्पात संयंत्रों और आईआईआईटी के बारे में जवाब देना होगा। यह एक लंबा चुनाव है। शतरंज की कुछ चालें अभी भी खेली जानी बाकी हैं। आइए थोड़ा इंतजार करें।

अमेठी छोड़ राहुल रायबलेरी से लड़ने पर हमलावर हुई भाजपा

नईदिल्ली। भाजपा ने उत्तर प्रदेश के रायबरेली लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस नेता राहुल गांधी के नामांकन को लेकर उन पर कटाक्ष किया और उनके फैसले के लिए केरल के वायनाड में हार के डर को जिम्मेदार ठहराया। अमेठी सांसद और केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी का कहना है, गांधी परिवार का कोई भी सदस्य अमेठी से चुनाव नहीं लड़ रहा है, यह अपने आप में एक संकेत है कि कांग्रेस ने चुनाव से पहले ही अमेठी से अपनी हार स्वीकार कर ली है। बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि राहुल गांधी देश के किसी भी कोने से चुनाव लड़ें, उन्हें लोगों का विश्वास नहीं मिलने वाला है और वह डरे हुए हैं...उन्हें भरोसा नहीं है कि वह जीतेंगे। उन्हें भरोसा नहीं है कि वे वायनाड से जीतेंगे और वे अमेठी और रायबरेली की ओर भाग रहे हैं। अनुराग ठाकुर ने कहा कि कभी राहुल गांधी कहते थे डरो मत, डरो मत, अब डर के कारण अमेठी से लेकर वायनाड और वायनाड से लेकर रायबरेली तक उनका डर हार के प्रति उन्हें हर जगह ले जा रहा है...वो ऐसा नहीं कर पा रहे हैं अपनी बहन (प्रियंका गांधी वाद्रा) को न्याय दिलाने के लिए, क्योंकि एक तरफ रॉबर्ट वाद्रा भी टिकट मांग रहे थे और दूसरी तरफ पार्टी की मांग प्रियंका गांधी के लिए थी, हालाँकि, पार्टी की सूची में उनका नाम नहीं बताया गया, इससे पता चलता है कि कांग्रेस पार्टी के भीतर कुछ चल रहा है। बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि डरो मत कहते कहते राहुल गांधी, अमेठी से लड़ो मत करने लगे। उन्होंने कहा कि ये कांग्रेस पार्टी का नया नारा बन गया है। आज, इस घोषणा के साथ, कांग्रेस ने पुष्टि की है कि प्रथम परिवार का एक भी सदस्य उस क्षेत्र से चुनाव नहीं लड़ सकता है।

खेल
प्रमुख समाचार

बेंगलुरू और गुजरात के लिए आज करो या मरो का मुकाबला

नईदिल्ली। समीकरणों के आधार पर अभी भी प्लेआफ की दौड़ से बाहर नहीं हुई रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (आरसीबी) और गुजरात टाइटंस (जीटी) को अपनी थोड़ी बहुत उम्मीदें भी कायम रखने के लिये शनिवार को इंडियन प्रीमियर लीग के मैच में हर हालत में जीत दर्ज करनी होगी।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू दस मैचों में छह अंक लेकर तालिका में सबसे नीचे है जबकि टाइटंस दस मैचों में आठ अंक लेकर आठवें स्थान पर है। चेन्नई सुपर किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स (10 अंक) की पिछले मैच में हार के बाद इन दोनों टीमों की उम्मीदें बंधी है। दोनों को बखूबी पता है कि दूसरी टीमों के नतीजों पर निर्भर रहने की बजाय खुद अपने अभियान को ढर्रे पर लाना होगा।

अपने मैदान पर खेल रही आरसीबी के लिये विराट कोहली शानदार फॉर्म में हैं जो इस सत्र में 500 रन पार करने वाले पहले बल्लेबाज बने। आरसीबी को उनसे इसी तरह के प्रदर्शन की उम्मीद होगी। गेंदबाजों ने हालांकि मेजबान को निराश किया है। मोहम्मद सिराज, यश दयाल, कर्ण शर्मा और स्वप्निल सिंह कोई भी प्रभावित नहीं कर सका है। बल्लेबाजों की ऐशगाह चिन्नास्वामी स्टेडियम की पिच पर उन्हें गुजरात के बल्लेबाजों पर अंकुश लगाना होगा हालांकि अभी तक वे एक ईकाई के रूप में अच्छा नहीं खेल सके हैं। इसी वजह से दिल्ली कैपिटल्स और आरसीबी ने पिछले दो मैचों में उसे हराया है। शुभमन गिल और बी साई सुदर्शन ने मिलकर गुजरात के लिये 700 से अधिक रन बनाये हैं। रिधिमान साहा, डेविड मिलर, राहुल तेवतिया, विजय शंकर और शाहरूख खान 200 रन के आसपास भी नहीं पहुंच सके हैं। गेंदबाजी में स्टार स्पिनर राशिद खान समेत कोई भी अपनी ख्याति के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर सका है। राशिद ने दस मैचों में आठ की इकॉनॉमी रेट से आठ विकेट लिये हैं।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

सेंसेक्स 733 अंक लुढ़का निफ्टी 22,400 के नीचे आया

नईदिल्ली। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक और लार्सन एंड टुब्रो में भारी बिकवाली के दबाव के बीच इक्विटी बेंचमार्क इंडेक्स लाल निशान पर बंद हुए। इंट्रा-डे ट्रेड में बीएसई सेंसेक्स 1,143 अंक गिरकर 73,468 के निचले स्तर पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी-50 22,350 अंक से नीचे फिसल गया। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 732.96 अंक यानी 0.98 फीसदी की गिरावट के साथ 73,878.15 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में आज 73,467.73 और 75,095.18 के रेंज में कारोबार हुआ। वहीं, दूसरी तरफ नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टी में भी 172.35 अंक यानी 0.76 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। निफ्टी दिन के अंत में 22,475.85 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी में आज 22,348.05 और 22,794.70 के रेंज में कारोबार हुआ।

एप्पल ने भारत में दोहरे अंकों की वृद्धि हासिल की : कुक

नईदिल्ली। एप्पल के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) टिम कुक ने शुक्रवार को कहा कि कंपनी ने भारत में मजबूत दोहरे अंक में वृद्धि दर्ज की है और मार्च तिमाही में नया राजस्व रिकॉर्ड बनाया है। कुक ने कहा कि भारतीय बाजार पर ''मुख्य तौर पर ध्यान'' दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि एप्पल, डेवलपर से लेकर बाजार तथा परिचालन तक पूरे परिवेश तंत्र पर काम कर रहा है और वह वृद्धि आंकड़ों से ''बेहद खुश'' है। उन्होंने टेक कंपनी की दूसरी तिमाही की आय में भारत के योगदान पर कहा, ''हमने (भारत में) मजबूत दोहरे अंक की वृद्धि दर्ज की। हम इससे बेहद खुश हैं। यह हमारे लिए मार्च तिमाही का नया राजस्व रिकॉर्ड है। जैसा कि आप जानते हैं, जैसा कि मैंने पहले भी कहा है..मैं इसे एक अविश्वसनीय रूप से रोमांचक बाजार के रूप में देखता हूं और यह हम मुख्य तौर पर इस पर ध्यान दे रहे हैं।''

एमआरएफ टायर कंपनी का नेट प्रॉफिट 7.6 फीसदी गिरा

नईदिल्ली। देश की सबसे बड़ी टायर कंपनी मद्रास रबर फैक्ट्री (एमआरएफ) ने शुक्रवार, 3 मई को वित्त वर्ष 2024 की चौथी तिमाही के अपने नतीजों का ऐलान कर दिया। चौथी तिमाही में कंपनी का स्टैंडअलोन नेट प्रॉफिट 7.6 फीसदी गिरकर 379.6 करोड़ पर रह गया। पिछले साल की समान अवधि में यह 410.7 करोड़ रुपये था। चौथी तिमाही में टायर निर्माता का ऑपरेशन से रेवेन्यू सालाना आधार पर 8.6 फीसदी बढ़कर 6,215.1 करोड़ रुपये हो गया। पिछले साल की समान अवधि में यह 5,725.4 करोड़ रुपये था। समीक्षाधीन तिमाही (चौथी तिमाही) में कंपनी का ऑपरेशन लाभ या EBITDA 5 फीसदी बढ़कर 885.7 करोड़ रुपये हो गया। पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह 843.1 करोड़ रुपये था। सालाना आधार पर मार्जिन मामूली गिरावट के साथ 14.3 फीसदी पर आ गया। एक साल पहले की समान अवधि में यह 14.7 फीसदी पर था।

आरबीआई के फैसले के बाद बजाज फाइनेंस शेयरों में तेजी

नईदिल्ली। बजाज फाइनेंस के शेयरों में शुक्रवार को 7.50 प्रतिशत से अधिक की तेजी आई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के बजाज फाइनेंस पर ईकॉम और इंस्टा ईएमआई कार्ड के जरिए कर्ज की मंजूरी और वितरण पर लगी पाबंदी गुरुवार को हटाने के बाद कंपनी के शेयरों में उछाल आया है। बीएसई पर शेयर 7.54 प्रतिशत बढ़कर 7,400 रुपये पर और एनएसई पर 7.51 प्रतिशत चढ़कर 7,400 रुपये पर पहुंच गया। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 23,008.1 करोड़ रुपये बढ़कर 4,49,205.63 करोड़ रुपये हो गया। केंद्रीय बैंक ने पिछले साल नवंबर में बजाज फाइनेंस को अपने दो कर्ज उत्पादों ईकॉम और इंस्टा ईएमआई कार्ड के तहत ऋण की मंजूरी और वितरण को रोकने का निर्देश दिया था। यह प्रतिबंध डिजिटल ऋण दिशानिर्देशों के मौजूदा प्रावधानों का पालन नहीं करने के कारण लगाया गया था।

तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने से पहले रोजगार में वृद्धि की है जरूरत

पीएस वोहरा

इन दिनों हर जगह तकरीबन इस बात की ही चर्चा रहती है कि भारत बड़ी तेजी से विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने वाला है। पर इस बात के पीछे क्या आर्थिक तथ्य और साक्ष्य हैं? पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का तमगा भारत को 2022 में मिला, जब उसने अर्थव्यवस्था के जीडीपी के आकार में इंग्लैंड को पीछे छोड़ा। 2014 में भारत दसवें पायदान पर हुआ करता था। उस समय भारत का जीडीपी 18.6 खरब अमेरिकी डॉलर के बराबर था और भारत से आगे तब क्रमशः इटली (21.4 खरब डॉलर), ब्राजील (22.1 खरब डॉलर), इंग्लैंड (27.9 खरब डॉलर), फ्रांस (28.1 खरब डॉलर), जर्मनी (37 खरब डॉलर), जापान (52.1 खरब डॉलर), चीन (95.7 खरब डॉलर) तथा सबसे आगे अमेरिका (175.5 खरब डॉलर) थे।

इससे साबित होता है कि पिछले एक दशक में भारत के जीडीपी में तकरीबन दो गुना से अधिक की बढ़ोतरी हुई है। यह अपने आप में आश्चर्यजनक है, क्योंकि इस दौरान पूरे विश्व ने कोरोना महामारी के चलते लगभग दो वर्षों तक आर्थिक मंदी के दौर को देखा है और भारतीय अर्थव्यवस्था ने तो उस दौरान आजादी के बाद पहली दफा लगभग 25 फीसदी की नकारात्मक विकास दर को भी सहन किया था।

भारत के तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का पहली दफा उल्लेख अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने किया था। उसने भारत की लगातार चल रही छह और सात फीसदी की वार्षिक आर्थिक प्रगति दर को देखते हुए अनुमान लगाया कि वर्ष 2027 तक भारत का जीडीपी 50 खरब अमेरिकी डॉलर के स्तर से ऊपर निकल जाएगा। अभी भारत से आगे

चल रहे जर्मनी और जापान तब क्रमश 49.5 खरब डॉलर और 50.8 खरब डॉलर के स्तर पर रहते हुए भारत से पीछे होंगे और तब भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगा। लेकिन इस हकीकत को भी समझना अत्यंत आवश्यक है कि भारत आज भी प्रति व्यक्ति आय के हिसाब से बहुत पीछे है। अगर इंग्लैंड से ही तुलना की जाए, जिसे पीछे छोड़कर भारत पांचवीं अर्थव्यवस्था बना है, तो प्रति व्यक्ति आय में आज भी दोनों देशों में 20 गुना का अंतर है।

इसके अलावा, पिछले एक दशक में प्रति व्यक्ति आय के हिसाब से वैश्विक रैंकिंग में भारत मात्र छह पायदान ही ऊपर आया है। वर्तमान समय में 189 देशों में से भारत प्रति व्यक्ति आय में 141वें स्थान पर है, जबकि 2013-14 में भारत 147वें स्थान पर था। इससे स्पष्ट है कि पिछले एक दशक में प्रति व्यक्ति आय में बढ़ोतरी लगभग आधी से ही अधिक हुई है, जबकि जीडीपी दोगुना से अधिक बढ़ा। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन की एक ताजा रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2012 में भारत में तकरीबन एक करोड़ से अधिक लोग बेरोजगार थे, जबकि 2022 में इनकी संख्या 2.29 करोड़ तक जा पहुंची थी, जिसके चलते बेरोजगारी की दर पिछले 10 वर्षों में 2.18 फीसदी से बढ़कर चार फीसदी पर पहुंच गई। इसके अलावा, भारत का कृषि क्षेत्र बहुत पीछे हो चुका है। जीडीपी में उसके अंशदान को बढ़ाना अब अत्यंत आवश्यक हो गया है, अन्यथा प्रति व्यक्ति आय में बढ़ोतरी बहुत आसानी से नहीं की जा सकती। 50 फीसदी जनसंख्या का रोजगार के लिए कृषि पर निर्भर रहना ही इसका प्रमुख कारण है।

गौरतलब है कि पिछले तीन दशकों से भारत की अर्थव्यवस्था के विकास की बागडोर सेवा क्षेत्र के कंधों पर है। उसने इस जिम्मेदारी को बखूबी निभाया भी है, लेकिन आज भारत में तेजी से बढ़ती आर्थिक विषमता, जो गरीबी और अमीरी के बीच खाई का प्रतीक है, उसके पीछे भी बहुत हद तक सेवा क्षेत्र है, क्योंकि जीडीपी में सेवा क्षेत्र का अंशदान 50 फीसदी से अधिक है, परंतु रोजगार में इसका अंशदान 30 से 35 फीसदी के बीच में ही है। इसलिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के कद को बढ़ाने के साथ-साथ रोजगार के अवसरों में तेजी से बढ़ोतरी अगर एक मकसद के रूप में नहीं रहा, तो तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के बाद भी भारत एक गरीब मुल्क के तौर पर ही अपनी पहचान रख पाएगा, जो एक कड़वा सच होगा।

मोदी से केवल संविधान नहीं बल्कि राजनीति, नेतृत्व और अनुशासन का पाठ भी पढ़ना चाहिए समूचे कांग्रेसियों कोः उपमुख्यमंत्री शर्मा

अपनी सामंती सोच से बाहर आएं महंत और देखें वे और उनकी पार्टी देश में कहां खडी है 0 वामपंथी सोच की गिरफ्त में आकर बरबाद हो रही समूची कांग्रेस

रायपुर। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा है कि डॉ. चरणदास महंत ही नहीं समूची कांग्रेस को हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से न केवल संविधान का पाठ पढ़ने की जरूरत है, बल्कि आपस में झगड़कर पार्टी को बिखराव की कगार में पहुंचा चुके कांग्रेस के इन नेताओं को राजनीतिक सूझबूझ, पार्टी संचालन, नेतृत्व क्षमता जैसे पाठ भी मोदी जी से पढने की जरूरत है।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि मोदी जी को गाली देना, अपशब्द कहना कांग्रेसियों की परंपरा बन चुकी है। महंत डॉ. चरणदास ने भी इसी परंपरा का निर्वाह किया है।

दरअसल डॉ. महंत भी चांदी का चम्मच मुंह में लेकर पैदा हुए है, बचपन से ठाठ-बाट के आदी डॉ. महंत यह पचा नहीं पा रहे कि एक चाय बेचने वाला कैसे देश का प्रधानमंत्री बनकर पूरी दस साल तक न केवल शासन किया बल्कि कभी देश की सबसे बड़ी पार्टी रह चुकी कांग्रेस को इस बार लोकसभा चुनाव में मुकाबले के लायक भी नहीं छोड़ा है। उन्होंने चेतावनी दी है कि वे मोदी जी पर अनर्गल टिप्पणी करने से बचें और पढ़े लिखे डॉ. महंत

पहले सामंती सोच से बाहर निकलें और देखें कि प्रदेश और देश में वे और उनकी पार्टी कहां खड़ी है। आपकी पार्टी के शहजादे और शहजादी जिनके इशारे पर आप झाड़ू लगाने और पोछा लगाने को तैयार रहते हैं, उत्तर प्रदेश में अपनी पारंपरिक सीटों पर चुनाव लड़ने से घबरा रहे हैं।

पार्टी पूरी तरह बिखर गई है। समझदार नेता पार्टी छोड़कर जा रहे हैं, जो बचे हें वे वामपंथी सोच की गिरफ्त में हैं और आपस में लड़ भिड़कर पार्टी की स्थिति और खराब कर रहे हैं।

मोदी जी की शिक्षा को लेकर दुरूप्रचार न करें महंत - मोदी जी की शिक्षा को लेकर महंत के बयान को दुष्प्रचार बताते हुए उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा है कि महंत की यह टिप्पणी पूरी तरह गलत है। मोदी जी ने बनारस में दाखिल किए अपने पर्चे में अपनी शिक्षा का पूरा विवरण दिया है। यह चुनाव आयोग की वेबसाइट में उपलब्ध है जिसे कोई भी व्यक्ति देखकर संतुष्ट हो सकता है।

देश और दुनिया को गर्व है मोदी जी पर - उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा के साथ देश लगातार तरक्की कर रहा है। भाजपा आज देश ही नहीं बल्कि दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी है। देश 17 राज्यों में भाजपा की सरकार है वहीं मोदी जी के नेतृत्व में लगातार दस वर्षों से भाजपा ने देश की बागडोर संभाल रखी है। इस लोकसभा चुनाव में कांग्रेस और इंडी गठबंधन की स्थिति किसी से छुपी नहीं है।

इस बार 400 पार के नारे के साथ फिर से हम देश में सरकार बनाने जा रहें हैं। ऐसे व्यक्ति्व से आप शिक्षा नहीं लेना चाहते तो मत लीजिये। महंत जी आपके मानने- न मानने से कुछ नहीं होगा। आज देश के 140 करोड़ भारतीय ही नहीं बल्कि विदेशों में बसे लाखों एनआरआई भारतीयों को अपने प्रधानमंत्री पर गर्व है।

बाबू भैया की कलम से

मजबूत विपक्ष ही प्रजातंत्र का असली आनंद

जैसी भाषण बाजी इस आम चुनाव में देखने में आ रही है,ना कभी देखी ना सुनी,या तो मुफ्त की बाजीगरी की जा रही है,या उल जलुल आरोप प्रत्यारोपों की बौछार दोनों प्रमुख दलों में देखी जा रही हैं। पुराने दौर के नेताओं में कम से कम कुछ नैतिक प्रश्न उठा कर जन समस्या की बात तो की जाती थी। अभी के भाषणों में माले मुफ्त की बातें ज्यादा हो रही हैं,या भावनात्मक बातों को उभार कर भावनाएँ भड़का कर उसे वोट में तब्दील करने का प्रयास किया जा रहा है। मुद्दे सब गौण हो गए हैं ,मतदाता ये सब देख एकदम मौन हो गया है। दोनों प्रमुख दल कुछ मुद्दों की बात कर रहे हैं तो ज्यादा बात घटनाओं व विपक्ष के बोले वचनों का जवाब देने में लग गए हैं। अग्रेसिव कौन होगा डिफेंसिव मुद्रा में कौन होगा इसकी होड़ लगी हुई है। आरोप ऐसे उल जलूल लगा दिए जा रहे हैं जिसका बचाव करने दूसरे को जवाब देना जरूरी हो जाता है। कांग्रेस कह रही है भाजपा के लोग सरकार में आये तो संविधान बदल देंगे,आरक्षण समाप्त कर देंगें, इस आरोप का जवाब देने भाजपा मजबूर हो गई। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हवाले से बयान देना पड़ा कि आरक्षण पर कांग्रेस झूठ फैला रही है। प्रधान मंत्री ने कहा कि आपका मंगल सूत्र छीन लेंगें तो कांग्रेस को कहना पड़ा कि मोदी देश में झूठ बोलते फिर रहे हैं। इसी की होड़ है कि कौन पहले कुछ आरोप लगाएं और किसको जवाब देने मजबूर होना पड़े। यही खेल इस राष्ट्र निर्माण के लिए हो रहे आम चुनाव में देखने में आ रहा है। भाजपा स्पष्ट रूप से अपने हिदुत्व के एजेंडे पर खुलकर आ गई है। प्रधानमंत्री स्वयं हिन्दू मुस्लिम के एजेंडे पर खुल कर सामने आ गए हैं। अपने भाषण में उन्होंने इशारे में वो सब कह दिया जो अधिकांश भारतीय मानस को शायद पसन्द नही। उन्होंने कहा कांग्रेस आपकी माताओं बहनों का मंगल सूत्र व गहने जमीन जायदाद छीन कर जिनके ज्यादा बच्चे होते हैं उन्हें बांट देंगी ,उन्होंने तो यहां तक कह दिया की कांग्रेस यह सब घुसपैठियों में बांट देगी। अगर उनका इशारा देश के अल्पसंख्यक मुसलमानो की ओर है तो एक तरह से उन्होंने साफ कह दिया कि भारत के मुस्लिम उनकी नजर में घुसपैठियों की श्रेणी में हैं। भविष्य के अनुमानों पर दिए जा रहे भाषण अनुयायियों को भले ही अपने अपने मायनों में अच्छे लग रहे हों लेकिन जनता के हितों से व जनसेवा ,राष्ट्रसेवा से इसका दूर दूर तक कोई सरोकार नहीं दिख रहा। बस अपने अपने वोटों को अपने पाले में रखने की कवायद मात्र साबित हो रहा है। जनता सोचती है की 70 सालों में 55 साल कांग्रेस व 15 साल अन्यों का देश में शासन रहा आज तक तो किसी ने हमारी प्रॉपर्टी नहीं छीनी ना ही किन्हीं को बांटी है। अब अचानक ऐसा क्या हो गया, या हो जाएगा कि कोई हमारी सम्पति को अपने हाथ में कर लेगा और बांट देगा। वो राजा महाराजों के दौर में भी आसानी से संभव नहीं था। अब अपने और अपनों के राज में ऐसा कौन सा राजा पैदा हो गया है जो जनतंत्र में प्रजा की ताकत को नहीं समझ पा रहा है। सबको समझ लेना चाहिये कि देश की जनता जितना प्यार करते हुए गद्दी पर बैठाना जानती है ,उतनी ही करूरता से उतारना भी जानती है। इन सबके बावजूद आज कोई ऐसा विकल्प नहीं दिखाई देता जो वर्तमान को डिगा सके और नया भारत का भाविष्य अपने मायनों में रच सके। हिदुत्व , सनातन धर्म व कथित राष्ट्रप्रेम का नारा तथा भड़की हुई भावनाएं हिन्दू जनों को एक मंच पर लाती जा रही है। विपक्षी दलों की मुट्ठी बन्द नहीं हो पा रहीं हैं। पंजा फैल कर पांच अलग अलग उंगलियो में बंटा हुआ साफ दिखाई दे रहा है। राष्ट्र के मतदाताओं में दुविधा की स्थिति है। हिन्दू- हिदुत्व के पाले में एकजुट हुए दिख रहे हैं। शेष जन जाएं तो जाएँ कहां की स्थिति में इस राजनैतिक चौराहे पर भ्रमित खड़े हैं। इसीलिए भक्तगण कह रहे हैं कि आएगा तो मोदी ही अपनी खुद की मोदी की गारंटी के साथ आएगा, तो क्या गलत कह रहे हैं ? अनेक लोगों का मत है कि आये भले ही मोदी ही,सरकार भी बनाएं, पर विपक्ष भी इतना ताकतवर हो कि सरकार के कान पकड़ने व उसकी बाहें पकड़ कर उसे मनमानी से रोक सके तब प्रजातंत्र का असली आनंद है। पर सिर्फ सोचने से क्या होता है उसके लिए जनता को जागना पड़ेगा।

लोस चुनाव में दूर-दूर तक मुकाबले में नहीं हैं कांग्रेसीः भाजपा

महिलाओं को 50 फीसदी आरक्षण की घोषणा फर्जी, हार सामने देखकर कुछ भी वादा कर रही कांग्रेस

रायपुर। भाजपा महामंत्री संजय श्रीवास्तव ने कहा है कि इस लोकसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी और उनके सहयोगी दल दूर-दूर तक मुकाबले में नहीं हैं। आईसीसी के प्रशासन प्रभारी एवं कांग्रेस वर्किंग कमेटी के सदस्य गुरदीप सप्पल कुछ भी दावा कर लें लेकिन 4 जून को जनता अपना फैसला उन्हें सुना देगी। और एक बार फिर देश की बागडोर भाजपा के हाथों में होगी।

भाजपा प्रदेश महामंत्री संजय श्रीवास्तव ने कहा इस चुनाव में कांग्रेसी बुरी तरह से डर रहे हैं। उन्हें सबसे बड़ी आशंका इस बात की है कि इस बार उनका प्रदर्शन 2019 के लोकसभा चुनाव से भी अधिक बुरा न हो जाए। 2019 में कांग्रेस केवल 52 सीटों पर सिमट कर रह गई थी। जबकि उनका गठबंधन 100 का आंकड़ा पार नहीं कर पाया था। वह 92 में आकर अटक गया था। इस बार तो देश में मोदी लहर है। भाजपा ने अपने सभी वादे पूरे कर लिए हैं। साढे पांच सौ साल बाद राम लला अयोध्या में लौट आए। वहीं कश्मीर में धारा 370 हटाने का साहस केवल भाजपा ही दिखा सकती थी। अल्प संख्यकों की राजनीति करने वाली पार्टी कांग्रेस तो इसकी कल्पना भी नहीं कर सकती। लोकसभा में महिला आरक्षण बिल भी केवल मोदी सरकार लेकर आई। मोदी जी की एक आवाज में पूरा देश राम जन्मोत्सव पर दीवाली से बड़ा उत्सव मनाता है। यही वजह है कि काग्रेस और उनका गठबंधन पूरी तरह से हिले हुए है।

हार के डर से बड़ा प्रलोभन- भाजपा प्रदेश महामंत्री संजय श्रीवास्तव ने आरोप लगाया कि आसन्न चुनाव में कांग्रेस के नेता हार के डर से अपने मेनीफेस्टो में ऐसे*ऐसे वादे कर दिए हैं जिनको व्यवहारिक तौर पर लागू कर पाना संभव नहीं है। सत्ता से चिपके रहने के आदी कांगेसियों ने केन्द्र में सरकार आने पर महालक्ष्मी योजना के तहत महिलाओं को एक-एक लाख रू देंने, सरकारी नौकरी में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण देने का वादा कर रहे हैं। काग्रेसियों को पता है कि उनकी सरकार नही बनने वाली इसलिए देशकी जनता को बरगलाने का प्रयास कर रहे हैं।

कांग्रेस उम्मीदवार देवेंद्र ने यादव समाज की मान्यताओं की उपेक्षा की : भाजपा

बिलासपुर/रायपुर। भाजपा के जिला कार्यालय बिलासपुर में शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी के नेता सोमनाथ यादव, विष्णु यादव सहित भाजपा से जुड़े यादव समाज के प्रमुख पदाधिकारियों ने बिलासपुर लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस उम्मीदवार देवेंद्र यादव पर यादव समाज की मान्यताओं की उपेक्षा करने और पिछड़ा वर्ग के हितों की अनदेखी करने के लिए जमकर हमला बोला। भाजपा नेताओं ने उन्हें भ्रष्टाचार का दागी चेहरा तक कह दिया। भाजपा से पिछड़ा वर्ग आयोग के पूर्व अध्यक्ष सोमनाथ यादव ने कहा कि यादव समाज एक धर्मनिष्ट समाज है।भगवान श्रीकृष्ण हमारे आराध्य देव है। जब प्रधानमंत्री ने मथूरा में समुंद्र के अंदर जाकर श्रीकृष्ण की पूजा की, तब कांग्रसियों ने इसका उपहास उड़ाया और ऐसे समय में एक यादव होने के नाते देवेंद्र यादव का खून तक न खौला। जब सम्पूर्ण यादव समाज भगवान श्रीकृष्ण की जन्मभूमि की पुनर्निमाण की बाट जोह रहे हैं, ऐसे समय में भी देवेंद्र यादव मौन हैं। राजनीतिक स्वार्थ की वजह से अपने आकाओं की बात की पैरवी कर रहे हैं। यादव समाज ने सदैव से ही अपनी पहचान अपनी आस्था को सर्वोपरि रखा है। सोमनाथ ने कहा कि क्या देवेंद्र यादव यादव समाज के अस्मिता,श्रद्धा के केंद्र श्रीकृष्ण जन्मभूमि के पुनर्स्थापना के लिए तैयार हैं या फिर भगवान श्रीकृष्ण

के प्रतीक स्थलों के प्रति उपेक्षा और अपमान का भाव रखने वाले कांग्रेसी विचारधारा के समर्थन में खड़े हैं।

सोमनाथ यादव ने देवेन्द्र यादव पर हमला तेज करते हुए कहा कि क्या देवेंद्र यादव पिछड़ा वर्ग के हिस्से में डांका डालने वालों के साथ खड़े हैं। कांग्रेस शासित राज्यों में ओबीसी वर्ग का आरक्षण छीना जा रहा है। उनके नेता अपनी सभाओं में आरक्षण को धर्म के आधार पर बांटने की बात कर रहे हैं ।कांग्रेस ओबीसी वर्ग के अधिकार को एक धर्म विशेष को देने की घोषणा कर रही है ।इसके लिए कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में खतरनाक प्रावधान किए हैं और अपने को ओबीसी चेहरा बताने वाले देवेंद्र अपनी छोटी से स्वार्थ लोलुपता के चलते ओबीसी वर्ग से आरक्षण लुटने वालों का समर्थन कर रहे हैं। भाजपा नेता और पार्षद विष्णु यादव ने कहा कि कांग्रेस ने दागदार चेहरे को अपना प्रत्याशी बनाकर भ्रष्टाचार का समर्थन किया है जो छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के पूर्ववर्ती शासनकाल में हुए घपले-घोटालों में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के साथ सबसे ज्यादा बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। जो उनका सिपहसालार रहा और भ्रष्टाचार के हर मामलों में जिनका सीधा हस्तक्षेप रहा। वह बिलासपुर के कांग्रेस उम्मीदवार देवेंद्र यादव ही हैं। 2000 करोड़ का शराब घोटाला हो, 5000 करोड़ का कोयला घोटाला हो, 508 करोड़ की महादेव एप की प्रोटेक्शन मनी लेने का मामला हो, इन सारे ही मामलों में देवेंद्र यादव की भूमिका संदिग्ध रही है। ऐसे दागदार व्यक्ति को, जिस पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगे हुए हैं, लोकसभा के लिए अपना प्रत्याशी बनाकर चुनाव लड़वाने से यह आईने की तरह साफ हो जाता है कि कांग्रेस को भ्रष्टाचार का समर्थन है। विष्णु यादव ने कहा कि बिलासपुर लोकसभा की जनता ने हमेशा ईमानदार लोगों का साथ दिया है, न्यायप्रिय लोगों का साथ दिया है.

छत्तीसगढ़/राजधानी

प्रमुख समाचार

किसान, मजदूर, महिलायें कांग्रेस की सरकार बनाने वोट कर रहे

रायपुर। कांग्रेस के 5 न्याय 25 गारंटी की शहर एवं गांव में धूम मची है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि किसान, मजदूर, महिलायें देश में कांग्रेस की सरकार बनाने लामबंद है। किसान, मजदूर भी केंद्र में बदलाव के पक्षधर हो गये है। जनता को कांग्रेस के वादों से आशा की नई किरण दिख रही है। कांग्रेस ने कुल 5 न्याय की गारंटी दिया है। नारी न्याय, युवा न्याय, किसान न्याय, मजदूर न्याय और भागीदारी न्याय पांचो न्याय घोषित होने के बाद से ही देश के हर वर्ग के मतदाताओं में कांग्रेस के प्रति नजरिया बदला है लोगों को कांग्रेस की सरकार में अपना भविष्य दिख रहा है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि कांग्रेस ने महिलाओं को हर साल 1 लाख और महीने में 8333 रू. देने का वादा किया है। इसके साथ ही केंद्रीय भर्तियों में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण का भी वादा कांग्रेस ने किया है। कांग्रेस की इस घोषणा के बाद महिलायें मतदाताओं का ध्रुवीकरण कांग्रेस की ओर हुआ है। महिलायें देश में कांग्रेस नेतृत्व वाली सरकार बनाने के लिए पहले चरण में मतदान किया है। शेष चरणों में कांग्रेस के पक्ष में मतदान का दृढ़ निश्चय किया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि मजदूरों को लगता है केंद्र में कांग्रेस की सरकार बनने पर उनके जीवन स्तर में सुधार होगा।

बस्तर ने प्लास्टिक रिसाइक्लिंग कांफ्रेंस एशिया 24 में जीता पहला पुरस्कार

जगदलपुर। जिला पंचायत बस्तर ने 2024 के प्लास्टिक रिसाइक्लिंग कांफ्रेंस एशिया में लोकल बॉडी चैंपियन श्रेणी में पहला पुरस्कार जीता है। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के पीछे कलेक्टर बस्तर विजय दयाराम के सतत मार्गदर्शन के साथ ही सार्थक प्रयास और नेतृत्व का अहम योगदान है। जिला प्रशासन बस्तर एवं एचडीएफसी बैंक, सेंटर फॉर एनवायरनमेंट एजुकेशन एवं श्रष्टि वेस्ट मैनेजमेंट सर्विसेज द्वारा रूरल एंड अर्बन लैंडस्केप फ्री ऑफ ड्राई एंड प्लास्टिक वेस्ट परियोजना को बस्तर जिले में बेहतर रणनीति के साथ कार्यान्वित किया जा रहा है। जिसके तहत बाबू सेमरा जगदलपुर में मटेरियल रिकवरी फैसिलिटी का निर्माण किया गया है। उक्त पुरस्कार समारोह 03 मई को नई दिल्ली के में आयोजित किया गया, इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रकाश कुमार सर्वे ने पुरस्कार प्राप्त किया। यह महत्वपूर्ण पुरस्कार हासिल होने से अब प्लास्टिक सामग्री रिसाइक्लिंग के लिए जिले के अधिकारी-कर्मचारियों सहित आम नागरिकों को प्रोत्साहन मिलेगा।

मतदाताओं के लिए आओ जाने अपना बूथ अभियान 5 मई को

रायपुर। लोकसभा निर्वाचन के तहत पहली बार मतदाताओं को अपने बूथ की सुविधाओं को देखने का अवसर मिलेगा। इसके लिए आओ जाने अपना बूथ अभियान की शुरुआत की जा रही है। पांच मई सुबह 8 बजे से 11 बजे तक मतदाता अपने-अपने बूथों का निरीक्षण कर सुविधाओं का देख सकते है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. गौरव सिंह की पहल पर यह अभियान की शुरुआत की जा रही है। कलेक्टर ने सभी जोन कमिश्नरों को मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है। कलेक्टर डॉ. सिंह ने आज शुक्रवार को सभी जोन कमिश्नरों की बैठक लेकर मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है। उन्होंने जोनवार मतदान सुविधा केंद्र की समीक्षा की और कहा कि इस बार चुनाव में बेहतर से बेहतर व्यवस्था की जाए। मतदाताओं को किसी भी प्रकार की मतदान केंद्रों में असुविधा भी नहीं होनी चाहिए। दरअसल, मतदान केंद्र में मतदान कर्मी और मतदाताओं को सुविधाएं बेहतर से बेहतर उपलब्ध कराने का प्रयास किया गया है। मतदाताओं के लिए नींबू पानी, शरबत और ठंडे पेयजल की सुविधा रहेगी।

शराब घोटालाः टुटेजा-ढेबर समेत अन्य आरोपितों की संपत्ति कुर्क

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित शराब घोटाले मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पूर्व आईएएस अनिल टुटेजा और रायपुर के मेयर एजाज ढेबर के भाई अनवर ढेबर समेत कई आरोपितों की लगभग 18 चल और 161 अचल संपत्तियों को अस्थायी रूप से कुर्क किया है। कुर्क किए संपत्ति कीमत करीब 205.49 करोड़ रुपये बताई जा रही है। इस बात की जानकारी ईडी ने शुक्रवार को सोशल मीडिया एक्स में पोस्ट करके दी है। ईडी ने पोस्ट में लिखा कि, इन संपत्तियों में 18 चल और 161 अचल संपत्तियां हैं। इसका संबंध पूर्व आईएएस अफसर अनिल टुटेजा, अनवर ढेबर और शराब घोटाले से जुड़े अन्य लोगों से है। ईडी ने मामले में आईपीसी, 1860 और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की विभिन्न धाराओं के तहत छत्तीसगढ़ राज्य पुलिस द्वारा दर्ज की गई एफआईआर के आधार पर शराब घोटाले में एक नई ईसीआईआर दर्ज की है। ईडी द्वारा कुर्क की गई संपत्तियों में पूर्व आईएएस अनिल टुटेजा की 14 संपत्ति को कुर्क किया गया है, जिनकी कीमत 15.82 करोड़ रुपये है। 115 संपत्तियां अनवर ढेबर की हैं, जिसकी कीमत करीब 116.16 करोड़ है। तीन संपत्ति विकास अग्रवाल की है, जिसकी कीमत 1.54 करोड़ रुपये है। वहीं 33 प्रॉपर्टी अरविंद सिंह की है, जिसकी कीमत 12.99 करोड़ है। अरुण पति त्रिपाठी की 1.35 करोड़ रुपये की एक संपत्ति को जब्त किया गया है।

राधिका थाना में शिकायत दर्ज करवायें, भाजपा न्याय दिलवाएगी

जगदलपुर। वन मंत्री केदार कश्यप ने शुक्रवार को कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता राधिका खेड़ा के साथ घटित दुर्व्यवहार की घटना को बेहद निंदनीय बताते हुए उन्होंने कहा कि माता कौशल्या की नगरी में नारी का अपमान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राधिका खेड़ा के साथ हुए अन्याय और दुर्व्यवहार के लिए वे रायपुर के किसी भी थाना में शिकायत दर्ज करवाएं, राधिका खेड़ा को कानूनी मदद प्रदान कर भाजपा न्याय दिलवाएगी। उन्होंने कहा कि प्रियंका वाड्रा कहती है कि लडकी हूं लड़ सकती हूं। प्रियंका वाड्रा चाहें तो थाने में एफआईआर दर्ज करवा दें, भारतीय जनता पार्टी राधिका खेड़ा को न्याय दिलाएगी। वन मंत्री कश्यप ने कहा कि कांग्रेस अपनी नेत्री को न्याय नहीं दिला सकती है। यह सिर्फ नारे में लड़की हूं, लड़ सकती हूं कहती हैं, लेकिन धरातल में कांग्रेस महिला न्याय के लिए आगे नहीं आएगी। इसलिए जनता इन्हें पीछे धकेल दिया है। छत्तीसगढ़ की जनता जनार्दन कांग्रेस को सबक सिखाएगी। भारतीय जनता पार्टी ने महिलाओं को एक हजार रुपये देकर सामाजिक और आर्थिक रूप से न्याय किया है। राधिका खेड़ा को कानूनी न्याय भाजपा दिला सकती है। प्रदेश में भाजपा की सरकार है, जो सभी महिलाओं के लिए कानून का राज स्थापित करती है।

एआईसीसी के प्रशासन प्रभारी एवं वर्किंग कमेटी के सदस्य गुरदीप सप्पल की प्रेसवार्ता

रायपुर। एआईसीसी के प्रशासन प्रभारी एवं कांग्रेस वर्किंग कमेटी के सदस्य गुरदीप सप्पल ने पत्रकारवार्ता को संबोधित करते हुये कहा कि छत्तीसगढ़ में पिछले वर्ष बहुत ही सफल अधिवेशन हुआ। रायपुर से जो यात्रा शुरू होने वाली है वो अपने मुकाम में पहुंचने वाली है। मोदी डर रहे है कांग्रेस को उल्टा सलाह दे रहे थे कि डरो मत। मोदी सरकार हिली हुयी है और जाने के कगार पर है अब 400 पार बोलने की हिम्मत नहीं हो रही है। मोदी और भाजपा के लोग नहीं बोल पा रहे है। मोदी जी जवाब दे कश्मीर में भारतीय जनता पार्टी को किसने निपटा दिया। कश्मीर में भारतीय जनता

पार्टी चुनाव से क्यों भाग रही है? कश्मीर के अंदर तीन सीट है। भाजपा कश्मीर के अंदर एक भी प्रत्याशी नहीं उतार पाये। कश्मीर को वह सबसे बड़ी उपल्बधि मानते थे। कश्मीर से राहुल गांधी जी भारत जोड़ो यात्रा की शुरूआत हुयी थी। कश्मीर में राहुल गांधी ने देश के लोगो को कहा डरो मत। कश्मीर में राहुल गांधी हजारो कार्यकर्ता के साथ पहुंचकर वह लाल चौक पर झंडा फैराया। कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है। मोदी कांग्रेस के घोषणा न्याय पत्र को लेकर झूठ फैला रहे है। मोदी झूठ इसलिये बोल रहे है क्योंकि वह कांग्रेस के घोषणा न्याय पत्र के सच से डरे हुये है। देश में सबसे बड़ा सच यह है कि महंगाई जिसका मुकाबला मोदी नहीं कर पा रहे।

पिछले 10 सालों में महंगाई बेतहाशा बढ़ी। रिर्जव बैंक इंडिया का डेटा यह बताता है कि पिछले एक साल के अंदर भारत में आम जनता की देनदारी है वह 75 प्रतिशत बढ़ी है यह वो जनता है जो महंगाई से त्रस्त है। लोगो को महंगाई चुभ रही है पढ़ाई के लिये, दवाई के लिये लोग अपने बचत का ईस्तमाल कर रहे है। मोदी जी मंगलसूत्र की बात बार-बार करते है और वह भी डेटा रिर्जव बैंक आफ इंडिया का है कि पिछले पांच साल में देश के अंदर गोल्ड लोन पांच गुना बढ़ गया है। केन्द्र में कांग्रेस इंडिया एलाईंस की सरकार आने पर सबसे पहले महालक्ष्मी योजना के तहत महिलाओं को एक-एक लाख रू. सालाना देंगे और सरकारी नौकरी में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण मिलेगा।

सरोज पांडेय शेरनी हैः साय

पचास से ज्यादा समाज के प्रमुखों से मिले सीएम, मांगा समर्थन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कोरबा में पचास से ज्यादा समाज के प्रमुखों के साथ लंबी चर्चा की। मोदी के दस साल के काम काज की चर्चा करते हुए उन्हें फिर से प्रधानमंत्री बनाने को देश की जरूरत बताया। उन्होंने कहा कि मोदी ने हर समाज की तरक्की की सदैव चिंता की है।

अपनी सरकार पर उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की सरकार ने न्यूनतम समय में जनहित के फैसले लिए है, त्वरित निर्णय की ये गति सतत जारी रहेगी। सीएम ने कहा कि छत्तीसगढ़ में 4 सीटों पर मतदान हो चुका है, शेष सीटों पर 7 को मतदान होना है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सभी 11 सीटों पर हम जीतने जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि मोदी देश के गरीबों की चिंता दिन रात करते हैं। बतौर केंद्रीय राज्य मंत्री उनके साथ उन्हे काम करने का जब मौका मिला तो मोदी के देश के विकास और गरीबों के उत्थान के लिए काम करने की ललक को उन्होंने नजदीक से देखा ।

श्री साय ने सभी समाज के प्रमुखजनों से कहा की कोरबा की जनता बहुत सौभाग्य शाली है। जो सुश्री सरोज पांडेय जैसा योग्य प्रत्याशी मिला है। उन्होने सरोज पांडेय को शेरनी की संज्ञा दी।

कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री लखन लाल देवांगन, भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ राजीव सिंह, युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष रवि भगत, जिला संगठन प्रभारी गोपाल साहू भी उपस्थित थे।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.